दैनिक
सत्ता सुधार
जनता के साथ जनता की आवाज

भिंड ■ बुधवार 09 अप्रैल 2025 ■ वर्ष -17 ■ अंक-279 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य- ₹04

सुविचार

बुद्धि के सिवाय विचार प्रचार का कोई दूसरा शस्त्र नहीं है, क्योंकि ज्ञान ही अन्याय को मिटा सकता है।
-शंकराचार्य

एमपी-यूपी में लू की चेतावनी राजस्थान में गर्मी का रेड अलर्ट

सावधान! राज्यों में दो दिनों तक लू का प्रकोप रहेगा

नई दिल्ली। दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत में भीषण गर्मी का प्रकोप है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब समेत कई राज्यों में लगातार तापमान में बढ़त देखने को मिल रही है। कुछ शहरों में तो पारा रिकॉर्ड तोड़ रहा है। इस बीच भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने कई राज्यों में हीट वेव को लेकर चेतावनी जारी की है। अगले दो दिनों तक दिल्ली, पश्चिमी राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात के कुछ हिस्सों में हीट वेव का प्रकोप रहेगा। बुधवार को पश्चिमी राजस्थान के कई स्थानों पर लू चलने की संभावना है, इसको देखते हुए रेड अलर्ट जारी किया गया है। सौराष्ट्र और कच्छ, पूर्वी राजस्थान, पंजाब, हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली के कुछ स्थानों पर लू चलने की संभावना है। वहीं, 10 अप्रैल को पश्चिमी मध्य प्रदेश के कुछ स्थानों पर गर्म रात की स्थिति की संभावना है।

देशभर में वक्फ कानून लागू मुर्शिदाबाद में भड़की हिंसा

केंद्र सरकार ने जारी की अधिसूचना

नई दिल्ली। संसद से पारित और राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद वक्फ संशोधन अधिनियम मंगलवार से लागू हो गया है। केंद्र सरकार ने अधिसूचना जारी की है कि वक्फ अधिनियम को आठ अप्रैल से प्रभावी कर दिया गया है। पिछले सप्ताह संसद और राष्ट्रपति ने दी वक्फ संशोधन अधिनियम को मंजूरी दी थी। इसके बाद यह तय नहीं था कि नया कानून कब से लागू होगा। केंद्र सरकार ने अधिसूचना जारी करते हुए कहा कि वक्फ संशोधन कानून आठ अप्रैल से प्रभावी होगा। इधर, केंद्र के नए वक्फ संशोधन विधेयक को वापस लेने की मांग को लेकर बंगाल के मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले में मंगलवार को मुस्लिम संगठनों का विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया। जंगीपुर इलाके में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच दोपहर में हिंसक झड़प हो गई, जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए।

राष्ट्रपति-संसद से मिल चुकी मंजूरी

मोहन कैबिनेट का फैसला: 25 गाय या भैंस रखने वालों को मिलेगा अनुदान

स्वावलंबी गौशाला! हर गाय को 40 रुपए प्रति दिन देगी सरकार

मुख्यमंत्री पशुपालन विकास योजना का नाम डॉ. अम्बेडकर पशुपालन रखे जाने की स्वीकृति

प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए एडसिल (इंडिया) लिमिटेड से एमओयू का लिया निर्णय

- **मंदसौर में 2932 करोड़ 30 लाख की मल्हारगढ़ (शिवना) दाबयुक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना की मंजूरी**
- **अब पीपीपी मॉडल पर खुलेंगे मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल से अटैच होंगे, सरकार रखेगी नियंत्रण**

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। मध्यप्रदेश राज्य में स्वावलंबी गौशालाओं की स्थापना की नीति-2025 की स्वीकृति देने का निर्णय लिया गया है। साथ ही प्रदेश में 25 गाय या भैंस रखने वालों को अनुदान दिया जाएगा। इसके अलावा पशु आहार अनुदान 20 रुपए से बढ़ाकर 40 रुपए किया गया है।

वहीं मध्यप्रदेश में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे। सरकार इनके लिए एक रुपए भू-भाटक पर 25 एकड़ जमीन उपलब्ध कराएगी। कैबिनेट ने जिला अस्पतालों को प्राइवेट डेवलपर को देने का फैसला भी पलट दिया है। डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि जिला अस्पतालों को प्राइवेट डेवलपर को ट्रांसफर करने का पुरानी सरकार का फैसला पलटा है। पहले इसमें डेवलपर को अस्पताल सौंपने का प्रावधान किया गया था। अब जिला अस्पतालों पर सरकार का ही नियंत्रण रहेगा। अब निजी मेडिकल कॉलेजों को डेवलपर से संबद्ध किया जाएगा। इसके लिए एक कमेटी बनेगी, जिसमें जिला अस्पताल के प्रतिनिधि भी होंगे। इन अस्पतालों में 75 प्रतिशत तक फ्री इलाज की सुविधा आयुष्मान कार्डधारकों को मिलेगी।

पशु आहार अनुदान अब 40 रुपए मिलेगा

डिप्टी सीएम ने बताया कि बैठक में पशुपालन विभाग के माध्यम से गौशालाओं के निर्माण के साथ आहार अनुदान 40 रुपए करने का फैसला किया गया है। पहले यह 20 रुपए था। गौवंश विहार के लिए पीपीपी मोड पर निवेशकों को आमंत्रित करने नई पॉलिसी को मंजूरी दी गई है।

निवेशक सीएनजी, सोलर और अन्य उत्पादन भी कर सकेंगे

पशुपालन मंत्री लखन पटेल ने कहा कि पांच हजार गौवंश रखने के लिए पीपीपी मॉडल तैयार कर रहे हैं, जिसके लिए बिडिंग होगी। इसमें निवेशक सीएनजी, सोलर और अन्य उत्पादन भी कर सकेंगे। निवेशक से पूछेंगे कि वह कितने दिन तक योजना का लाभ लेंगे। इससे निराश्रित गौवंश को पालने में मदद मिलेगी। इसी साल इस पर काम शुरू करेंगे।

अंबेडकर दुग्ध उत्पादन योजना

पशुपालन मंत्री ने बताया कि डॉ. भीमराव अंबेडकर दुग्ध उत्पादन योजना में एक व्यक्ति को 25 गाय या भैंस पालने के लिए सरकार सब्सिडी देगी। आवेदक के पास कम से कम साढ़े तीन एकड़ जमीन होना जरूरी है। इसके लिए लोन लेने पर एससी-एसटी वर्ग को 33 प्रतिशत जबकि सामान्य और ओबीसी वर्ग को 25 प्रतिशत की सब्सिडी दी जाएगी। योजना में 25 गाय या भैंसों को एक यूनिट माना जाएगा। आवेदक ऐसी आठ यूनिट लगा सकेगा, जिससे गाय या भैंसों की संख्या 200 तक हो सकती है। हर यूनिट के लिए साढ़े तीन एकड़ जमीन होना जरूरी है। एक यूनिट का खर्च 42 लाख रुपए माना गया है। आठ यूनिट लगने के बाद इसमें कम से कम 50 लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

इन फैसलों को भी मिली मंजूरी

- पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी परियोजना से 60 हजार हेक्टेयर में सिंचाई होगी। इसके लिए 2932 करोड़ मंजूर किए गए।
- मंदसौर जिले के मल्हारगढ़ में सूक्ष्म सिंचाई योजना को मंजूरी।
- लोक वित्त से वित्त पोषित कार्यक्रम के अंतर्गत परियोजनाओं के परीक्षण को प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।
- बिजली कंपनियों में कैश फ्लो बना रहे, इसके लिए सरकार गारंटी देती है। वर्ष 2024-25 से 2028-29 हर साल 12466 करोड़ रुपए की गारंटी मंजूर की गई है। सरकार 0.5 प्रतिशत ब्याज पर गारंटी देगी।

ग्वालियर-सागर बायपास के लिए राशि मंजूर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि केंद्र सरकार ने एमपी में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण कार्यों के लिए 4303 करोड़ मंजूर किए हैं। इनमें 1426 करोड़ की लागत से बनने वाला 28.5 किमी लंबा ग्वालियर पश्चिमी बायपास और 688 करोड़ की लागत से बनने वाला सागर बायपास शामिल हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 को आएंगे अशोकनगर

इधर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले बताया कि पीएम मोदी 11 अप्रैल को अशोकनगर जिले की ईसागढ़ तहसील स्थित आनंदपुर धाम आ रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भोपाल में 13 को और 17 अप्रैल को नीमच आएंगे। वहीं केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी धार जिले के बदनावर से 10 अप्रैल को प्रदेश की विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का लोकार्पण और भूमि-पूजन करेंगे। सीएम ने बताया कि 12-13-14 अप्रैल को दिल्ली के लाल किला प्रांगण में आयोजित विक्रमोत्सव के अंतर्गत सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य की प्रस्तुति होगी। मप्र के सभी मंत्री कार्यक्रम में शामिल होंगे।

केंद्रीय मंत्री शाह अप्रैल में दो बार आएंगे मप्र

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी कल धार करेंगे लोकार्पण-भूमिपूजन

ब्रीफ न्यूज

जम्मू विस में एनसी-भाजपा विधायकों से हाथापाई

श्रीनगर। जम्मू विधानसभा में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन नए वक्फ कानून पर हंगामा हुआ। एनसी के विधायकों ने सदन में बिल पर चर्चा की मांग करते हुए नारेबाजी की। इस दौरान एनसी और भाजपा विधायकों के बीच हाथापाई भी हुई।

'छेड़छाड़ आम बात' पर गृहमंत्री ने मांगी माफी

बेंगलुरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने यौन उत्पीड़न की घटना पर अपनी टिप्पणी के बाद माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि मैं ऐसा व्यक्ति हूं जो हमेशा महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंतित रहता हूं। अगर मेरी बातों से किसी महिला को ठेस पहुंची है तो मैं खेद व्यक्त करता हूं और माफी मांगता हूं।

ब्रिटेन में पहली बार ट्रांसप्लांट गर्भाशय से बच्ची का जन्म

लंदन। ब्रिटेन में एक महिला ने ट्रांसप्लांट गर्भाशय से बच्ची को जन्म दिया है। ऐसा ब्रिटेन में पहली बार हुआ है। बच्ची की मां ग्रेस डेविडसन जन्म से ही एक निष्क्रिय गर्भाशय के साथ पैदा हुई थीं। 2023 में ग्रेस को उनकी बहन का गर्भाशय लगाया गया था। ग्रेस और उनके पति एंगस ने अपनी बेटी का नाम एमी रखा है।

पूर्व क्रिकेटर केदार जाधव ने थामा भाजपा का दामन

मुंबई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर केदार जाधव क्रिकेट के बाद राजनीति में अपनी पारी शुरू करने वाले हैं। मंगलावार को मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में केदार जाधव भाजपा में शामिल हो गए।

जयपुर सीरियल-जिंदा बम केस में चार आतंकवादियों को आजीवन कारावास

अफसोस की बजाय अदालत में हंसते हुए बाहर निकले आतंकी

17 साल बाद इंसाफ, 71 लोगों की गई थी जान

जिंदा बम केस, 5 नए गवाहों ने पलटी बाजी

आतंकियों के खिलाफ 112 सबूत से मजबूत हुआ केस

एजेंसी ■ जयपुर

जज ने कहा-राह गलत नहीं होती...गलत तो चुनाव होता है...

बहस के दौरान आतंकी शाहबाज के वकील मुजाहिद अहमद ने शायरी से अपनी बात शुरू करते हुए कहा-तुम्हारा शहर, तुम ही कातिल तुम ही मुद्दई, तुम ही मुंशिफ हमें यकीन है, गलती हमारी ही निकलेगी। इस पर जज रमेश कुमार जोशी ने सजा सुनाते हुए शायरी में कहा-कुदरत के फैसले पर कभी शक मत करना। अगर सजा मिल रही है तो गुनाह भी हुआ होगा। सबसे बड़ा न्यायालय हमारा मन होता है। क्या सही है और क्या गलत.. उसे सब पता होता है। राह गलत नहीं होती है। गलत तो चुनाव होता है...।

जयपुर में 17 साल पहले हुए सीरियल बम धमाकों के दौरान जिंदा बम मिलने के केस में दोषी चार आतंकियों को मंगलवार को स्पेशल कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई। चार अप्रैल को कोर्ट ने चारों आतंकियों सैफुर्रहमान, मोहम्मद सैफ, मोहम्मद सरवर आजमी और शाहबाज अहमद को दोषी ठहराया था। कोर्ट ने 600 पेज का फैसला दिया है। 13 मई को 2008 को जयपुर में 8 सीरियल ब्लास्ट हुए थे, नौंवा बम चांदपोल बाजार के गेस्ट हाउस के पास मिला था। बम फटने के 15 मिनट पहले इसे डिफ्यूज कर दिया गया था। धमाकों में 71 लोगों की मौत हुई थी और 185 घायल हुए थे।

सोना दो दिन में ढाई हजार हुआ सस्ता

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में मंगलवार को गिरावट रही। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 535 गिरकर 88,550 पर आ गया। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 89,085 रुपए थी। एक किलो चांदी की कीमत 29 गिरकर 90,363 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 90,392 रुपए किलो था। वहीं 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 और 3 अप्रैल को सोने ने 91,205 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था। सिर्फ दो कारोबारी दिनों में ही सोने के दाम में 2,464 रुपए की गिरावट आई है। वहीं भोपाल में 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 89,780 रुपए हो गई है।

उम्मीदः अभी और गिर सकते हैं दाम

हम दलित-मुस्लिम-ब्राह्मण में उलझे रहे, ओबीसी कांग्रेस छोड़ गया 'हाथ'

84वां अधिवेशनः अहमदाबाद में राहुल गांधी ने कहा

एजेंसी ■ गांधीनगर

गुजरात के अहमदाबाद में कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन आज से शुरू हो गया। दो दिवसीय अधिवेशन के पहले दिन मंगलवार को कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक हुई। सीडब्ल्यूसी की इस बैठक में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पार्टी की रणनीति और सामाजिक समीकरणों को लेकर अपनी बात रखी। वहीं सांसद राहुल गांधी ने कहा कि हम दलित, मुस्लिम और ब्राह्मण में उलझे रहे और इस बीच ओबीसी हमारे साथ से दूर हो गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जब अल्पसंख्यकों, खासकर मुस्लिम समुदाय की बात करती है, तो उसकी आलोचना होती है, लेकिन इससे डरने की जरूरत नहीं है। पार्टी को ऐसे मुद्दे उठाने चाहिए और बिना झिझक अपनी बात रखनी चाहिए। प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली स्थायी समितियों ने देश के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कई सुझाव दिए हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष में रहते हुए भी पार्टी लोगों के अधिकारों और कल्याण के लिए लड़ने के लिए हर लोकतांत्रिक संस्था का उपयोग करना जारी रखेगी। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल की विचारधारा आरएसएस के विचारों के विपरीत है। आज भाजपा और संघ परिवार के लोग गांधी से जुड़ी संस्थाओं पर कब्जा कर रहे हैं और उन्हें उनके वैचारिक विरोधियों को सौंप रहे हैं। गांधीवादी और सहकारी आंदोलन के लोगों को हाशिए पर रखा जा रहा है।

शेख हसीना बोलीं- बांग्लादेश अब आतंकी देश बन गया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

अल्लाह ने मुझे किसी मकसद से बचाया

मैं अपराधियों को कठघरे में लाऊंगी

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने कहा कि अल्लाह ने मुझे किसी मकसद से जिंदा रखा है। मैं वापस लौटूंगी। वो दिन जरूर आएगा जब अवामी लीग के नेताओं को निशाना बनाने वालों को इंसाफ के कठघरे में लाया जाएगा। हसीना ने यह बात उस वक्त कही जब वो सोशल मीडिया पर अपने पार्टी नेताओं के परिवार वालों से बात कर रही थीं। अगस्त से वे भारत में शरण में हैं। हसीना ने कहा कि बांग्लादेश अब आतंकी देश बन गया है। मोहम्मद यूनुस को लोगों से कभी मोहब्बत नहीं थी।

फटकार तमिलनाडु के 10 बिल रोकने पर सुप्रीम कोर्ट ने दिखाई सख्ती...कहा-सभी फैसले अवैध

राज्यपाल संविधान से चलें...पार्टियों की मर्जी से नहीं...

एजेंसी ■ नई दिल्ली

तमिलनाडु की एमके स्टालिन सरकार को मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के 10 जरूरी बिलों को राज्यपाल आरएन रवि की ओर से रोके जाने को अवैध बताया है।

कोर्ट ने कहा कि यह मनमाना कदम है और कानून के नजरिए से सही नहीं। राज्यपाल को राज्य की विधानसभा को मदद और सलाह देनी चाहिए थी। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपालों के लिए बिल पर काम करने की टाइमलाइन तय कर दी है। साथ ही कहा कि विधानसभा से पास बिल पर राज्यपाल एक महीने के भीतर कदम उठाएं। कोर्ट ने यह भी कहा कि हम राज्यपाल की शक्तियों को कमजोर नहीं कर रहे, लेकिन राज्यपाल की सारी कार्रवाई संसदीय लोकतंत्र के सिद्धांतों के अनुसार होनी चाहिए।

उत्प्रेरक बनिए, अवरोधक नहीं: सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल को एक दोस्त, दार्शनिक और राह दिखाने वाले की तरह होना चाहिए। संविधान की शपथ लेते हैं। किसी राजनीतिक दल की तरफ से संचालित नहीं होना चाहिए। उत्प्रेरक बनना चाहिए, अवरोधक नहीं। राज्यपाल को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि कोई बाधा पैदा न हो।

सुप्रीम टिप्पणी

जस्टिस जेबी पारदीवाला और आर महादेवन की बेंच ने कहा कि राज्यपाल द्वारा 10 विधेयकों को राष्ट्रपति के पास भेजना अवैध है। यह कार्रवाई रद्द की जाती है। राज्यपाल की सभी कार्रवाई अमान्य हैं। राज्यपाल ने भले मन से काम नहीं किया। इन बिलों को उसी दिन से मंजूर माना जाएगा, जिस दिन विधानसभा ने बिलों को पास करके दोबारा राज्यपाल को भेजा गया था।

वरना करेंगे कानूनी समीक्षा

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल को निर्देश दिया कि उन्हें अपने विकल्पों का इस्तेमाल तय समय-सीमा में करना होगा, वरना उनके उठाए गए कदमों की कानूनी समीक्षा की जाएगी। राज्यपाल बिल रोकें या राष्ट्रपति के पास भेजें, उन्हें यह काम मंत्रिपरिषद की सलाह से एक महीने के अंदर करना होगा। विधानसभा बिल को दोबारा पास कर भेजती है, तो राज्यपाल को एक महीने के अंदर मंजूरी देनी होगी।

sattasudharbpl@gmail.com | satta_sudhar | facebook.com/satta.sudhar.7 | www.sattasudhar.in

पांच राज्यों से एक साथ प्रकाशित

ब्रीफ न्यूज

सीएम ने जताया रतनमोहिनी के देवलोक गमन पर शोक

भोपाल। सीएम डॉ. मोहन यादव ने आध्यात्मिक संगठन ब्रह्मकुमारी की मुख्य प्रशासिका ब्रह्मकुमारी रतनमोहिनी के असामयिक निधन पर शोक संवेदनाएं प्रकट कीं। उन्होंने कहा कि ब्रह्मकुमारी दादी रतनमोहिनी का देवलोक गमन सम्पूर्ण आध्यात्मिक जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री ने बाबा महाकाल से दिवंगत पुण्यात्मा की शांति और शोक संतप्त अनुयायियों को इस गहन दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए प्रार्थना की है।

मुख्यमंत्री ने फोटोग्राफर रविन्द्र सिंह के निधन पर जताया शोक

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजधानी के वरिष्ठ प्रेस फोटोग्राफर रविन्द्र सिंह के निधन पर दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए बाबा महाकाल से पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और शोकाकुल परिजन को असीम दुःख की इस घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की है। उल्लेखनीय है कि रविंद्र सिंह ने राजधानी के विभिन्न समाचार पत्र समूहों में अपनी सेवाएं दी।

सीएम ने की मृतकों के परिजन को आर्थिक मदद की घोषणा

भोपाल। सीएम डॉ. मोहन यादव ने श्योपुर जिले के आवादा थाना क्षेत्र में श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से हुई दो महिलाओं और एक बच्चे की आकस्मिक मृत्यु पर दुःख व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने घायलों के उचित इलाज के लिए जिला प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजन को 2-2 लाख रुपए एवं सभी घायलों को 50-50 हजार की आर्थिक मदद दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने बाबा महाकाल से दिवंगतों की आत्मा की शांति और घायलों के शीघ्र स्वस्थ लाभ के लिए प्रार्थना की है।

निर्वाचन आयोग अल्बानिया चुनाव में बनेगा आब्जर्वर

भोपाल। आयुक्त राज्य निर्वाचन आयोग मनोज श्रीवास्तव ने जानकारी दी है कि मप्र राज्य निर्वाचन आयोग को अल्बानिया रिपब्लिक के संसदीय चुनाव में ऑब्जर्वर के रूप में आमंत्रित किया गया है। अल्बानिया में 9 से 11 मई 2025 तक संसदीय निर्वाचन होना है। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग अभिषेक सिंह ने बताया है कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा स्थानीय निर्वाचन में किये गये विभिन्न नवाचारों जैसे पेपरलेस बूथ आदि के सफल प्रयोग के कारण अल्बानिया के निर्वाचन आयोग ने राज्य निर्वाचन आयोग को प्रेक्षक के रूप में आमंत्रित किया है। उन्होंने बताया है कि यह पहला राज्य निर्वाचन आयोग है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निर्वाचक प्रेक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया है।

सीएम ने पद्मश्री राई लोक नृतक पांडे के निधन पर जताया शोक

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ख्याति प्राप्त लोकनृत्य कलाकार पद्मश्री रामसहाय पांडे के निधन पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि राम सहाय पांडे ने विपरीत परिस्थितियों में कला क्षेत्र को अपनाया और इस क्षेत्र में अनेक उपलब्धियां अर्जित कीं। सीएम ने कहा कि बुंदेलखंड के गौरव, लोकनृत्य राई को वैश्विक पहचान दिलाने वाले लोक कलाकार पद्मश्री पांडे का निधन मध्यप्रदेश और कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।

प्रदेश में नशा मुक्ति, भिक्षावृति उन्मूलन के प्रयास जारी: मंत्री कुशवाह

देहरादून में आयोजित चिंतन शिविर में शामिल हुए सामाजिक न्याय मंत्री

सत्ता सुधार ■ भोपाल

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा देहरादून में दो दिवसीय भिक्षावृति, ट्रांसजेंडर व्यक्ति एवं नशा मुक्ति चिंतन शिविर में शामिल हुए। चिंतन शिविर केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। शिविर में सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय के राज्यमंत्री द्वय रामदास अठावले और बीएल वर्मा तथा प्रदेश की पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वंतत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर सहित देश के अन्य प्रदेशों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मंत्री कुशवाह ने चिंतन शिविर में मध्यप्रदेश में नशामुक्ति अभियान, ट्रांसजेंडर व्यक्तियों तथा भिक्षावृति उन्मूलन के क्षेत्र में किये गये प्रयासों के संबंध में बताया। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि देश को भिक्षामुक्त बनाने के लिए केन्द्र सरकार, राज्य सरकार, जिला प्रशासन, मंदिर ट्रस्ट, शहरी स्थानीय निकाय एवं विभिन्न हितधारकों के साथ समन्वित कार्यवाही कर भिक्षावृति में लिप्त व्यक्तियों का पुनर्वास कर समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे है इसी कड़ी में प्रदेश के 7 धार्मिक, पर्यटन एवं ऐतिहासिक शहर-भोपाल, इन्दौर, उज्जैन, जबलपुर, खण्डवा, रतलाम एवं छतरपुर में स्माईल भिक्षावृति योजना शुरू की गई है।

उन्होंने बताया कि ट्रांसजेंडर के लिये उभयलिंगी व्यक्ति अधिनियम 2019, व्यक्ति नियम 2021, बनाए जाकर 17 जून 2022 से प्रदेश में प्रभावशील है। प्रदेश में भारत सरकार के ट्रांसजेण्डर पोर्टल से 844 ट्रांसजेण्डर व्यक्तियों के परिचय पत्र, प्रमाण पत्र जारी किए हैं इन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान कार्ड, मुख्यमंत्री स्वेच्छा अनुदान, पेंशन योजना, संबल योजना एवं खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत लाभांवित किया जा रहा है।

हजारों शैक्षणिक संस्थाओं को अभियान से जोड़ा

मंत्री कुशवाह ने बताया कि नशामुक्ति अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश में नशामुक्त अभियान में 50 हजार से अधिक सामुदायिक जनजागृति कार्यक्रम 31 से अधिक ग्रामों में एवं 20 हजार से अधिक शैक्षणिक संस्थाओं को नशामुक्त भारत अभियान से जोड़ा गया है। देश में सर्वाधिक 11 हजार 500 से अधिक वॉलिंटीयर्स पंजीकृत किए गए हैं तथा 4 लाख 20 हजार जागरूकता गतिविधियां संचालित की गई है।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई अंतरराष्ट्रीय सहकारिता-2025 पर बैठक

सहकारी समितियों की कार्य प्रणाली में पारदर्शिता जरूरी: सीएम यादव

- सहकारिता क्षेत्र में पीपीपी मोड से व्यवसाय के नए अवसर खोजें
- ड्रिप-एरीगेशन, ग्रेडिंग-सार्टिंग और पैकेजिंग को करें प्रोत्साहित
- सहकारिता सेटअप में कार्पोरेट संस्कृति को विकसित करने की जरूरत
- भावी पीढ़ी को ध्यान में रख संचालित करें सहकारिता की गतिविधियां
- जून तक सभी समितियों का ऑडिट किया जाए
- सभी समितियां का कम्प्यूटराईजेशन किया जाए

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सहकारी समितियों की साख और जन सामान्य में उनके प्रति विश्वास बनाए रखने के लिए समितियों की कार्य प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करना आवश्यक है। अतः सभी प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के कार्यों का शत प्रतिशत कम्प्यूटराईजेशन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने जून 2025 तक समितियों का ऑडिट पूर्ण कर कृषकों को लेन-देन की सूचना एसएमएस के माध्यम से उपलब्ध कराने और इस वर्ष के अंत अर्थात दिसम्बर 2025 तक सभी समितियों के कार्यो का कम्प्यूटराईजेशन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री मंत्रालय में हुई सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक में निर्देशित कर रहे थे। बैठक में सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव सहकारिता अशोक वर्णवाल तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अल्पसेवित पंचायतों की पहचान कर नवीन सहकारी समितियों के गठन के लिए प्राथमिकता पर कार्यवाही की जाए। वर्तमान परिदृश्य और आवश्यकताओं को देखते हुए अधिक से अधिक समितियों में पारंपरिक गतिविधियों के साथ-साथ कॉमन सर्विस सेंटर, प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र, जन औषधि केंद्र, जल कर वसूली केंद्र और एग्री ड्रोन संचालन जैसी गतिविधियां चलाई जाएं। इसके साथ ही को-ऑपरेटिव- पब्लिक- प्राइवेट- पार्टनरशिप (सीपीपीपी) के माध्यम से सहकारी-सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की भागीदारी से सहकारी समितियों को व्यवसाय के नए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में विशेष प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सहकारिता में नवाचार करते हुए ड्रिप एरीगेशन, ग्रेडिंग-सार्टिंग और पैकेजिंग, जंगल सफारी, गेस्ट हाउस और खाद्य प्र-संस्करण जैसी गतिविधियां को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वर्ष 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। प्रदेश में सहकारिता की पहुंच बढ़ाने और सतत विकास में सहकारिता के योगदान के लिए ग्राम और वार्ड स्तर पर गतिविधियों का संचालन किया जाए। सहकारी सोसायटियों के सुदृढ़ीकरण के लिए नवाचार और सूचना प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देते हुए सहकारिता के सेट-अप में कार्पोरेट संस्कृति को विकसित करने की जरूरत है। पीएम मोदी के ज्ञान पर ध्यान के मंत्र को साकार करने और विकसित भारत के लिए भावी पीढ़ी की सहकारिता का आधार तैयार करने के उद्देश्य से गतिविधियां संचालित की जाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के क्रियान्वयन के लिए राज्य स्तरीय शीर्ष समिति की मंत्रालय में हुई बैठक को संबोधित कर रहे थे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, मुख्य सचिव अनुराग जैन सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा से छूटे किसानों को चिन्हित कर उन्हें सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राजस्व, किसान कल्याण तथा एवं विकास, पशुपालन एवं डेयरी और मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग समन्वित रूप से गतिविधियां संचालित करें। पैक्स के सशक्तिकरण और उन्हें अधिक समर्थ और सक्षम बनाने के लिए अन्तर्विभागीय समन्वय से कार्य किया जाए। शासकीय योजनाओं के कन्वर्जेंस में पैक्स के सदस्यों को प्राथमिकता दी जाए। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा भारत सरकार की पहल पर वर्ष-2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया गया है। सहकारिताएं एक बेहतर दुनिया का निर्माण करती हैं इसकी थीम है, जो वैश्विक चुनौतियों का सामना करने में सहकारी मॉडल की प्रभावशीलता को दर्शाती है। साथ ही यह वर्ष 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों को लागू करने के प्रयासों में सहकारिता के योगदान पर भी प्रकाश डालती है।

बड़े पैमाने पर होंगे अधिकारी-कर्मचारी पदोन्नत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रदेश के अधिकारी-कर्मचारियों की पदोन्नति शीघ्र होगी। इस बारे में राज्य शासन द्वारा शीघ्र ही महत्वपूर्ण निर्णय लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लगभग 4 लाख अधिकारी-कर्मचारी इस निर्णय से लाभान्वित होंगे। सीएम ने कहा कि अपने सेवा काल में कई वर्ष से पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहे अनेक अधिकारी-कर्मचारी सेवा निवृत भी हो गए। गत 8 वर्ष से पदोन्नति की रुकावट चली आ रही थी, जो अब समाप्त होगी। उन्होंने कहा कि पदोन्नति से संबंध में मुख्यमंत्री स्तर से 12 से अधिक बैठकों में विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शीघ्र ही मंत्रि-परिषद की बैठक में इस संबंध में निर्णय होगा।

50 फीसदी से कम रिजल्ट तो प्राचार्य और शिक्षकों का करें तुरंत तबादला

मंत्री शाह ने जताई नाराजगी, अधिकारी छात्रावासों में करें रात्रि-विश्राम

सत्ता सुधार ■ भोपाल

जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा है कि कम रिजल्ट देने वाले शिक्षकों के प्रति अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि बच्चों के परीक्षा में प्राप्तांकों का प्रतिशत यदि 50 प्रतिशत से कम रहता है तो ऐसे प्रिंसिपल और ऐसे शिक्षकों को उस स्कूल में रहने का कोई अधिकारी नहीं है उनका स्थानांतरण तुरंत किया जाए। बच्चों के भविष्य के साथ किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता।

शाह ने कहा कि अधिकारियों को मोटीवेशनल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि आपको शत प्रतिशत परिणाम चाहिए तो संवेदनशीलता के साथ सकारामक सोच भी रखना होगी। मंत्री शाह जनजातिय विभाग के दो दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यक्रम के समापन अवसर पर अधिकारियों के साथ अपने अनुभव साझा कर रहे थे। उन्होंने कहा विभाग एक परिवार की तरह हैं, जिस तरह परिवार में माता-पिता मुखिया होते हैं। आयुक्त श्रीमन शुक्ल ने अपनी कार्य कुशलता और तत्परता से विभाग को एक नई दिशा दी है।

उन्होंने कहा कि जिले में पदस्थ अधिकारी से कहा कि आप चाहते हैं कि छात्रावासों की दशा में व्यवस्थाओं में सुधार हो तो आपको 15 दिन में एक रात छात्रावासों में बच्चों के साथ रूकना होगा। जब आप बिस्तर पर सोयेंगे तो बिस्तरों की हालत सुधरेगी। उनके साथ खाना खाएं। आपको भी मालूम होना चाहिए कि वे किस प्रकार का भोजन कर रहे हैं। उनके रहने के कमरे, बाथरूम आदि में अपने आप सुधार आएगा। बच्चों के साथ वक्त बितायेंगे तो वे अपने मन की बात आपसे कह सकेंगे। आपके रूकने से अन्य कर्मचारी भी काम के प्रति गंभीर होंगे।

अब बच्चे कहेंगे जय हिन्द मैडम

मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि स्कूलों में उपस्थिति के समय जब टीचर बच्चों का नाम पुकारते हैं तो बच्चे प्रतिउत्तर में यस मैडम या यस सर नहीं कहेंगे। अपना नाम सुनने पर उपस्थिति दर्ज कराने के लिए वे जय हिन्द सर अथवा जय हिन्द मैडम कहेंगे।

ट्रायबल मीट का होगा आयोजन

मंत्री शाह ने कहा कि शासकीय सेवा में काम के तनाव को कम करने के लिए साल में एक बार ट्रायबल मीट का आयोजन किया जाएगा। शुक्रवार से रविवार तक चलने वाली इस मीट के आयोजन में अधिकारी कर्मचारी अपने परिवार के साथ भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि सभी लोग माता-पिता को भी इस विभागीय मीट में साथ लेकर आएं।

230 विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के सक्रिय सदस्यों के सम्मेलन शुरू

चुनावी रणनीति और बूथ स्तर तक सशक्त नेटवर्क के निर्माण पर होगी चर्चा

सत्ता सुधार ■ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी ने अपने स्थापना दिवस के साथ ही कई अलग-अलग कार्यक्रम तय किए। इसी क्रम में 8 और 9 अप्रैल को प्रदेश की सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों में सक्रिय सदस्यों के सम्मेलन आयोजित करने जा रही है। इन सम्मेलनों में पार्टी नेतृत्व कार्यकर्ताओं को भारतीय राजनीति में भाजपा द्वारा किए गए बदलावों और संगठन की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी देगा। सम्मेलन का उद्देश्य पार्टी के सक्रिय सदस्यों को यह समझाना है। कार्यक्रमों में बताएंगे कैसे पार्टी ने काम करने वाले कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाया और उन्हें चुनावों में मौका देकर उन्हें जनप्रतिनिधि बनने का अवसर भी दिया। इसके साथ ही भाजपा के संगठनात्मक विस्तार, चुनावी रणनीति और बूथ स्तर तक सशक्त नेटवर्क के निर्माण पर भी चर्चा होगी। इससे पहले, रविवार और सोमवार को प्रदेशभर में प्राथमिक सदस्यों के सम्मेलन आयोजित किए गए।

गांव-बस्ती में चलेगा 12 तक अभियान

मध्य प्रदेश भाजपा ने सोमवार को गांव-बस्ती चलो अभियान की शुरुआत किया है। यह अभियान 12 अप्रैल तक चलेगा। इस अभियान के तहत जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता गांवों, मोहल्लों और सेवा बस्तियों का दौरा वन नेशन, वन इलेक्शन और केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी जनता को देंगे।

14 को संविधान का करेंगे सामूहिक पाठ : 13 अप्रैल को डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर भाजपा कार्यकर्ता बाबा साहब की प्रतिमाओं की सफाई करेंगे। संध्या के समय दीप जलाकर दीपोत्सव मनाया जाएगा, और सामूहिक पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। वहीं, 14 अप्रैल को भाजपा कार्यकर्ता संविधान का सामूहिक पाठ करेंगे।

मुख्यमंत्री से मिले कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि, पदोन्नति घोषणा के लिए माना आभार

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मंगलवार की शाम मंत्रालय कर्मचारी संघ और शीघ्र लेखक संघ के पदाधिकारियों के प्रतिनिधि मंडल ने भेंट की। प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा अधिकारी-कर्मचारियों की पदोन्नति के संबंध में की गई घोषणा और पूर्व में विभिन्न तरह के भत्तों को प्रदान करने एवं अन्य कर्मचारी हितैषी निर्णयों पर प्रसन्नता व्यक्त की। प्रतिनिधि मंडल ने शासकीय सेवकों की पदोन्नति के संबंध में महत्वपूर्ण घोषणा के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त किया।

कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने कहा कि लगभग 9 वर्ष बाद यह एक बड़ा निर्णय लिया जा रहा है जो कर्मचारी वर्ग के हित में रहेगा। अनेक कर्मचारी पदोन्नति की चाह में सेवानिवृत हो गए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस उलझे हुए मसले पर महत्वपूर्ण निर्णय लेने की घोषणा की है जिसके लिए समस्त कर्मचारी उनके प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के विकास में शासकीय सेवकों का महत्वपूर्ण योगदान है। शासन द्वारा समय-समय पर शासकीय सेवकों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा रहे हैं। उन्होंने प्रदेश के विकास में सभी वर्गों के योगदान को महत्वपूर्ण बताया।

रीवा को स्मार्ट नगर के रूप में विकसित करने करें समन्वित प्रयास

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने की जल आपूर्ति, सीवरेज कार्यों की समीक्षा

सत्ता सुधार ■ भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि रीवा शहर तेज गति से प्रगति कर रहा है और विस्तारित हो रहा है। रीवा शहर में म्युनिसिपल वेस्ट का वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन किया जाना अत्यंत जरूरी है। शुक्ल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि भविष्य में रीवा शहर जीरो अनट्रीटेड वेस्ट के लक्ष्य को प्राप्त करे, इसके लिए ठोस कार्ययोजना बनाकर क्रियान्वयन शुरू करें। उन्होंने निर्देश दिए कि जयंत कुंज में स्थापित 12 एमएलडी क्षमता के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का संचालन शीघ्र प्रारंभ करने की दिशा में सभी आवश्यक कदम तत्काल उठाए जाएं। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय, भोपाल में रीवा नगरीय क्षेत्र में संचालित सीवरेज, पेयजल आपूर्ति और अन्य विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की।

शुक्ल ने अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत रीवा नगर निगम क्षेत्र में संचालित पेयजल आपूर्ति योजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कार्य को प्राथमिकता से पूर्ण किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि नगरीय निकाय रीवा को आवश्यक तकनीकी एवं प्रशासनिक सहयोग तत्काल उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण हों और उनकी गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए।

उन्होंने रीवा क्षेत्र में पुनर्घत्वीकरण कार्यों की भी समीक्षा की तथा अधिकारियों से अद्यतन जानकारी प्राप्त कर आवश्यक मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि रीवा नगर को आधुनिक नगरीय सुविधाओं से युक्त स्मार्ट नगर के रूप में विकसित करने की दिशा में सभी विभाग समन्वित प्रयास करें।

कीर्तिमान इस ऐतिहासिक सफलता पर ऊर्जा मंत्री तोमर ने दी बधाई

ताप विद्युत इकाइयों ने बनाया 14 बार 100 दिनों तक संचालन रिकार्ड

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में एक और उपलब्धि अपने नाम की है। पॉवर कंपनी की ताप विद्युत इकाइयों ने सतत् व निर्बाध संचालन में नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए कुल 14 बार 100 दिनों से अधिक तक लगातार विद्युत उत्पादन करने का रिकार्ड कायम किया। वित्तीय वर्ष 2023-24 में इन इकाइयों ने 13 बार 100 से अधिक दिनों तक निरंतर संचालन में रहने का रिकार्ड बनाया था। यह उपलब्धि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के ताप विद्युत इकाइयों की क्षमता व संचालन की विश्वसनीयता का प्रतीक है।

ताप विद्युत इकाइयों की इस ऐतिहासिक सफलता पर ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सभी ताप विद्युत गृह के इंजीनियरों, तकनीशियनों व संचालन टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह सफलता कंपनी की तकनीकी दक्षता और ऊर्जा क्षेत्र में निरंतर सुधार के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।यह उपलब्धि न केवल राज्य के लिए गर्व की बात है, अपितु यह ऊर्जा उत्पादन की दिशा में आत्मनिर्भरता की ओर एक महत्वपूर्ण कदम भी है।

मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के ताप विद्युत गृह अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई, संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर, श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना दोंगलिया व सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी की इकाइयों ने निरंतर चलने की इस शृंखला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

तीन यूनिट ने बनाया उत्पादन का रिकार्ड

पॉवर जनरेटिंग कंपनी की तीन इकाइयों ने लगातार 200 से अधिक दिनों तक संचालन का आंकड़ा पार किया। इनमें संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर की 500 मेगावॉट क्षमता की यूनिट नंबर 5, सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी की 250 मेगावॉट क्षमता की यूनिट नंबर 10 व श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह दोंगलिया की 660 मेगावॉट क्षमता की यूनिट नंबर 3 ने 200 दिनों से लगातार विद्युत उत्पादन करने का कीर्तिमान बनाया।

अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई की 250 मेगावॉट क्षमता की यूनिट नंबर 5 ने लगातार 300 दिनों का आंकड़ा पार कर शानदार प्रदर्शन किया।

महापौरों ने सीएम से की विदेश भ्रमण की सुविधा देने की मांग

सुरक्षा कर्मी भी मांगा, भोपाल में बनाया जाए नया विश्राम गृह

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सोमवार को 12 शहरों के महापौरों ने मुलाकात की और अपनी मांगों का एक मांग पत्र सौंपा। उन्होंने गनमैन और राज्यमंत्री का प्रोटोकाल देने की मांग की है। मध्य प्रदेश महापौर संघ के अध्यक्ष पुष्यमित्र भार्गव के नेतृत्व में प्रदेश के 12 शहरों के महापौरों ने सोमवार को समत्व भवन में मुख्यमंत्री से मुलाकात की और शहरों के विकास से संबंधित अपनी विभिन्न मांगों को रखा। इस दौरान महापौरों ने मुख्यमंत्री को एक मांग पत्र सौंपा, जिसमें महापौरों के लिए प्रोटोकॉल की बहाली, उनके वित्तीय अधिकार बढ़ाने, नगर निगमों में अधिकारियों और कर्मचारियों की कमी को दूर करने, और महापौरों को सुरक्षा और राज्यमंत्री का प्रोटोकाल देने की मांग की। इसके अलावा, महापौरों ने यह भी कहा कि उन्हें मंत्री, सांसद और विधायकों की तरह देश-विदेश भ्रमण के लिए व्यवस्था की जाए। साथ ही उन्होंने एक सुरक्षा कर्मी की मांग की, क्योंकि वे अक्सर जनता के बीच होते हैं और कई बार अप्रिय घटनाएं घटित हो जाती हैं।

ब्रीफ न्यूज

वाहन पलटने से डिप्टी कलेक्टर कैमोर घायल

भिण्ड। जिले के मिहोना तहसील में पदस्थ प्रोबेशनल डिप्टी कलेक्टर विकास कैमोर शासकीय वाहन पलट जाने से गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना मुरैना जिले के पोरसा के पास की है। जानकारी के मुताबिक डिप्टी कलेक्टर विकास कैमोर मंगलवार की सुबह लगभग 9 बजे शासकीय वाहन से संभागीय कार्यालय मुरैना जा रहे थे। जब उनका वाहन मुरैना जिले के पोरसा के पास पहुंचा तो सामने एक बुजुर्ग को बचाने के चलते दुर्घटना हो गई, उनका वाहन अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा, जिससे डिप्टी कलेक्टर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने पोरसा हॉस्पिटल में भर्ती करवाया, प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत गंभीर देख उन्हें इलाज के लिए ग्वालियर रेफर किया गया है।

जिला दण्डाधिकारी ने किया शस्त्र लायसेंस निलंबित

भिण्ड। जिला दण्डाधिकारी संजीव श्रीवास्तव द्वारा आयुध अधिनियम 1959 की धारा 17 (3) बी में निहित प्रावधानो का प्रयोग करते हुए अनावेदक आर्त्स लायसेंसी रामलखन शर्मा पुत्र रामनरेश शर्मा निवासी पचैरा थाना मेहगांव जिला भिण्ड के नाम एनपी बोर शस्त्र लायसेंस को अन्य आदेश होने तक तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है।

मध्यप्रदेश पेंशनर एसोसिएशन की मासिक बैठक संपन्न

गोहद। मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल पेंशनर एसोसिएशन शाखा गोहद की मासिक बैठक मंगलवार को संकट मोचन हनुमान मंदिर खिरकिया मौहल्ला में आयोजित की गई। यह बैठक उदय सिंह तोमर अध्यक्ष शाखा गोहद द्वारा आयोजित की गई। जिसमें निम्न बिंदुओं पर विभागीय अधिकारियों का ध्यानाकर्षण करने हेतु समस्याओं पर गंभीरता से विचार कर प्रस्ताव पारित किए गए। जिसमें पेन्सर्नर कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 4 फीसदी एरियल का जनवरी 24 से एवं 3 फीसदी जुलाई 24 से शीघ्र प्रदाय किया जावे। साथ ही पेंशनर की आयु 79 वर्ष होने पर 20 फीसदी अतिरिक्त पेंशन का लाभ दिया जाए तथा छत्तीसगढ़ राज्य की सहमति धारा 49 (6) को समाप्त किया जाए।

प्रभारी मंत्री पटेल एक दिवसीय दौरे पर आज भिण्ड आएंगे

भिण्ड। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम विभाग के मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल आज मंगलवार को एक दिवसीय प्रवास के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगें। प्रभारी मंत्री प्रहलाद पटेल 9 अप्रैल को सुबह 7.30 बजे दतिया से प्रस्थान कर 9 बजे सर्किट हाउस भिण्ड आएंगे एवं 11 बजे जिला पंचायत भिण्ड के सभागार में आएंगे एवं जिला योजना समिति की बैठक लेंगे। प्रभारी मंत्री श्री पटेल दोपहर एक बजे जिला पंचायत भिण्ड से प्रस्थान कर दोपहर 1.15 बजे सर्किट हाउस में रहेंगे। इसके बाद प्रभारी मंत्री अपरान्ह 4 बजे नगर पालिका सभागार भिण्ड में पंच-सरपंच सम्मेलन में शामिल होने के बाद सायं 6 बजे सर्किट हाउस भिण्ड आएंगे।

टीबी मरीजों को पोषण आहार किट वितरण का कार्यक्रम भी अधिकारियों के सहयोग से किया गया

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर टीबी मरीजों को पोषण आहार किट वितरित

सत्ता सुधार ■ भिण्ड

विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय भिण्ड में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जेएस यादव की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. यादव ने स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर सभी को स्वस्थ्य रहने संबंधी आवश्यक समझाइश एवं निर्देश दिये।

इसके साथ ही जिला क्षय केन्द्र भिण्ड में टीबी मरीजों को पोषण आहार किट वितरण का कार्यक्रम भी विभागीय अधिकारियों एवं नवजीवन सहायतार्थ संगठन के सहयोग से किया गया जिसमें टीबी का इलाज ले रहे 25 टीबी मरीजों

को प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत फूड बास्केट पोषण आहार किट वितरित की गई। डॉ. जेएस यादव ने बताया कि टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत टीबी की विरुद्ध लड़ाई में जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिये समस्त जनमानस से नि-क्षय मित्र बनकर टीबी मरीजों को अतिरिक्त सहायता प्रदान की जा सकती है।

उन्होंने बताया कि जिला क्षय अधिकारी डॉ. देवेश शर्मा के प्रयासों से विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारियों ने टीबी मरीजों की सहायता हेतु फूड बास्केट प्रदान किये है एवं आगे भी अभियान का संचालन किया जाता रहेगा। साथ ही बताया गया कि ऐसे में कोई भी व्यक्ति जो कि टीबी मरीजों की सहायता करना चाहता है वह नि-क्षय मित्र बनकर टीबी मरीजों को पोषण किट प्रदान कर सकता है।

कार्यक्रम मे जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डीके शर्मा, डॉ. प्रफुल्ल सिंह राजावत, जिला महामारी नियंत्रण अधिकारी डॉ. अवधेश सोनी, साकेत चौरसिया सहा. अस्पताल प्रबंधक, डॉ. सुनील करौसिया एस.एन.सी.यू प्रभारी, जिला आरबीएसके कोर्डिनेटर वीरेन्द्र वर्मा, प्रभारी डीपीसी अवनीश दैपुरिया, रामप्रकाश शर्मा, अजय द्विवेदी, प्रशान्त सिंह भदौरिया, केपी सिंह, मधुराज सिह एवं नवजीवन सहायतार्थ संगठन से बबलू सिंधी एवं अन्य साथी उपस्थित रहे।

एसडीएम यादव ने किया आलमपुर स्वास्थ्य एक औचक निरीक्षण

सत्ता सुधार ■ आलमपुर

लहार एसडीएम विजय सिंह यादव ने मंगलवार दोपहर आलमपुर पहुंचकर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का औचक निरीक्षण किया और चिकित्सक के नियमित रूप से न आने पर नाराजगी व्यक्त की और चिकित्सक को स्थायी रूप से मुख्यालय रहने के निर्देश दिये। जानकारी के अनुसार लहार एसडीएम विजय सिंह यादव को आलमपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में पदस्थ मेडीकल ऑफीसर डॉ. कुलदीप यादव के नियमित रूप से एवं समय पर चिकित्सालय न आने की शिकायतें प्राप्त हो रहीं थीं। जिसके बाद मंगलवार दोपहर एक बजे एसडीएम बीएमओ डॉ.विजय शर्मा के साथ अचानक आलमपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जा पहुंचे। जहां उन्होने सबसे पहले स्टॉफ उपस्थिति रजिस्टर चैक किया और इसके बाद दवा वितरण पंजी को चैक किया। इस दौरान एसडीएम ने मौके पर मौजूद मेडीकल ऑफीसर डॉ. कुलदीप यादव से नियमित रूप एवं समय पर हॉस्पीटल न आने पर नाराजगी व्यक्त की और

स्थाई रूप से मुख्यालय पर रुकने के लिये निर्देशित किया। इस दौरान डॉ. कुलदीप यादव ने कुछ पारिवारिक कारणों का हवाला भी दिया, जिसको एसडीएम ने सिरे से नकारते हुये हर हाल में सातों दिन पूरे समय मुख्यालय पर रुकने के निर्देश दिये। इसके बाद एसडीएम ने वैक्सीन स्टोर, मेडीसन रूम और प्रसूती कक्ष एवं शौचालय का भी निरीक्षण किया। जहां भर्ती एक प्रसूती महिला से जब एसडीएम ने नाश्ते एवं भोजन मिलने के बारे में पूछा तो महिला ने भोजन न मिलने की बात कही। जिस पर एसडीएम को बताया गया कि आलमपुर हॉस्पीटल में कभी रसोई चालू ही नहीं की गयी। जिस पर एसडीएम ने प्रसूती महिलाओं को अनिवार्य रूप से नाश्ता एवं भोजन का प्रबंध करने के निर्देश लहार बीएमओ को दिये। इसके बाद एसडीएम ने इलाज के लिये आये हुये मरीजों से चर्चा कर उनके पर्चे चैक किये और इलाज संबंधी जानकारी ली। एसडीएम के निरीक्षण के दौरान ही हॉस्पीटल में आनन फानन में तत्काल गंदे गद्दों पर साफ सुफरे चादर बिछा दिये गये। इस दौरान डॉ. कुलदीप त्रिपाठी, विनोद लोधी, ऊषा द्विवेदी, गुड्डी श्रीवास, कल्पना पारस, नरेन्द्र कौरव, राहुल कुमार समेत अन्य स्टॉफ मौजूद रहा।

इनका कहना है-

चिकित्सक को स्थाई रूप से मुख्यालय पर रहने के लिये निर्देशित किया गया है। लापरबाही बरतने पर कार्यवाही की जाएगी।

विजय यादव, एसडीएम लहार।

10 अप्रैल को रहेगा संपूर्ण भिंड बंद, आंदोलन में शामिल होंगे जैन मुनि आचार्य सुबल सागर महाराज

सत्ता सुधार ■ भिण्ड

ग्वालियर भिंड हाईवे सिक्स और गौ अभ्यारण की मांग को लेकर गत रात्रि व्यापार मंडल धर्मशाला में व्यापारी समाज की अखिल भारतीय संत समिति जिला अध्यक्ष संत कालीदास महाराज के साथ हुई मीटिंग में सभी व्यापारी समाज ने 10 अप्रैल को भिंड बंद करने का निर्णय लिया है। कैट के अध्यक्ष संजीव जैन ने कहा यह मानवीय जीवन से जुड़ा मुद्दा है हम सभी अपनी दुकानों को बंद रखेंगे, समाज के वरिष्ठ रविसेन जैन ने कहा यह हम सबका दुर्भाग्य है कि संत समाज को सड़क पर आना पड़ रहा है। समाज हित में हमारे नौजवानों का जीवन बचाने के लिए संत समाज आज सड़क पर आया है तो क्या हम एक दिन अपनी दुकान बंद नहीं रख सकते। बॉबी जैन ने कहा यह धर्म का काम अगर संत आचार्य सुबल सागर जी महाराज भी आग्रह कर रहे हैं तो हम सभी इस अभियान के प्रति समर्पित हैं। व्यापारी समाजसेवी अशोक सिंह तोमर, अशोक महामाया ने भी विचार व्यक्त किए इस अवसर पर धर्मेन्द्र जैन रतन जैन, डॉ. हरिविलास शर्मा, राहुल जैन, प्रीति जैन ,स्वदेश जैन, नरेंद्र जैन, पूजा जैन, श्वेता जैन, प्रभुदयाल शेजवार, रविन्द्र जैन, ऋषि जैन, विजय जैन, सीमा जैन, अनीता जैन, सतीश जैन, बिकास जैन, अजय मिश्रा , अपूर्वा श्रीवास्तव, अतुल जैन, ऋतिक जैन, मोनू जैन, गोलू जैन, रोहित जैन, शक्ति सिंह, जीतू सिंह सहित कई व्यापारी समाज सेवी पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

ट्रक बैक करते समय टक्कर लगने से स्मृति भवन धराशाई

सत्ता सुधार ■ आलमपुर

मुख्य मार्ग पर स्थित एक स्मृति एवं शिव मंदिर को अज्ञात ट्रक ने बैक करते समय टक्कर मार दी। जिससे पूरा मंदिर धराशायी हो गया।

जानकारी के अनुसार आलमपुर में मुख्य मार्ग पर बस स्टैण्ड तिराहे पर एक कमरे में स्व. रामदयाल महते की प्रतिमा के साथ ही शिव परिवार स्थापित था। जिसका निर्माण स्व.रामदयाल महते के पुत्र हिम्मत सिंह कौरव द्वारा करवाया गया था। लेकिन सोमवार एवं मंगलवार की दरम्यानी रात लगभग बारह बजे मुख्य मार्ग पर बैक करते समय एक लोड ट्रक उक्त भवन से टकरा गया, जिससे पूरा भवन धराशायी हो गया और प्रतिमायें क्षतिग्रस्त हो गयीं। इसकी जानकारी मिलते ही हिम्मत सिंह कौरव के परिजन मौके पर पहुंचे और इसकी जानकारी आलमपुर थाना पुलिस को दी एवं क्षतिग्रस्त प्रतिमाओं को निकालकर अपने घर

ले गये। वहीं टक्कर लगने की पूरी घटना पास ही लगे एक सीसीटीव्ही कैमरे में कैद हो गयी। जिसके बाद मौके पर पहुंची आलमपुर थाना पुलिस ने सीसीटीव्ही फुटेज के आधार पर ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

इनका कहना है-

ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गयी है।

रवि उपाध्याय, थाना प्रभारी आलमपुर।

फिल्म अभिनेता ने क्वारी नदी परखरीदे तरबूज

भिण्ड। फिल्म अभिनेता आशीष विद्यार्थी ग्वालियर में आयोजित एक कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए सोमवार को इटावा से निजी वाहन से यात्रा करते हुए भिण्ड की ओर रहे थे। तभी फूप से निकलने के बाद क्वारी नदी के पास उन्होंने सड़क किनारे तरबूज बेचने वाले को देखा और रुक गए। विद्यार्थी ने अपने साथियों के साथ वहां से तरबूज खरीदा और इस दौरान एक वीडियो भी बनाया। उन्होंने अपने साथी प्रदीप को भी तरबूज खाने के लिए प्रेरित किया। विक्रेता से बातचीत के दौरान उन्होंने तरबूज की खेती के बारे में जानकारी ली, जिस पर विक्रेता ने बताया कि यह तरबूज इंदौर में उगाया गया है। इस अवसर पर अभिनेता ने तरबूज खाने के स्वास्थ्य संबंधी लाभों के बारे में भी चर्चा की। करीब दस मिनट तक वहां रुकने के बाद वे ग्वालियर के लिए रवाना हो गए। उन्होंने इस पूरे वाक्या का वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया।

संतजन के अखंड आंदोलन का समर्थन करेगी जिला शहर और नगर कांग्रेस

सत्ता सुधार ■ भिण्ड

जिले के संतजन द्वारा आगामी 10 अप्रैल को नेशनल हाईवे 719 को सिक्स लेन बनवाने की मांग को लेकर अखंड धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। उक्त अखंड आंदोलन का जिला शहर कांग्रेस एवं नगर कांग्रेस कमेटी समर्थन करती है और जिला शहर कांग्रेस और नगर कांग्रेस कमेटी सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान करती है उक्त अखंड आंदोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर संतजन के नेतृत्व का समर्थन करें प्रेस को जारी विज्ञप्ति में शहर जिला कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ. राधेश्याम शर्मा और नगर कांग्रेस के अध्यक्ष संतोष त्रिपाठी ने कहा की भिंड जिले का दुर्भाग्य है ग्वालियर इटावा नेशनल हाईवे 719 मौत का हाईवे बन गया है उक्त हाईवे पर प्रतिदिन दुर्घटनाएं होती है जिससे लोगों की जान जा रही है देश एवं प्रदेश की भाजपा सरकार का उक्त दुर्घटनाओ पर कोई ध्यान नहीं है बीजेपी की सरकार ना तो रोड बनवाने के लिए तत्पर दिखाई दे रही है और ना ही दुर्घटनाओं पर संवेदना व्यक्त कर रही है। उक्त नेशनल हाईवे 719 को बनवाने के लिए संतजन के नेतृत्व में अखंड आंदोलन किया जा रहा है। सनातन धर्म का सम्मान करने वाली भाजपा सरकार में संत जन ही आंदोलन करने को मजबूर है क्योंकि उनकी सुनवाई नहीं हो रही है।

भिण्ड एवं आसपास के जिले के लोगों को मिलेगी सुविधा

भिण्ड डाकघर में खुलेगा पासपोर्ट सेवा केन्द्र

सत्ता सुधार ■ भिण्ड

जिला मुख्यालय स्थित प्रधान डाकघर में चंबल संभाग का पहला पासपोर्ट सेवा केंद्र स्थापित किया जाएगा। डाक विभाग ने इस केंद्र की स्थापना की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। यह सुविधा शुरू होने के बाद भिंड सहित आसपास के जिलों के निवासियों को पासपोर्ट बनवाने के लिए बड़े शहरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।

वर्तमान में भिंड के निवासियों को पासपोर्ट के लिए ग्वालियर जाना पड़ता है। इसी प्रकार मुरैना और दतिया के लोग भी पासपोर्ट सेवा के लिए ग्वालियर पर निर्भर हैं। इटावा और उरई के निवासियों को कानपुर या ग्वालियर जैसे दूरस्थ शहरों की यात्रा करनी पड़ती है, जिससे उनका समय

और पैसा दोनों व्यर्थ होता है। नया पासपोर्ट सेवा केंद्र भिंड प्रधान डाकघर के पिछले भाग में स्थापित किया जाएगा। यह ग्वालियर के बाद चंबल संभाग का दूसरा पासपोर्ट सेवा केंद्र होगा। केंद्र के शुभारंभ के लिए केंद्र शासन की स्वीकृति का इंतजार है, जिस कारण अभी तक उद्घाटन की तिथि निर्धारित नहीं की गई है।

इनका कहना है-

भिण्ड के प्रधान डाकघर में संभाग का पहला पासपोर्ट सेवा केंद्र जल्द ही शुरू किया जाएगा। उद्घाटन की तिथि शीघ्र ही निर्धारित की जाएगी।

डीसी चौहान, एसपीओएस, चंबल संभाग

मजबूत बंधन के कमजोर होते रिश्ते

पत्नी ने पति से मांगा तलाक, पति ने 10 लाख का मुआवजा और उसके प्रेमी से जान की सुरक्षा

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

एसपी की जनसुनवाई में मंगलवार को एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक युवक ने पत्नी द्वारा तलाक मांगे जाने पर 10 लाख रुपये मुआवज़े की मांग के लिए आवेदन दिया है।

थाना बहोड़ापुर के अंतर्गत इस्लामपुरा निवासी सुल्तान खान ने जनसुनवाई में पत्नी पर परपुरुष से अवैध संबंधों के चलते तलाक मांगने पर मुआवजे की मांग की है। उसने अधिकारियों को एक लिखित आवेदन में लिखा है कि उसकी पत्नी के किसी अन्य व्यक्ति से अवैध संबंध हैं, इसलिए वह मुझसे तलाक चाहती है जबकि मैं उसे अपने साथ रखना चाहता हूं।

युवक का कहना है कि उसने अपनी पत्नी को समझाने की हर संभव कोशिश की लेकिन वह अपने प्रेमी के दबाव में तलाक लेने पर अड़ी हुई है। आवेदन में सुल्तान ने सबसे गंभीर आरोप अपनी पत्नी के प्रेमी पर लगाए हैं। सुल्तान का कहना है कि पत्नी के प्रेमी ने उसे धमकी दी है कि अगर उसने अपनी पत्नी को तलाक नहीं दिया, तो उसे जान से मार दिया जाएगा। पत्नी की बेरुखी और उसके प्रेमी की धमकियों से परेशान सुल्तान लगातार मानसिक प्रताड़ना का शिकार हो रहा है। ऐसे में उसने पुलिस के समक्ष न्याय की गुहार लगाते हुए कहा कि वह अपनी पत्नी को घर पर ही रखना चाहता है, लेकिन अगर पत्नी ही रिश्ता तोड़ना चाहती है तो उसे इसके बदले आर्थिक हर्जाना देना होगा तभी मैं तलाक के लिए सहमति दूंगा।

वैवाहिक जीवन को बचाने की कोशिश

युवक ने अपने वैवाहिक जीवन को बचाने के लिए यह सब किया है। क्योंकि देश में पत्नियों द्वारा उत्पीड़न से वह बुरी तरह भयभीत हैं। इसके अलावा पत्नी को अलग होने की जिद और प्रेमी की धमकी मामले को और भी गंभीर बना रही है। इस संबंध में बहोड़ापुर क्षेत्र की सीएसपी किरण अहिरवार का बयान भी सामने आया है। उन्होंने कहा कि युवक द्वारा आवेदन प्राप्त हुआ है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। जो भी कानूनी प्रक्रिया बनती है, उसके तहत कार्रवाई की जाएगी।

अपनी तरह का पहला मामला

अक्सर पत्नियों द्वारा पतियों पर प्रताड़ना के आरोप और मुआवजे के ही मामले सामने आते रहे हैं। लेकिन ऐसा पहली बार देखने में आया है एक पति अपने वैवाहिक रिश्ते को बचाने के लिए मुआवजे की मांग कर रहा है।

देशभर से मीटिंग में पहुंचे भाई-बहनों ने दी श्रद्धांजली

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका बीके मोहिनी दीदी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका बीके मुन्नी दीदी, बीके संतोष दीदी, अतिरिक्त महासचिव बीके डॉ. मृत्युंजय भाई, बीके करुणा भाई, जयपुर सबजोन की निदेशिका बीके सुषमा दीदी, बीके शारदा दीदी, बीके मनोरमा दीदी सहित बता देशभर से पहुंचे भाई-बहनों ने पुष्पांजली अर्पित कर दादी के निमित्त योग किया।

दादीजी की सेवा का सफर

- 1954 में जापान में आयोजित विश्व शांति सम्मेलन में ब्रह्माकुमारीज का प्रतिनिधित्व किया। एक वर्ष तक एशिया के देशों में सेवाएं दीं।
- 1956 से 1969 तक मुंबई में ईश्वरीय ज्ञान का प्रचार-प्रसार किया। आध्यात्मिक सेवा के लिए भारत के विभिन्न हिस्सों की यात्रा की। देशभर में कई सेमिनार और सम्मेलन आयोजित किए।
- 1972 से 1974 तक यूनाइटेड किंगडम में सेवाकेंद्रों की स्थापना में प्रमुख भूमिका निभाई।
- 1993 मॉरीशस और दक्षिण अफ्रीका की यात्रा की और व्याख्यान दिए।
- 1994 कैरेबियन, संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा में भारतीय संस्कृति का संदेश दिया।
- 1995 में देशभर में युवा विकास अभियान चलाया गया। इसमें माध्यम से युवाओं को अध्यात्म और राजयोग का संदेश दिया गया।
- 2001 में ब्राजील, अटलांटा (यूएसए), यूके में नेशनल एडवांस मेडिटेशन रिट्रीट की यात्रा की और संचालन किया।
- 2003 में मास्को और सेंट पीटर्सबर्ग, रूस में नेशनल एडवांस मेडिटेशन रिट्रीट की यात्रा की और आयोजन किया।
- 2005 में डब्ल्यूपीसी 1954 के स्वर्ण जयंती वर्ष की स्मृति में दादी ने जापान (फिलीपींस और हांगकांग) का दौरा किया।

रामनवमी पर माता की चौकी व भंडारा हुआ

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

रामनवमी पर्व हरिशंकरपुरम के बी ब्लॉक में धूमधाम से मनाया गया। शाम 7 बजे मातारानी की चौकी दुर्गा पूजन किया गया। जिसमें कलाकारों ने माता रानी का सुन्दर गुणगान किया। देर रात तक चौकी का कार्यक्रम आयोजित किया गया व भगवान राम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। राधा कृष्ण और भोले नाथ पार्वती बने कलाकारों अद्भुत नृत्य कर पंडाल में मौजूद भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया और मातारानी व जय श्री राम के जयकारे लगाए। बी ब्लॉक में रहने वाले सभी भक्त हर वर्ष मातारानी का जगराता आयोजित करते हैं। इसी क्रम में गत दिवस आयोजित मातारानी की चौकी कार्यक्रम में भंडारे का आयोजन भी किया गया। जिसमें पहले कन्याओं को भोजन कराया, फिर काफी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

सातवां राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा शुरू

ग्वालियर। सातवां पोषण माह पखवाड़ा का आयोजन 8 से 22 अप्रैल तक किया जाना है। जिसके संबंध में आंगनबाड़ी की सभी सुविधाओं को लेकर हितग्राही तक पहुंचाने के लिए शपथ ली गई। जिसमें पोषण स्वास्थ्य संबंधी जानकारी गर्भ से 2 वर्ष तक के 1000 दिवस पर चर्चा पोषण ट्रेनर के प्रचार प्रसार हेतु हितग्राही से चर्चा सेम बच्चों का मैम बच्चों की एंट्री वजन लेकर सेम बच्चों को चिन्हित करना, सुपोषण दिवस पर चर्चा आदि संबंधित कार्य 8 अप्रैल से किया जाना है। महिलाओं से भी 1000 दिवस पर चर्चा गर्भ से लेकर 2 वर्ष तक के बच्चों की विशेष देखभाल की जाए, खानपान स्वास्थ्य संबंधित चर्चा की गई। जिसमें महिला बाल विकास सेक्टर 4 की पर्यवेक्षक बबीता तोमर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, हितग्राहियों और आशा कार्यकर्ताएं उपस्थित थीं।

अमित गोयल और खुशी लहरिया चैंपियन स्कूल ऑफ चैंपियन

ग्वालियर। इंटर स्कूल आर्म रैसलिंग प्रतियोगिता का आयोजन गत दिवस बैडमिंटन हॉल खेल परिसर कंपू स्थित स्टेडियम में किया गया। जिसमें शहर के विभिन्न स्कूलों से लगभग 90 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में बालिका वर्ग में खुशी लहरिया चैंपियन ऑफ चैंपियन तथा बालक वर्ग में अमित गोयल चैंपियन ऑफ चैंपियन रहे। इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष डॉ. केशव पांडेय एवं सचिव डॉ. आदित्य भदौरिया उपस्थित रहे। उक्त प्रतियोगिता जिसमें प्रशासकीय अधिकारी बुंदेला अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। खुशी एवं अमित गोयल के कोच पूर्व वर्ल्ड चैंपियन मनीष कुमार ने बताया कि आर्म रैसलिंग में ग्वालियर भारत में अग्रणी स्थान रखता है।

आयुष विभाग ने किया योगा प्रशिक्षण कार्यक्रम

ग्वालियर। श्री द्वारिकाधीश मंदिर थाटीपुर में जिला आयुष अधिकारी के निर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में पूर्व तैयारी के माध्यम से योगा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन शैलेन्द्र श्रीवास्तव, योगा प्रशिक्षक शासकीय आयुर्वेद औषधालय दंगियापुरा द्वारा किया गया। साथ ही योग की महत्वपूर्ण जानकारी भी आम जनमानस को दी गई। इस अवसर पर प्रमुख रुप से उपस्थित द्वारिकाधीश मंदिर के व्यवस्थापक भूपेन्द्र सिंह सहित अन्य क्षेत्रीय नागरिको ने कार्यक्रम की सराहना की एवं आयुष विभाग की इस पहल से शहरवासियों को निश्चित रुप से स्वास्थ्य लाभ सहित सर्वांगीण विकास होगा ऐसी शुभकामनाएं दी।

विश्व के कण-कण में है शिव तत्व की थिरकन: डॉ. सर्वेश्वर

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से शिवाजी प्लेस, विशाल सिनेमा रोड, राजौरी गार्डन ग्राउंड, पुलिस स्टेशन के पास, आर.जी.स्टोन अस्पताल के सामने, नई दिल्ली में 7 से 13 अप्रैल तक सात दिवसीय भगवान शिव कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। जिसका समय सायं 4.00 से रात्रि 8.00 बजे तक है। कथा के प्रथम दिवस गुरुदेव आशुतोष महाराज के शिष्य कथा व्यास डॉ. सर्वेश्वर ने कथा माहात्म्य का वर्णन करते हुए बताया कि भगवान शिव की महिमा तो ऐसी है जो देश-काल की समस्त सीमओं से परे विश्व के कण-कण में समाहित है। आज केवल भारत ही नहीं अपितु सम्पूर्ण विश्व में भगवान शिव के असंख्य भक्त उनकी उपासना करते हैं। यदि विश्व की विभिन्न प्राचीन सभ्यताओं की ओर दृष्टिपात करें तो वहां भी भगवान शिव की उपासना के असंख्य प्रमाण मौजूद हैं। उदाहरणस्वरूप तुर्किस्तान के बेबीलोन शहर में एक हजार दो सौ फुट का एक विशाल शिवलिंग पाया गया है। स्कॉटलैंड में स्वर्णजड़ित एक विशाल शिवलिंग है। आयरलैंड के तारा हिल में एक बहुत पुराना शिवलिंग स्थापित है। दक्षिण अफ्रीका के ब्राजील शहर में अनेकों शिवलिंग हैं। इसी प्रकार मेक्सिको, जावा, कम्बोडिया, सुमात्रा, नेपाल, भूटान, इटली, यूरोप आदि देशों में विभिन्न प्राचीन शिवलिंग होने के प्रमाण मिले हैं। ये सब साक्ष्य भगवान शिव की सर्वगम्यता व असीमित लोकप्रियता को ही दर्शाते हैं। बात करें भारत देश की, तो इतने विदेशी आक्रमणों के बाद भी यदि भारतीय संस्कृति प्रफुल्लित सांसें भर रही है तो इसका एकमात्र कारण है इसकी धमनियों में प्रवाहित होता शिव तत्व। या यूं कहें कि भारत देश की तो आत्मा ही महादेव हैं। लेकिन अफसोस, आधुनिकता की अंधी दौड़ में दौड़ती भारत देश की संतानें आज शिव तत्व से कोसों दूर हो पतन की गहरी खाई में लुढ़कती चली जा रहीं हैं। आज समाज में व्याप्त हिंसा, वैमनस्य, मतभेद सब शिव तत्व का समाज से विलुप्तिकरण ही दर्शाते हैं। प्रभु की यह पावन कथा उसी सनातन शिव तत्व को उजागर करने आई है। शिव तत्व को ब्रह्मज्ञान के माध्यम से घट में प्रकट करने आई है। ताकि शिव की संतानें 'सत्यं शिवं सुन्दरम्' के सूत्र का अनुसरण करते हुए इस मायायुक्त संसार में सत्य का वरण कर शिवपथ अर्थात् कल्याणकारी पथ पर आगे बढ़ें और अपने जीवन को सुंदर बना लें। कथा का समापन प्रभु की पावन आरती से किया गया।

संविदा के समर्थन में आए आउटसोर्स कर्मचारी, बांधी काली पट्टी

16 को मुख्यमंत्री के नाम देंगे ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

अपनी विभिन्न मांगों के साथ संविदा नीति का विरोध कर रहे संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों के समर्थन में आउटसोर्स कर्मचारी भी आ गए हैं। मंगलवार को ठेका संघ (इंटक) के प्रदेश महामंत्री विश्वेश्वर गोस्वामी के नेतृत्व में जिले के आउटसोर्स कर्मचारियों ने भी काली पट्टी बांधकर काम किया। उन्होंने कहा कि पूर्व की भांति आउटसोर्स कर्मचारियों को एनएचएम (संविदा) में रखा जाए। गोस्वामी ने कहा कि जुलाई 2023 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में एक संविदा नीति बनाई गई, उस नीति को कई वर्षों से कार्यरत आउटसोर्स, डाटा ऑपरेटर व सपोर्ट स्टाफ पर लागू किया जाए। वहीं संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष धर्मवीर शुक्ला ने बताया कि यदि हमारी मांगे नहीं मानी जाती को 16 अप्रैल को रैली निकालकर कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम से ज्ञापन सौंपेंगे।

बिना सूचना के अनुपस्थित रहने पर सफाई कर्मियों की जांच स्थापित

ग्वालियर। शहर की स्वच्छता व्यवस्था सुदृण करने हेतु निगम के अधिकारियों द्वारा निरंतर सफाई व्यवस्था की मॉनिटरिंग की जा रही है तथा बिना सूचना के अनुपस्थित सफाई कर्मियों के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है। जिसके तहत मार्च माह में सात दिवस से अधिक अनुपस्थित 8 नियमित एवं 13 विनियमित सफाई कर्मियों की जांच स्थापित की गई। मुख्य स्वच्छता अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय के निर्देशन में शहर की स्वच्छता व्यवस्था को ठीक करने के लिए लगातार वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सफाई व्यवस्था की मॉनिटरिंग की जाकर सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति का निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में बिना सूचना के लंबे समय तक अनुपस्थित रहने पर उनके खिलाफ कार्यवाही की जा रही है। जिसमें विनियमित में वार्ड 05 श्री रंजीत/काशीराम, वार्ड 18 श्री अनूप/रमेश, जयप्रकाश/ गुट्टाराम, वार्ड 24 राजेन्द्र/हरीबाबू, वार्ड 30 आकाश/संजय, वार्ड 37 जीवन/सतीश, वार्ड 46 रूपेश/ प्यारे, सुरेन्द्र/ गंगाराम, वार्ड 48 मनोज/ किशन, वार्ड 51 मदन/ पुरूषोत्तम, वार्ड 57 अनिल/ मेवाराम, सुरजीत/ओमप्रकाश, साजन/पप्पू तथा ओमप्रकाश आदि की जांच स्थापित की गई।

स्व. शीतला सहाय की 95वीं जन्म जयंती पर पुष्पांजलि सभा हुई

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

कैंसर चिकित्सालय एवं शोध संस्थान में स्व. शीतला सहाय के 95वें जन्म जयंती पर कैंसर पहाडी स्थित उनके समाधि स्थल पर पुष्पाजंली सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारत सिंह कुशवाह सांसद, सतीश सिकरवार विधायक, रामेश्वर भदौरिया उपाध्यक्ष बीजेपी, ध्यानेन्द्र सिंह पूर्व मंत्री, श्रीमती माया सिंह पूर्व मंत्री, ब्रजेन्द्र सिंह जादौन (लालजी) पूर्व सभापति, रमेश अग्रवाल पूर्व विधायक, घनश्याम पिरोनिया पूर्व विधायक, अभय चौधरी पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष, अरूण कुलश्रेष्ठ जिला महामंत्री, पीएस बिसेन पूर्व कुलपति, श्रीमती नीलिमा सिंह पूर्व कुलपति कोटा यूनिवर्सिटी, वीरेंद्र गंगवाल एवं एसके श्रीवास्तव ट्रस्टी

जन विकास न्यास, जीडी लड्ढा समर्पण अन्नम दानम, डॉ. जे एस नामधारी, डॉ. राकेश रायजादा, डॉ. आलोक पुरोहित, राजेश्वर राव, श्री हेमंत खरे, केशव पांडेय, जन विकास न्यास परिवार के सदस्य एवं महानगर के विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं के पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत कैंसर चिकित्सालय एवं शोध संस्थान के संचालक डॉ. बी आर श्रीवास्तव ने स्वर्गीय शीतला सहायजी के परिचय से की। अभय चौधरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि राजनीति में तो बहुत सारे लोग आते हैं लेकिन

विरले ही सेवा को अपने जीवन का उद्देश्य बनाते हैं। जीडी लड्ढा ने में कहा की स्वर्गीय शीतला सहायजी से जुड़ने का और सेवा का मौका मिला। उनके कार्यों से प्रेरणा लेकर ही हमने कैंसर मरीजों को निशुल्क भोजन की शुरुआत की। वीरेंद्र गंगवाल ने कहा कि इस कार्यक्रम में आकर सहाय जी के साथ की सारी यादें ताजा हो जाती है। केशव पांडे ने कहाकि संसाधनों के बिना जब आखिरी पायदान का आदमी जमीन से उठकर ऐसे मुकाम पर पहुंचता है तो आने वाली पीढ़ियों उन्हें हमेशा याद रखती है। सतीश सिकरवारजी ने कहा की सहाय जी बहुत आगे का सोचते थे। नीरज शर्मा संचालक सिम्स मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल ने कहा की जो लोग यहां पर उपस्थित है ये यहां केवल पुष्पांजलि के लिए ही नहीं आते है बल्कि ये हमारे संकल्प का भी प्रतीक है कि हम लोग सहायजी से कितना जुड़ा हुए है।

टापू मोहल्ला आंगनवाड़ी पर मनाया पोषण पखवाड़ा दिवस

ग्वालियर। महिला बाल विकास द्वारा मनाया जा रहे 8 अप्रैल से 22 अप्रैल तक पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत टापू मोहल्ला, नया बाजार क्रमांक एक पर पोषण पखवाड़ा दिवस मनाया गया। जिसके अंतर्गत हितग्राहियों को समस्त सुविधाएं पर्याप्त मात्रा में पहुंच सके। कार्यक्रम में हितग्राही और सीडी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय सुपरवाइजर श्रीमती बबीता तोमर द्वारा शपथ दिलाई गई। जिसमें पोषण संबंधी जानकारी दी। गर्भ से दो वर्ष तक के बच्चे और एक हजार दिवस पर चर्चा, पोषण प्रचार सामग्री हेतु हितग्राही से चर्चा, सेम मेम बच्चों का वजन लेकर चिन्हित करना, सुपोषण दिवस पर चर्चा, आठ अप्रैल से किया जाना है। महिलाओं से 1000 दिवस पर चर्चा की। गर्भ से लेकर 2 वर्ष तक के बच्चों की विशेष देखभाल, खानपान आदि विषयों पर विशेष रूप से चर्चा की गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सेक्टर 4 की पर्यवेक्षक बबीता तोमर, रेहाना खान, मीना खरे, लक्ष्मी, आरती कुशवाह, आशा प्रजापति, गीता सूर्यवंशी, चंद्रा ठाकुर, रामवती जाटव आदि उपस्थित रहीं।

कथा का श्रवण करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है: रामस्वरूप शास्त्री

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

भागवत कथा के दूसरे दिन पं. रामस्वरूप शास्त्री ने बताया कि जब भी हम कथा श्रवण करें, हमें पूरी निष्ठा और संयम के साथ सुनना चाहिए। कथा के दौरान जल पीना या कुछ खाना वर्जित माना गया है, क्योंकि इससे हमारी एकाग्रता भंग होती है और कथा का पूरा लाभ हमें प्राप्त नहीं हो पाता यदि जीवन में शांति चाहते हो, तो दूसरों की नहीं, खुद की गलतियों को सुधारो। श्रीमद्भागवत महापुराण को सुनने से न केवल हमारे पापों का नाश होता है, बल्कि हमारा आत्मिक कल्याण भी होता है। इस पावन कथा का श्रवण करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है, क्योंकि यह हमें धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। प्रत्येक सनातनी का कर्तव्य है कि वह अपने बच्चों को धर्म की शिक्षा दें, जिससे वे न केवल अपने जीवन को सफल बना सकें, बल्कि देश और समाज का भी नाम रोशन कर सकें। धर्म की शिक्षा ही उन्हें सही मार्ग दिखाएगी और जीवन को सत्य, प्रेम और करुणा से भर देगी। कथा में परीक्षित गीता, हरिश्चंद्र, राधा, आदित्य, महेश चंद, सुभाष चंद्र, दिनेश चंद्र, सोमिल, बालकृष्ण, गोविंद प्रसाद, केशव प्रसाद, सुरेश शुक्ला, अविनाश, प्रयाग, नारायण, प्रवीण, विनोद सहित अनेक लोगों ने भागवत महापुराण की आरती की। आरती के उपरांत प्रसादी वितरण किया गया।

ब्रीफ न्यूज

50,000 फलस्तीनियों की मौत...उनके खून पर ये जश्न?

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट के 50वीं वर्षगांठ समारोह के मंच पर तब सन्नाटा छा गया, जब एक भारतीय-अमेरिकी सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनी के 3 दिग्गजों सत्या नडेला, स्टीव बॉलमर और बिल गेट्स को गाजा में नरसंहार में तकनीकी सहयोग देने के लिए कठघरे में खड़ा हो गया। उन्होंने आरोप लगाया कि गाजा की धरती खून से सनी है और इसमें हम जश्न कैसे मना सकते हैं, जब हम ही खुद इस नरसंहार के लिए कठघरे पर खड़े हैं। कड़े विरोध के बाद उन्होंने अपना इस्तीफा दे दिया। दरअसल सॉफ्टवेयर इंजीनियर वानिया अग्रवाल ने मंच पर खड़े सीईओ नडेला, पूर्व सीईओ बॉलमर और सह-संस्थापक गेट्स पर गाजा में हो रही मौतों के लिए माइक्रोसॉफ्ट की तकनीक को जिम्मेदार मनाकर जोरदार विरोध दर्ज कराया। वानिया ने कहा, ÷शर्म करो! 50,000 फलस्तीनियों की मौत हुई है माइक्रोसॉफ्ट की तकनीक से। उनके खून पर ये जश्न? इजरायल से रिश्ते तोड़ो! इसके बाद वानिया को बाहर किया गया। दर्शकों में से कुछ ने हूटिंग की, कई पूरी तरह स्तब्ध रहे। लेकिन मंच पर बैठे गेट्स ने वानिया की भावनात्मक गुहार के बाद भी मुस्कुराते हुए अपनी बातचीत जारी रखी, मानो कुछ हुआ ही न हो। घटना के कुछ समय बाद, वानिया ने अपना इस्तीफा भी दे दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि 11 अप्रैल को उनका माइक्रोसॉफ्ट में आखिरी दिन होगा।

भारतीय नौसेना को सलाम, पाकिस्तान के घायल सैनिक की जान बचाई

ओमान। सीमा पर रिश्तों में दोनों देशों की तल्खी के बाद भी घायल पाकिस्तानियों को जरूरत पड़ी, तब भारतीय सैनिकों ने मौके पर पहुंचकर घायल सैनिक को पटटी बांधी। खबर है कि ओमान के तट पर काम के दौरान पाकिस्तानी क्रू के एक सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे। तब उनकी मदद के लिए भारतीय नौसेना आगे आई। रिपोर्ट के अनुसार, ओमान के तट पर मौजूद मछली पकड़ने वाले ईरान के जहाज में पाकिस्तानी क्रू के कुछ सदस्य काम में जुटे थे। काम के ही दौरान वे हादसे का शिकार हुए और गंभीर चोट आ गई। खबर है कि उनकी हड्डी टूट गई थी और हाथ में भी गंभीर चोट आई थी। इसकारण पाकिस्तानी क्रू के सदस्य का खून भी काफी बह गया था। घटना के बाद भारतीय युद्धपोत आईएनएस त्रिकंड ने उनकी मदद की थी।

10 हजार रुपये रिश्वत लेते दरोगा गिरफ्तार, एंटी करप्शन ने की कार्रवाई

गाजीपुर। गाजीपुर जिले में भूमि विवाद के मामले में एक दरोगा को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया है। यह गिरफ्तारी एंटी करप्शन टीम ने की, जिसने रिश्वत की मांग और उसके बाद हुई कार्रवाई की जांच की।

मामला 6 मार्च का है, जब शिकायतकर्ता ने भूमि विवाद में मारपीट के बाद गाजीपुर न्यायालय में प्रार्थना पत्र दिया था। इस मामले में जांच के लिए रिपोर्ट भेजने के लिए आरोपी दरोगा लक्ष्मन यादव ने 10 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की थी। दरोगा ने यह धमकी भी दी थी कि यदि रिश्वत नहीं दी जाएगी तो वह उल्टी रिपोर्ट भेज देंगे।

31 मार्च के बाद से अब तक हजारों को कर चुका है निर्वासित

पाकिस्तान नहीं खा रह रहम, शरणार्थियों को पकड़कर भेज रहा अफगानिस्तान

एजेंसी ■ इस्लामाबाद

पाकिस्तान ने 31 मार्च की समय सीमा समाप्त होने के बाद निर्वासन प्रक्रिया तेज कर दी है। हजारों अफगान शरणार्थियों को जबरन वापस भेजा जा रहा है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक 1 अप्रैल से अब तक 944 से ज्यादा अफगान परिवारों, जिनमें 6,700 व्यक्ति शामिल हैं को पाकिस्तान से निर्वासित किया जा चुका है।

निर्वासन की सबसे बड़ी कार्रवाई पंजाब प्रांत में हुई। 5,111 अफगान नागरिकों को ट्रांजिट शिविरों या हिरासत में भेजा गया है। इनमें 2,301 बच्चे और 1,120 महिलाएं थीं। करांची से 300 से ज्यादा अफगानियों को पाकिस्तान से उनके देश वापस भेजा गया। सिंध के वरिष्ठ मंत्री शारजील इनाम मेमन ने कहा कि करांची से निर्वासित लोगों में 79 बच्चे, 37 महिलाएं और 191 पुरुष हैं। रावलपिंडी में कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने रविवार को 140 महिलाओं और 164 बच्चों सहित 736 अफगान नागरिकों को हिरासत में लिया था। उन्हें गोलरा मोड़ के पास अफगान शरणार्थी शिविर में भेजा है। 736 लोगों में से 179 को अफगानिस्तान भेज दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक सुरक्षा एजेंसियों ने अकेले पंजाब में 150 से ज्यादा अफगान कॉलोनियों में रहने वाले 1,00,000 अफगानियों की पहचान की है। कई अफगानों ने बताया कि उन्होंने अपना सारा सामान औने-पौने दामों पर बेच दिया और जल्दबाजी में अपना कारोबार समेट लिया है, जिससे उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ा। वहीं कुछ निर्वासित लोगों ने कहा कि उन्हें काम करते समय पाकिस्तानी पुलिस ने गिरफ्तार किया और अफगानिस्तान भेज दिया जबकि उनका परिवार पीछे छूट गया है।

मीडिया रिपोर्ट में गुल मोहम्मद ने बताया कि वह फल बाजार में एक छोटा सा होटल व्यवसाय चलाता था। पुलिस ने उसे पर छापा मारा, उसे खैबर पख्तूनख्वा के हाजी कैंप में चार रातों तक हिरासत में रखा और अब तोरखम के रास्ते निर्वासित कर दिया। पाकिस्तानी सरकार ने अफगान शरणार्थियों के सामूहिक प्रत्यावर्तन के बारे में संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त और अन्य एजेंसियों द्वारा उठाई गई चिंताओं को खारिज कर दिया है।

लिस्बन में 'सिटी की ऑफ ऑनर' से नवाजी गईं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

भारत और पुर्तगाल अपने राजनयिक संबंधों की मना रहे स्वर्ण जयंती

एजेंसी ■ लिस्बन

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लिस्बन में 'सिटी की ऑफ ऑनर' सम्मान से नवाजा गया। लिस्बन के मेयर कार्लोस मोएदास ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। इस अवसर पर बोलते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने लिस्बन के मेयर और लोगों का आभार माना। उन्होंने कहा कि लिस्बन अपने खुले विचारों, संस्कृति, सहिष्णुता और विविधता के प्रति सम्मान के लिए जाना जाता है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि लिस्बन एक वैश्विक शहर है जो तकनीकी बदलाव, इनोवेशन, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और डिजिटल संक्रमण के मामले में सबसे आगे है। उन्होंने कहा कि

इन क्षेत्रों में भारत और पुर्तगाल आगे भी मदद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पुर्तगाल एक ऐसा देश है, जिसके साथ हमारे ऐतिहासिक संबंध रहे हैं। भारत और पुर्तगाल के बीच सांस्कृतिक संबंध सदियों से चले आ रहे हैं और इन्होंने हमारे रोजमर्रा के जीवन पर अमिट छाप छोड़ी है। राष्ट्रपति ने कहा कि इस साल भारत और पुर्तगाल अपने राजनयिक संबंधों की स्वर्ण जयंती मना रहे हैं। मुझे विश्वास है कि हमारा ऐतिहासिक सहयोग, एक गतिशील और बहुमुखी साझेदारी बनने की दिशा में दृढ़ता से आगे बढ़ रहा है। राष्ट्रपति मुर्मू पुर्तगाल और स्लोवाक गणराज्य की ऐतिहासिक राजकीय यात्रा पर हैं। यह 25 से सालों में भारत के राष्ट्रपति की इन देशों की पहली राजकीय यात्रा है। इन यात्राओं से यूरोपीय संघ के दो महत्वपूर्ण भागीदारों के साथ भारत के बहुआयामी संबंधों का और विस्तार होगा। पुर्तगाल में पिछली राजकीय यात्रा 1998 में हुई थी जब राष्ट्रपति के आर नारायणन वहां पहुंचे थे। राष्ट्रपति मुर्मू पुर्तगाल के प्रेसिडेंट मार्सेलो रेबेलो डी सूसा के निमंत्रण पर पुर्तगाल की राजकीय यात्रा पर हैं। पुर्तगाल से राष्ट्रपति मुर्मू स्लोवाकिया जाएंगी, जो 29 सालों में भारत के किसी राष्ट्रपति की पहली स्लोवाकिया यात्रा होगी। 9-10 अप्रैल की यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी और पीएम रॉबर्ट फिको के साथ चर्चा करेंगी। राष्ट्रपति मुर्मू स्लोवाक गणराज्य की राष्ट्रीय परिषद के अध्यक्ष रिचर्ड रासी से भी मुलाकात करेंगी।

बे-नतीजा रही इजरायली पीएम नेतन्याहू और यूएस राष्ट्रपति ट्रंप की बैठक

एजेंसी ■ तेल अवीव

टैरिफ हटवाने की आस में अमेरिका पहुंचे इजरायली पीएम नेतन्याहू को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से एक नहीं, दो झटके मिले। पहला झटका ट्रंप ने इज़रायली सामान पर लगे 17 प्रतिशत टैरिफ हटाने से इनकार कर दिया। दूसरा झटका ट्रंप ने ईरान के साथ सीधे परमाणु समझौते की बातचीत की घोषणा कर दी, जिससे इज़राइल पहले से ही चिंतित रहा है। नेतन्याहू मंगलवार अपने देश के लिए रवाना होंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि नेतन्याहू का अमेरिका दौरा तय कार्यक्रम के अनुसार समाप्त हो रहा है। हालांकि, नेतन्याहू की इस यात्रा को राजनयिक स्तर पर निराशाजनक माना जा रहा है। उनके ट्रंप के साथ हुई बैठक से इज़रायल को वह समर्थन नहीं मिला, जिसकी उसे उम्मीद थी। बैठक में राष्ट्रपति ट्रंप ने इजरायली आयात पर लगे टैरिफ हटाने को लेकर कोई स्पष्ट प्रतिबद्धता नहीं जताई। इजरायली पक्ष ने इस मुद्दे को प्राथमिकता से उठाया था, लेकिन ट्रंप प्रशासन ने इस पर सहमति नहीं दी। दौरे के दौरान नेतन्याहू ने किसी भी संवाददाता सम्मेलन को संबोधित नहीं किया और न ही उन्होंने अमेरिकी नीतियों पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया दी। इसे लेकर अंतरराष्ट्रीय और इज़रायली मीडिया में सवाल उठने लगे हैं। नेतन्याहू का यह दौरा ऐसे समय हुआ है जब इज़रायल घरेलू और बाहरी दोनों मोर्चों पर दबाव का सामना कर रहा है। ऐसे में अमेरिका से समर्थन की उम्मीद थी, लेकिन मौजूदा घटनाक्रम ने दोनों देशों के संबंधों में संभावित खटास की आशंका बढ़ा दी है।

सरकार जल्द ला सकती है नई इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी

नई दिल्ली। दिल्ली की सड़कों पर आम लोगों के सफर हो आसान बनाने वाले 'हरे-पीले' रंग के सीएनजी ऑटो का दौर अब बहुत जल्द खत्म हो सकता है। दिल्ली सरकार की नई ईवी पॉलिसी लागू होते ही पेट्रोल, डीजल और सीएनजी से चलने वाले वाहनों पर सख्ती बढ़ जाएगी। दिल्ली में अब हरे-पीले सीएनजी ऑटो की जगह नीले और सफेद रंग के इलेक्ट्रिक ऑटो सड़कों पर दौड़ते दिखाई दे सकते हैं। दिल्ली सरकार बहुत जल्द नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति को लागू करने की योजना बना रही है। ड्राफ्ट तैयार किया जा रहा है, जिसमें कई अहम बदलाव शामिल हैं।

बांग्लादेश में यूनुस सरकार अपने विरोधियों पर कर रही अत्याचार

हसीना की अवामी लीग के कई नेताओं पर किए गए क्रूर हमले

एजेंसी ■ ढाका

बांग्लादेश में यूनुस सरकार अपने विरोध में उठने वाली हर आवाज को दबा रही है। अवामी लीग पार्टी के एक नेता को हिरासत में लिया गया है। अवामी लीग के महासचिव एम ए खालेक उपजिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष भी हैं। पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी किन कारणों के तहत हुई इसका खुलासा नहीं किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खालेक को पिछले साल जुलाई में हुए विद्रोह से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार किया है बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया। खालेक को शेख हसीना के नेतृत्व में आवामी लीग सरकार के पतन के बाद सभी पदों से हटा दिया गया था। अगस्त 2024 में सत्ता संभालने के बाद से अंतरिम सरकार ने अवामी लीग के नेताओं पर क्रूर कार्रवाई की, जिनमें से ज्यादातर का आधार बेहद कमजोर

था। पिछले महीने तंगेल-5 निर्वाचन क्षेत्र के एक पूर्व विधायक समेत अवामी लीग के तीन नेताओं को राजधानी के भटारा क्षेत्र में जुलाई में हुए छात्र आंदोलन पर हमले के सिलसिले में गिरफ्तार किया था। इस सप्ताह के शुरू में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया क्योंकि पुलिस को शक था कि वे अवामी लीग और उसके सहयोगी संगठनों के समर्थक हैं। आरोपियों ने सिलहट में पार्टी की स्टूडेंट विंग छात्र लीग के पक्ष में जुलूस निकाला था। अवामी लीग के सदस्यों पर हुए हमले में पूर्व मेयर अनवरुज्जमां चौधरी और पूर्व सांसद शफीउल आलम चौधरी नादेल के आवासों पर बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के छात्र दल के बैनर तले भीड़ ने हमला किया और तोड़फोड़ की।

शेख हसीना के सत्ता से बेदखल होने के बाद अवामी लीग के कई नेताओं पर क्रूर हमले किए गए और उनकी हत्या कर दी गई।

हनीपॉट से चीन कर सकता है जासूसी, अमेरिका ने डिप्लोमेट्स के लिए बनाई नीति

वॉशिंगटन। अमेरिका ने अपने डिप्लोमेट्स, उनकी फैमिली और सिक्योरिटी से जुड़े कॉन्ट्रैक्टर्स को चीनी नागरिकों के साथ यौन संबंध बनाने से रोकने के लिए एक नीति लागू की है। यह निर्देश जनवरी 2025 में पूर्व अमेरिकी राजदूत निकोलस बर्न्स ने लागू किया था और यह बीजिंग में अमेरिकी दूतावास और ग्वांगझू, शंघाई, शेनयांग, वुहान और हांगकांग में वाणिज्य दूतावास के कर्मचारियों पर लागू होता है। यह नीति जासूसी के बढ़ते खतरों के कारण बनाई गई है, खासकर चीनी खुफिया एजेंसियों द्वारा व्यक्तिगत संबंधों का इस्तेमाल करके संवेदनशील जानकारी तक पहुंचने की आशंका रहती है जिसे अक्सर हनीपॉट टैकटिक्स कहा जाता है। अमेरिका में, चीनी खुफिया एजेंसियों द्वारा हनी ट्रैप का इस्तेमाल करने की चिंताएं तब सामने आईं जब एक रिपोर्ट में एक संदिग्ध चीनी एजेंट ने अमेरिकी राजनेताओं, जिनमें तत्कालीन कांग्रेस सदस्य एरिक स्वालवेल भी शामिल थे।

सोलर आरबीटर ने सूर्य की एक दुर्लभ घटना को किया रिकॉर्ड

एजेंसी ■ वाशिंगटन

सूर्य की एक दुर्लभ घटना को यूरोपियन स्पेस एजेंसी (ईएसए) के सोलर आरबीटर ने रिकॉर्ड किया है। रिकार्डिंग में एक विशाल घूमती हुई प्लाज्मा स्ट्रीम को देखा गया। 12 अक्टूबर 2022 को यह स्ट्रीम सूर्य से निकलते हुए देखी गई थी, जो एक कोरोना मास इजेक्शन (सीएमई) के बाद उत्पन्न हुई।

वैज्ञानिकों के अनुसार, यह घटना सूर्य की ऊर्जा प्रक्रिया को समझने में अहम भूमिका निभा सकती है। यह स्ट्रीम लगभग 20 लाख किलोमीटर तक फैली हुई थी और इसे तीन घंटे से अधिक समय तक रिकॉर्ड किया गया। सूर्य की बाहरी परत, जिसे कोरोना कहा जाता है, से यह प्लाज्मा स्ट्रीम बाहर निकलती देखी गई। यह वही परत है जो सूर्यग्रहण के दौरान आंखों को दिखाई देती है। इससे पहले भी सूर्य के कोरोना में ऐसी हेलिकल संरचनाएं देखी गई हैं, लेकिन इतनी

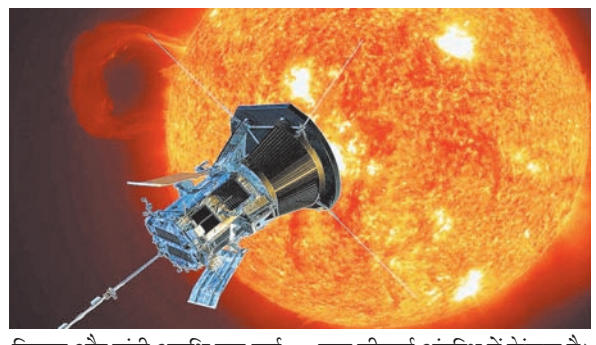

विस्तृत और लंबी अवधि तक दर्ज नहीं की गई थीं। इस घटना को सोलर आरबीटर के मेटिस उपकरण ने रिकॉर्ड किया, जो सूर्य की मुख्य चमक को ब्लॉक कर उसकी बाहरी परत को स्पष्ट रूप से देखने की सुविधा प्रदान करता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, सूर्य की कोरोना में 'इंटरचेंज रिकनेक्शन' नामक प्रक्रिया होती है, जहां मैग्नेटिक फील्ड की बंद लाइनों के टूटने और खुली लाइनों से जुड़ने के कारण ऊर्जा मुक्त होती है। जब यह ऊर्जा अत्यधिक बढ़ जाती है, तो सूर्य एक बड़ा सीएमई अंतरिक्ष में फेंकता है। इस प्रक्रिया के दौरान घूमती हुई मैग्नेटिक ऊर्जा एक 'फ्लक्स ट्यूब' बनाती है, जिसे पहली बार इतने विस्तार से कैद किया गया है। सोलर आरबीटेर और नासा के पार्कर सोलर प्रोब जैसे मिशन सूर्य के रहस्यों को उजागर कर रहे हैं। वैज्ञानिक लंबे समय से यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि सूर्य की बाहरी परत कोरोना एक मिलियन डिग्री सेल्सियस से अधिक गर्म क्यों होती है और सौर हवा इतनी तीव्र गति से कैसे बहती है।

चंद्रमा से टकरा सकता है विशाल एस्टेरॉयडः नासा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

हाल ही में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने एक चेतावनी जारी की है, एक विशाल एस्टेरॉयड चंद्रमा से टकरा सकता है। साल 2024 के दिसंबर महीने में खोजे गए नियर-अर्थ ऑब्जेक्ट 2024 वायआर4 को लेकर अब नई जानकारी सामने आई है। नासा के जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप द्वारा प्राप्त इन्फ्रारेड डेटा के अनुसार, इस एस्टेरॉयड का आकार लगभग 174 से 220 फीट यानी 53 से 67 मीटर के बीच है। इसका मतलब है कि यह आकार में करीब 10 मंजिला इमारत जितना बड़ा है। पहले इसके आकार का अनुमान 40 से 90 मीटर के बीच लगाया गया था, लेकिन अब अधिक सटीक आंकड़े उपलब्ध हो गए हैं। शुरुआत में वैज्ञानिकों ने इस एस्टेरॉयड को पृथ्वी के लिए कोई बड़ा खतरा नहीं माना था, लेकिन हाल ही में हुए विश्लेषण में यह पता चला है कि इसके चंद्रमा से टकराने की संभावना बढ़ गई है। पहले यह संभावना 1.7 प्रतिशत थी, जो अब बढ़कर 3.8प्रतिशत हो गई है। हालांकि अब भी 96.2प्रतिशत संभावना है कि यह एस्टेरॉयड बिना किसी टक्कर के चंद्रमा के पास से निकल जाएगा। नासा ने साफ किया है कि भले ही यह टकराता है, फिर भी इससे चंद्रमा की कक्षा या उसकी गति में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं आएगा।

रिपोर्ट ऋषि सुनक की तरफ से आम चुनाव का ऐलान होने के बाद प्रचार अभियान शुरू हुआ था

चुनाव प्रचार के दौरान महिला नेत्री से अश्लील हरकत करने वाली को मिली सजा

एजेंसी ■ लंदन

पिछले साल ब्रिटेन की महिला राजनेता मोनिका लेनन के साथ चुनाव प्रचार कर रही थीं इसी दौरान एक दूसरी महिला ने उन्हे चूमा और अश्लील हरकत कर दी। इससे नाराज लेनन ने इस मामले की शिकायत की और आरोपी महिला को स्थानीय अदालत ने सजा सुना दी।

बीते साल मई में तत्कालीन प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की तरफ से आम चुनाव का ऐलान होने के बाद प्रचार अभियान शुरू हुआ था। तब लेनन अपने सहकर्मियों के साथ हेमिल्टन में प्रचार कर रही थीं। तब वुड ने कथित तौर पर उन्हें देखकर यौन इशारे किए उन्हें पकड़ लिया। इसके बाद वह लगातार लेनन की गर्दन पर किस करने लगीं। लेनन ने इस घटना को व्यथित करने वाला बताया था।

साल 2024 में चुनाव प्रचार के दौरान महिला ने लेनन को जबरदस्ती पकड़ने और चूमने की कोशिश की थी।मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2024 में हुए आम चुनाव के प्रचार के दौरान 57 साल की एल्सपेथ वुड लेबर एमएसपी मोनिका लेनन के बेहद करीब आ गई थी। इसके बाद वुड ने लेनन को कमर से पकड़ा और गर्दन पर चूम लिया। साउथ लनार्कशायर के हेमिल्टन की रहे वाली वुड को हेमिल्टन शेरिफ कोर्ट में पेश किया गया था। सजा के साथ-साथ वुड पर लेनन से संपर्क साधने या बातचीत की कोशिश पर भी 3 साल के लिए रोक लगा दी गई है। क्राउन ऑफिस और प्रोक्युरेटर फिस्कल सर्विस का कहना है कि इस अवधि के दौरान वुड यौन अपराधियों की सूची में भी शामिल रहेंगी।उन्होंने राजनीति में महिलाओं की सुरक्षा पर चिंता जाहिर की थी। उन्होंने कहा था, वो एक सामान्य प्रचार अभियान था और उस घटना के बाद सबकुछ बदल गया।

भारत में लग सकता है आर्थिक आपातकाल

भारत में जिस तरह की आर्थिक स्थिति वित्तीय संस्थानों की बन रही है। उसको देखते हुए आर्थिक आपातकाल लागू करने की आशंका व्यक्त की जाने लगी है। शेयर बाजार में पिछले 6 महीने से लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। हाल ही में अमेरिका के टेरिफ़ बार के बाद सारी दुनिया के देशों की आर्थिक स्थिति खराब हो गई है। वैश्विक आर्थिक मंदी की बात सामने आने लगी है। भारतीय शेयर बाजार की गिरावट को रोकने पिछले 6 महीने से सरकार ने जितना भी प्रयास किया। उसके बाद भी शेयर बाजार को गिरने से रोकने में सरकार की कोई मदद नहीं मिली। सोमवार को शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली। जिसके कारण करीब 16 लाख करोड रुपए का नुकसान एक ही दिन में शेयर बाजार में हो गया है। बैंकों की स्थिति भी शेयर बाजार के कारण डंवाडोल हो रही है। सरकार ने शेयर बाजार को गिरने से रोकने के लिए कई बार भारत के वित्तीय संस्थानों ने बहुत बड़ा निवेश भारतीय शेयर बाजार में किया है। शेयर बाजार की गिरावट के कारण बैंक अंदर से खोखले हो चुके हैं। भारत के कुछ बैंक दिवालिया भी हो सकते हैं। महंगाई, बेरोजगारी तथा बाजार में घटती मांग के कारण उद्योग व्यापार की स्थिति बहुत खराब है। केन्द्र एवं राज्य सरकारों पर भारी कर्ज है। सरकार ने खजाने का 20 से 30 फीसदी राजस्व कर्ज और ब्याज को अदायगी के लिये हो रहा है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार, देश में पहली बार आर्थिक आपातकाल घोषित कर सकती है। भारत में पहिले तीन बार आपातकाल की घोषणा हो चुकी है। 1962, 1971 तथा 1975 में अनुच्छेद 352 के अंतर्गत राष्ट्रीय आपातकाल लगाया गया था। यह तीनों आपातकाल बाहरी सुरक्षा और आंतरिक सुरक्षा को लेकर लगाए गए थे। आर्थिक विशेषज्ञ यह आशंका व्यक्त करने लगे हैं। भारत में सरकार कभी भी वित्तीय आपातकाल घोषित कर सकती है। आर्थिक आपातकाल लगा होने पर 2 माह के अंदर संसद के दोनों सदनों से सरकार को मंजूरी लेनी होती है। संसद से मंजूरी मिलने के बाद आर्थिक आपातकाल को लंबे समय तक लागू किया जा सकता है। वित्तीय आपातकाल के लिए संविधान में कोई अवधि तय नहीं है। इसे रद्द करने का अधिकार राष्ट्रपति के पास होता है। भारत में तीन कारणों से

आपातकाल लगाया जा सकता है। राष्ट्रीय आपातकाल अनुच्छेद 352, राज्यों के लिये आपातकाल अनुच्छेद 356 तथा आर्थिक आपातकाल अनुच्छेद 360 के अंतर्गत लगाया जा सकता है। आर्थिक आपातकाल वित्तीय अस्थिरता या साख को गंभीर खतरा होने पर लागू किया जा सकता है। राष्ट्रपति को मंत्रिपरिषद की अनुशंसा पर वित्तीय आपातकाल घोषित करने का अधिकार है। वित्तीय आपातकाल लागू होने पर राष्ट्रपति को वित्तीय शक्तियों का नियंत्रित करने का अधिकार मिल जाता है। आर्थिक आपातकाल की घोषणा तभी हो सकती है।

मथुरा-काशी से जुड़ी नई मुहीम का आह्वान

▪ ललित गर्ग

हिंदू समूहों का दावा है कि मुस्लिम आक्रमणकारियों ने मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर और वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर को नष्ट करके उनके ऊपर मस्जिदें बना दीं। इसीलिये विश्व हिंदू परिषद और साधु-संतों ने 1984 में तीन मंदिरों की बात की थी, जिनमें में अयोध्या में श्रीराम मन्दिर बन चुका है।

इसके बाद कई लोगों को लगने लगा था कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व उसके अन्य सहयोगी संगठन इससे संतुष्ट हो चुके हैं और काशी व मथुरा के विषय को जैसे उन्होंने त्याग दिया है या भूला दिया है। लेकिन ऐसा नहीं है, लोकसभा में वक्फ विधेयक के पेश किए जाने से कुछ ही घंटे पहले संघ के सरकार्यवाह एवं महामंत्री दत्तात्रेय होसबाले ने काशी ज्ञानवापी और मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि से जुड़े आंदोलनों-कार्यक्रमों में संघ के स्वयंसेवकों को न रोकने की बात कह कर एक नई मुहीम के आह्वान का अप्रत्यक्ष रूप से संकेत दे दिया है, जिसके गहरे राजनीतिक निहितार्थ हैं। पिछले कुछ समय से इनको लेकर एक ऊहापोह की स्थिति थी, लेकिन संघ के इस मुद्दे पर छाये धुंधलको को हटाते हुए अपने नये बयान से ऊर्जा का संचार किया है। भले ही इससे राजनीति गर्मायें, लेकिन हिन्दू आस्था को इससे खुशी मिली है। संघ की कन्नड़ साप्ताहिक पत्रिका विक्रमा को दिए इंटरव्यू में होसबाले ने साफ कर दिया कि उस समय यानी 1984 में विश्व हिंदू परिषद और साधु-संतों ने तीन मंदिरों की बात की थी। इसलिए अगर संघ के स्वयंसेवक इन मंदिरों के लिए काम करना चाहते हैं, तो हम उनको रोकेंगे नहीं। साफ है, इस बयान के बाद इन मथुरा-काशी दोनों स्थलों से जुड़े विवाद और इनके आंदोलनों को एक नई ऊर्जा, इन मन्दिरों के जीर्णोद्धार, स्वतंत्र अस्तित्व हासिल करने में सफलता मिलेगी। इससे एक बार फिर भाजपा की ताकत बढ़ेगी एवं हिन्दुओं को एकजुट करने का वातावरण बनेगा। बिहार में कुछ ही माह बाद विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और साल 2027 की शुरुआत में ही उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होंगे। बिहार एवं उत्तर प्रदेश दोनों ही प्रदेशों में जातिगत गणना और आरक्षण को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिशें हो रही हैं। इन दोनों चुनावों में काशी और मथुरा बड़ा मुद्दा बने, तो कोई आश्चर्य नहीं है। दोनों मन्दिर बिहार से सटे उत्तर प्रदेश के दो छोरों पर स्थित हिंदुओं के दो बड़े पवित्र एवं पावन धर्मस्थल हैं। मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर भगवान कृष्ण के जन्मस्थान के रूप में और वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर भगवान शिव के ज्योतिर्लिंग के रूप में हिंदू धर्म में अत्यधिक महत्वपूर्ण आस्था-स्थल हैं, जहाँ लोग मोक्ष प्राप्ति के लिए आते हैं। दोनों मंदिर हिंदू धर्म में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं और करोड़ो भक्तों को आकर्षित करते हैं, दोनों मंदिर भारतीय संस्कृति और इतिहास का अहम हिस्सा हैं और उनकी धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं। काशी में विश्वनाथ और मथुरा में

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर का पुनरुद्धार केवल भौतिक संरचनाओं को पुनर्स्थापित करने का प्रयास नहीं है-यह भारत के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक सार को पुनर्जीवित करने एवं आहत हिन्दू आस्था पर मरहम लगाने का आह्वान है। सनातन धर्म की शाश्वत विरासत के प्रतीक ये मंदिर आक्रमणकारियों के सदियों के हमलों के बावजूद हिंदुओं की दृढ़ता और भक्ति के प्रमाण हैं। इन पवित्र स्थलों को पुनः प्राप्त करना हमारे पूर्वजों के बलिदान का सम्मान करने, हमारी विरासत को संरक्षित करने और हमारी समृद्ध परंपराओं को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का कार्य है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हिंदू मंदिरों के बारे में सच्चाई सबके सामने है, लेकिन ये मामले अनसुलझे हैं। ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के ये स्थल लंबी अदालती लड़ाई के बावजूद अभी भी न्याय का इंतजार कर रहे हैं। दत्तात्रेय होसबले का यह साक्षात्कार महत्वपूर्ण होने के साथ दूरगामी सोच से जुड़ा है। हालांकि, होसबले ने अपने इसी इंटरव्यू में देश की सभी मस्जिदों को मुद्दा बनाने की प्रवृत्ति को सामाजिक ताने-बाने के लिए नुकसानदेह बताकर संतुलन साधने की कोशिश की है। इससे पहले संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग तलाशना सही नहीं है। भले ही पिछले साल दिसंबर में मस्जिदों को लेकर उठ रहे विवाद को शांत करने का उन्होंने यह प्रयास किया था। लेकिन काशी और मथुरा भी उसमें शामिल रहे हो, ऐसा कैसे सोचा जा सकता है? होसबले ने इस साक्षात्कार में गौ हत्या, लव जिहाद और धर्मांतरण जैसी चिंताओं को स्वीकार किया। उन्होंने अस्पृश्यता यानी छुआछूत को खत्म करने, युवाओं में संस्कृति के संरक्षण और देशी भाषाओं की सुरक्षा जैसे समकालीन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। भाषा नीति पर होसबाले ने त्रिभाषी दृष्टिकोण का समर्थन किया और इसे 95 प्रतिशत भाषाई विवादों का समाधान बताया। उन्होंने भारतीय भाषाओं के संरक्षण और उनमें शिक्षित लोगों के लिए आर्थिक अवसर सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया।होसबोले ने कहा कि लोगों को यह समझना चाहिए कि वैश्विक भूराजनीति में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। यदि भारत में हिंदू समाज मजबूत और संगठित नहीं है, तो केवल 'अखंड भारत' के बारे में बोलने से परिणाम नहीं मिलेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अतीत की खोज में लगे रहने से समाज अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक परिवर्तनों पर अपना ध्यान केंद्रित नहीं कर पाएगा, जैसे अस्पृश्यता को समाप्त करना, युवाओं में मूल्यों का संचार करना तथा संस्कृति और भाषाओं को संरक्षित करना। निश्चित ही होसबले के बोल से जहां हिन्दू धर्म एवं संस्कृति की रक्षा को बल मिला है, वहीं राष्ट्रीयता भी मजबूत होती हुई दिख रही है। संघ की स्थापना भी इसी उद्देश्य एवं राष्ट्रवादी आंदोलन को एक मजबूत सांस्कृतिक आधार देने के लिए की गई थी। हमारी सदियों पुरानी प्राचीन सभ्यताएं जो धर्म, अहिंसा और भक्ति के सिद्धांतों पर आधारित थी उपनिवेशवाद के शोर में अपनी आवाज खो न जाये, हिन्दू समाज पर रह-रह हो रहे हमले रूके, हिन्दू एवं सनातन संस्कृति को सलक्ष्य कुचलने के प्रयास विराम पाये-इन जटिल स्थितियों में भारत के लोगों को एक सांस्कृतिक छत्र के नीचे एकजुट करने की दृष्टि से होसबले ने जगाया है, चेताया है, संगठित होने का आह्वान किया है। निश्चित तौर पर इन दोनों मन्दिर मुद्दों को नए सिरे से हवा देने की इस कवायद ने संघ विरोधियों एवं मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वालों के सामने एक नई गंभीर चुनौती पेश की है।

ट्रम्प की ईर्ष्या अब बनेगी वैश्विक ट्रेड वार..!

ट्रम्प के मन में टैरिफ को लेकर आया विचार एकाएक नहीं है। उनके व्यवसाय को जापानियों से मिली चुनौतियों के चलते 1990 के दशक में की घटना है जिससे क्रुध्द ट्रम्प आज पलटवार कर रहे हैं। यह अर्से से उनके मन में पाला हुआ मंसूबा है। वास्तव में ट्रम्प के मन में जापानियों की प्रतिभा को लेकर पनपा ईर्ष्याभाव ही आज उनके टैरिफ की असल वजह है। वो मानते हैं कि जब मुक्त व्यापार अस्तित्व में नहीं था तब जापान, अमेरिका के बाजार में जबरदस्त पैठ बना रहा था। लेकिन अपने यहां व्यापार करना असंभव सा कर दिया था। बस यही टीस बिजनेसमैन ट्रम्प को घर कर गई और उनके मन में एक गांठ बन गई। हालांकि उसी दौर में उन्हें नगदी की जबरदस्त जरूरत हुई और मजबूरन जापान की ओर आस भरी निगाहों से देखने लगे। लेकिन ट्रम्प 1980 के दशक से ही इस बात से बखूबी वाकिफ थे कि मशहूर जापानी निवेशक रॉकफेलर अमेरिकी ब्रांड्स और संपत्तियों के अधिग्रहण का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इससे उनका नजरिया ऐसा बदला जो आज आयात पर टैरिफ के सच के रूप में सामने है। यहीं से उनके दिमाग में अमेरिका के राष्ट्रपति बनने का मंसूबा भी बना और वो लंबी रणनीतियों और विचारों को लोगों से सार्वजनिक मंच पर जाहिर भी करने लगे। 1987 में ट्रम्प की किताब ट्रंप- द आर्ट ऑफ द डील में अमेरिकी व्यवसाय पर उनकी विस्तृत सोच के साथ मंशा भी झलकती है। लोकप्रिय द ओपरा शो के होस्ट ओपरा विनफ्रे के साथ भी तभी एक लाइव कार्यक्रम में साफ-साफ कहना कि अमेरिकी विदेश व्यापार नीति को वो कैसे सबसे अलग तरीके से संभालेंगे और इससे अमेरिका के लिए सही कीमत वसूलेंगे उनका रणनीतिक शो था। इतना ही नहीं ट्रम्प ने अपने विचारों को एक खुली चिट्ठी के रूप में अमेरिका के सर्वाधिक लोकप्रिय तीन समाचार पत्रों में भी बतौर विज्ञापन प्रकाशित करवाया जिसमें उनके एक लाख डॉलर खर्च हुए थे। मतलब उनका नजरिया पहले ही साफ हो चुका था। लेकिन यह भूलना चाहिए कि उनकी सोच और वास्तविकता में तब और अब में काफी फर्क है। आज अमेरिका का सबसे बड़ा प्रतिद्वन्दी चीन है न कि जापान। 1990 के दशक के युवा रियल एस्टेट डेवलपर ट्रम्प की सोच आज भी वही है जबकि समय के साथ काफी कुछ बदल गया है। लेकिन ट्रम्प हैं कि मानते नहीं। बतौर राष्ट्रपति और व्यवसायी ऐसी सोच अंतर्राष्ट्रीय हितों के

ऋतुपर्ण दवे

खिलाफ हो सकती है। जैसा कि झलक रहा है इससे अमेरिका में विदेशी व्यापारिक निवेश घटेगा जिसका अंतर्राष्ट्रीय गठबंधन पर भी असर पड़ेगा। सौ देशों की अमेरिकी डिस्काउंटेड रेसिप्रोकल टैरिफ वाली सूची में भारत भी शामिल है जिस पर 26 प्रतिशत टैरिफ है जो कई एशियाई देशों की तुलना में कम है। भले ही भारत पर इसका प्रभाव अभी कम पड़े। लेकिन भविष्य को लेकर कोई गारंटी भी तो नहीं कि कब और कितना बढ़ जाए? इधर चीन ने भी अमेरिका पर 34 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। जिस पर तिलमिलाए ट्रम्प ने 9 अप्रेल तक इसे वापस नहीं लेने पर 50 प्रतिशदत टैरिफ की धमकी दे रहे हैं। अगर अमेरिका अपने हिसाब से चलने की जिद करेगा तो चीन भी आखिर तक लड़ेगा। इधर ब्लूमबर्ग की हालिया सूची बताती है कि ट्रंप के करीबी मस्?क की कुल नेटवर्थ 300 अरब डॉलर के नीचे चली गई है। जनवरी 2025 से अब तक 135 अरब डॉलर यानी करीब 12 लाख करोड़ रुपये का नुकसान उठा चुके हैं। इसी सोमवार को अमेरिकी बाजार में आई गिरावट से मस्?क को करीब 40 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ जबकि बीते हफ्ते दो दिन में ही मस्?क के 31 अरब डॉलर डूब गए। इस तरफ ट्रम्प के अघोषित टैरिफ वार से विश्व में सबसे नुकसान उठाने वालों की सूची में मस्क 6वें क्रम पर आ चुके हैं। कुल मिलाकार आसार अच्छे नहीं है। नए बजट में ग्रामीण विकास के लिए 1,88,754 करोड़ तथा किसान कल्याण के लिए बीते बरस की तुलना में 11 प्रतिशत ज्यादा यानी 1.71 लाख करोड़ रुपयों का बजट में प्रावधान बताता है कि हमारी अपने आर्थिक मोर्चों पर कैसी तैयारी है। भले ही 02 अप्रैल 2025 को ट्रम्प ने अमेरिका का मुक्ति दिवस बता रहे हों। लेकिन जिस तरह से दुनिया भर के शेयर बाजार धराशायी हुए, उससे कुछ अलग ही समझ आ रहा है। ट्रम्प भले ही कहें कि हमारे करदाताओं को 50 से अधिक वर्षों से लूटा जा रहा है। लेकिन रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने वाला आदेश उनकी ईर्ष्या, खीझ और अजीब दूरगामी सोच ही दर्शाता है। अब अमेरिकी प्रोडक्ट्स पर यूरोपीय यूनियने के टैरिफ के लिए 9 अप्रैल का इंतजार करना होगा, जिस पर मतदान होना है। यदि यह भी जस का तस जैसे रहा तो आसार और बिगड़ सकते हैं। पहले ही दुनिया भर के शेयर बाजार धड़ाम हो चुके हैं। खुद अमेरिका भी इसी से अछूता नहीं है। ट्रम्प का अमेरिका में ही विरोध होने लगा है। उन्हे न केवल तानाशाह बल्कि अर्थव्यवस्था को तहस-नहस करने वाला सनकी तक कहा जाने लगा है। सभी 50 राज्यों में 150 संगठनों 1200 से ज्यादा प्रदर्शनों में हजारों का जुटना बताता है कि चिंता कितनी गंभीर है। हैंड्स ऑफ नाम के इस प्रदर्शन में शनिवार को हजारों लोग जुटे। 2017 में महिला मार्च और 2020 में ब्लैक लाइव्स आन्दोलन के बाद ट्रंप का ऐसा भारी विरोध हो रहा है। असल में एलन मस्क का दखल भी अमरीकियों को पसंद नहीं आ रहा है। उन पर नौकरी में छंटनियों के मंसूबों सहित सत्ता हथियाने जैसे गंभीर आरोप लग रहे हैं। इधर भारत और खुद अमरीका सहित दुनिया भर के शेयर बाजारों में आज खुलते ही जबरदस्त तो कहीं ऐतिहासिक गिरावट देखी जा रही है। निश्चित रूप से शुभ संकेत नहीं है व्यावसायिक हितों और तमाम दूसरे मामलों में सतर्क दुनिया ने एकजुट होकर ट्रम्प को जवाब देना शुरू कर दिया है।

प्रकृति को पस्त करने, वायु एवं जल प्रदूषण, कृषि फसलों पर घातक प्रभाव

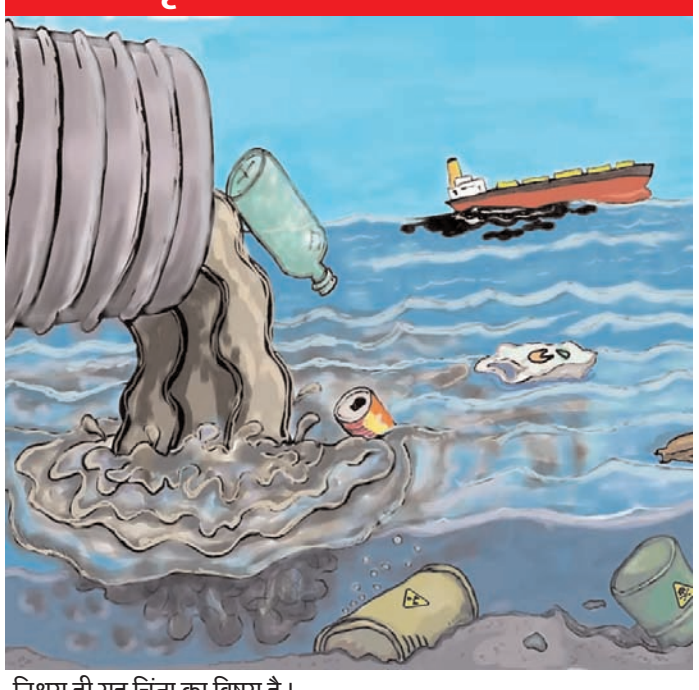

निश्चय ही यह चिंता का विषय है। हालांकि, सर्वेक्षण के लिये केरल को ही चुनना और बोतलबंद पानी बेचने वाली भारतीय कंपनियों को चुनने को लेकर कई सवाल पैदा हो सकते हैं। पिछली सदी में जब प्लास्टिक के विभिन्न रूपों का अविष्कार हुआ, तो उसे विज्ञान और मानव सभ्यता की बहुत बड़ी उपलब्धि माना गया था, अब जब हम न तो इसका विकल्प तलाश पा रहे हैं और न इसका उपयोग ही रोक पा रहे हैं, तो क्यों न इसे विज्ञान और मानव सभ्यता की सबसे बड़ी असफलता एवं त्रासदी मान लिया जाए?

वैज्ञानिकों ने पाया है कि प्लास्टिक हम सबके शरीर में किसी-न-किसी के रूप में पहुंच रहा है। कैसे पहुंच रहा है, इसे जानने के लिए हमें पिछले दिनों अमेरिका के कोलोराडो में हुए एक अध्ययन के नतीजों को समझना होगा। अमेरिका के जियोलॉजिकल सर्वे ने यहां बारिश के पानी के नमूने जमा किए। ये नमूने सीधे आसमान से गिरे पानी के थे, बारिश की वजह से सड़कों या खेतों में बह रहे पानी के नहीं। जब इस पानी का विश्लेषण हुआ, तो पता चला कि लगभग 90 फीसदी नमूनों में प्लास्टिक के बारीक कण या रेशे थे, जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है। ये इतने सूक्ष्म होते हैं कि हम इन्हें आंखों से नहीं देख पाते। देखने में आ रहा है कि कथित आधुनिक समाज एवं विकास का प्रारूप अपने को कालजयी मानने की गफलत पाले हुए है और उसकी भारी कीमत माइक्रोप्लास्टिक के कहर के रूप में चुका रहा है। लगातार पांव पसार रही माइक्रोप्लास्टिक की तबाही इंसानी गफलत को उजागर तो करती रही है, लेकिन समाधान का कोई रास्ता प्रस्तुत नहीं कर पाई। ऐसे में अगर मोदी सरकार ने कुछ ठानी है तो उसका स्वागत होना ही चाहिए। क्या कुछ छोटे, खुद कर सकने योग्य कदम नहीं उठाये जा सकते?

फीचर

बोरियत को न बनाएं अपनी आदत!

सारा काम खत्म हो गया, डिनर के लिए बाहर जाने का मन नहीं है, इस सप्ताह कोई अच्छी फिल्म भी रिलीज नहीं हुई, समझ नहीं आ रहा क्या करें, कहां जाएं?

आपको भी अपने आसपास अक्सर ऐसी बातें सुनने को मिलती होंगी। ऐसा सोचने या कहने का सीधा मतलब यही है कि व्यक्ति अपनी वर्तमान मनस्थिति से खुश ही है और इसी वजह से उसे बोरियत महसूस हो रही है।

समस्या की जड़ें: जब कभी जीवन में ठहराव आने लगता है तो इससे बोरियत पैदा होती है। आज की तेज रफ्तार जिंदगी ने इंसान को काफी हद तक वर्कोहॉलिक बना दिया है। अब लोग दिन-रात मशीन की तरह काम में जुटे रहते हैं। जैसे ही उनका कार्य पूरा हो जाता है, उन्हें खालीपन महसूस होने लगता है। आज लोगों के सामने मनोरंजन के विकल्पों का अंबार है, फिर भी वे बोरियत से परेशान रहते हैं। सीमित साधनों के बीच संतुष्ट और खुश रहना आसान है, लेकिन ढेर सारे विकल्प हमें केवल भ्रमित करते हैं और अंततः इनकी वजह से बोरियत पैदा होने लगती है।

बोर होते बच्चे: आजकल बच्चों को भी बहुत जल्दी बोरियत महसूस होती है। पुराने समय में बच्चे एक ही खिलौने से महीनों तक खेलते थे, पर आज के बच्चे दो ही दिनों के बाद अपने लिए नए खिलौने की मांग करने लगते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि अब पैरेंट्स के पास बच्चों के लिए समय नहीं है। इस समस्या से बचने के लिए वे छोटी उम्र से ही बच्चों को उनकी मनमर्जी का काम करने की छूट दे देते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चों की फ्रस्ट्रेशन टॉलरेंस खत्म हो रही है। अगर माहौल उनकी पसंद के प्रतिकूल हो तो वे पांच मिनट में ही ऊबने लगते हैं। कभी-कभी बोरियत होना स्वाभाविक है, लेकिन जब यह स्थायी मनोदशा बन जाए तो चिंताजनक है। बोरियत नकारात्मक विचारों की जड़ है।

प्रेरणा

ईश्वर का आहार है साधना

तुमने ईश्वर को सदैव पिता के रूप में देखा है, कहीं ऊपर स्वर्ग में। मन में बैठी इस धारणा के संग तुम ईश्वर से कुछ मांगना चाहते हो और उनसे कुछ लेना। परन्तु क्या तुम ईश्वर को एक शिशु के रूप में देख सकते हो? जब तुम ईश्वर को शिशु के रूप में देखते हो तो तुम्हारी कोई मांग नही होती। ईश्वर तो तुम्हारे अस्तित्व का अन्तःकरण है। तुम ईश्वर को धारण किये हो। तुम्हें अपने गर्भ का ध्यान रखना है और इस शिशु को संसार में जन्म देना है। ईश्वर तुम्हारा शिशु है। वे तुमसे बच्चे की तरह चिपककर रहते हैं जब तक तुम वृद्ध होकर मर नहीं जाते। ईश्वर पोषण के लिए पुकारते रहते हैं। संसार में उनके पोषण के लिए उन्हें तुम्हारी आवश्यकता है। साधना, सत्संग और सेवा ईश्वर के पोषक आहार हैं।

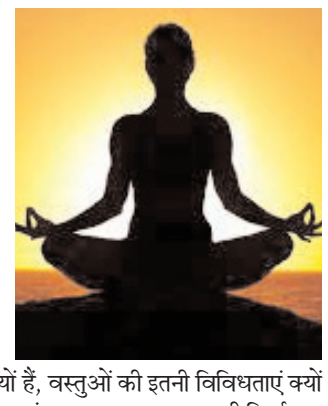

तुम ऐसा क्यों सोचते हो कि ईश्वर एक ही हैं? ईश्वर भी अनेक क्यों नहीं हो सकते? यदि ईश्वर ने मनुष्य को अपनी छवि के अनुसार बनाया है, तो उनकी छवि क्या है? अप्रीकी, मंगोलियन, कॉकेसियन, जापानी या फिलिपिनो? मनुष्य इतने प्रकार के क्यों हैं, वस्तुओं की इतनी विविधताएं क्यों है? वृक्ष सिर्फ एक प्रकार का नहीं होता। सांप बादल, मच्छर या सब्जी सिर्फ एक प्रकार के नहीं। कुछ भी सिर्फ एक प्रकार का नहीं है, तो फिर केवल ईश्वर को ही एक क्यों होना चाहिए?

जिस चेतना ने इस सम्पूर्ण सृष्टि की रचना की है और जो विविधता की प्रेमी है, वह चेतना नीरस कैसे हो सकती है? ईश्वर को विविधता पसंद है, तो वे भी अवश्य ही वैविध्य होंगे। ईश्वर अनेक नाम, रूप और प्रकार से अभिव्यक्त होते हैं।

अपनी बात

अमित शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा सही समय पर बहाल किया जाएगा, जिससे राज्य के राजनीतिक पुनर्गठन की दिशा में एक नया संकेत मिला है। शाह का पार्टी मुख्यालय आगमन पार्टी के लिए संघटनात्मक मनोबल बढ़ाने वाला कदम माना जा रहा है। केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने बैठक में कहा कि जम्मू क्षेत्र में आतंकवाद से जुड़ी घटनाओं पर बहुत जल्द पूर्ण विराम लगेगा।

आप की नेता विपक्ष आतिशी ने कहा कि अगर भाजपा की निजी स्कूलों से कोई सांठगांठ नहीं है, तब मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को आज ही बढ़ी हुई स्कूल फीस पर रोक लगा देनी चाहिए। उन्होंने कहा है कि ये मेरा रेखा को चैलेंज है। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा सरकार से तीन बड़ी मांग की है। उन्होंने कहा, दिल्ली में हाहाकार मचा हुआ है। माता-पिता स्कूलों के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। स्कूलों के गेट बंद किए गए हैं।

ब्रीफ न्यूज

68वीं राष्ट्रीय शालेय फुटबॉल प्रतियोगिता में नेशन स्कूल की तानिया का हुआ चयन

गुना। 68वीं राष्ट्रीय शालेय फुटबॉल प्रतियोगिता सेपका टकरा इम्फाल, (मणिपुर) में 15 अप्रैल से 21 अप्रैल तक आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता में नेशन हा.से. स्कूल की कक्षा 11 की छात्रा तानिया टांक पुत्री संजीव टांक का चयन जिले से किया गया है। इस प्रतियोगिता की तैयारी के लिये इंदौर में 9 अप्रैल से शालेय दल का प्री नेशनल कोचिंग कैंप भी आयोजित होगा। आयु वर्ग 19 वर्ष बालिका फुटबॉल में तानिया टांक गुना जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी। एक बार पुन- नेशनल प्रतियोगिता में चयनित होकर उन्होंने विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। जिले से चयन होने पर छात्रा तानिया को जिला शिक्षा अधिकारी श्री सीएस सिसौदिया एवं जिला क्रीड़ा अधिकारी सुरेंद्र परिहार, खेल नोडल अधिकारी मनोज शर्मा, कोच रहीस खान, विद्यालय की प्राचार्या एसएन फारुकी एवं संचालक अब्दुल समद फारुकी, समस्त स्टाफ एवं पालकगणों द्वारा बधाई दी गई एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

कलेक्टर ने अपर कलेक्टर को सौंपे अतिरिक्त दायित्व

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल द्वारा प्रशासनिक कार्यसुविधा की दृष्टि से अपर कलेक्टर एवं अपर जिलादण्डाधिकारी अखिलेश जैन को आवश्यक वस्तु 1955 के अंतर्गत आने वाले प्रकरणों का निराकरण, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और वित्तीय आस्तियों का पुर्नगठन एवं प्रतिभूतियों का हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के तहत प्रकरणो का निराकरण एवं अपर कलेक्टर एवं दण्डाधिकारी जिला गुना अपने न्यायालय में विधि अनुरूप कार्यवाही पूर्ण कर प्रकरणों का निराकरण करने के लिये दायित्व सौंपे जाने के आदेश जारी किये गये हैं ।

आईटीआई गुना में एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव का 11 अप्रैल को

गुना। शासकीय आईटीआई गुना में 11 अप्रैल को सुबह 10 बजे से सुजुकी मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड गुजरात द्वारा एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे आईटीआई व्यवसाय, फिटर, इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर, डीजल मैकेनिक, एलेक्रोनिक मैकेनिक, मैकेनिक मोटर व्हीकल से पासआउट प्रशिक्षनार्थी भाग ले सकते हैं। ड्राइव में सम्मिलित होने के लिए आवेदकों को 40 प्रतिशत के साथ 10वीं एवं 50 प्रतिशत अंकों के साथ आईटीआई उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

आरोन के जनसुनवाई कक्ष में लगाया स्वास्थ्य कैंप

गुना। तहसील आरोन के जनसुनवाई कक्ष में भी स्वास्थ्य कैंप लगाया गया। जिसमें जनसुनवाई में आने वाले सभी हितग्राहियों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया तथा शासन के निर्देशानुसार, बाबूलाल रघुवंशी निवासी ग्राम खजूरी की आयु 70 प्लस से उपर होने से उनका आयुष्मान कार्ड तत्काल बनाया गया तथा तीन आयुष्मान कार्ड बांकेलाल नायक निवासी खैराई, सुदामा बाई निवासी खैराई एवं भगवती बाई निवासी आरोन के कर्मकार मण्डल के तहत बनाये गये हैं।

किसानों की शिकायत पर बमोरी विधायक ऋषि अग्रवाल ने खुद भौंरा गांव स्थित खरीदी केंद्र का औचक निरीक्षण किया

गेहूं खरीदी केंद्रों पर किसानों की उपज में हेराफेरी, बमोरी विधायक ने पकड़ी गड़बड़ी

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर चल रही गेहूं खरीदी के दौरान किसानों के साथ हो रही अनियमितता एक बार फिर सामने आई है। किसानों की शिकायत पर बमोरी विधायक ऋषि अग्रवाल ने खुद भौंरा गांव स्थित खरीदी केंद्र का औचक निरीक्षण किया, जहां गेहूं की तुलाई में गड़बड़ी पकड़ में आई। विधायक की मौजूदगी में जब बोरे दोबारा तौले गए, तो हर बोरे में 600 से 800 ग्राम तक अधिक वजन निकला, जो कि किसानों से बिना भुगतान के लिया जा रहा था। विधायक के पहुंचते ही केंद्र संचालकों में हड़कंप मच गया। उन्होंने तत्काल बोरे उठवाकर दोबारा तुलाई कराई। हर बोरे में तय मानक से अधिक गेहूं निकला, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि किसानों की उपज में जानबूझकर हेराफेरी की जा रही है। इसके चलते न केवल किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा था, बल्कि उनकी मेहनत

की फसल से कुछ हिस्सा चोरी हो रहा था।

मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने इस गड़बड़ी को छिपाने के लिए कांटा खराब होने का बहाना बनाया। हालांकि विधायक ने इस तर्क को सिरे से नकारते हुए साफ कहा कि किसानों की उपज का एक-एक दाना सही वजन में तौला जाना चाहिए। उन्होंने खरीदी केंद्र संचालकों को फटकार लगाते हुए कहा कि शासन द्वारा 50 किलो उपज और 550 ग्राम बारदाना वजन तय किया गया है। इससे अधिक माल लेना सीधी लूट है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विधायक ने मौके से ही खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को फोन कर पूरी स्थिति से अवगत कराया और कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल से भी बात की। कलेक्टर ने मामले की जांच करवाने का आश्वासन दिया है। विधायक ने किसानों से बातचीत करते हुए उन्हें जागरूक रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अपनी उपज बेचते वक्त पूरी सतर्कता रखें और अगर कहीं भी वजन में गड़बड़ी लगे तो उसकी शिकायत करें। कई किसानों ने बताया कि वे यह मानते रहे कि उनकी उपज 55 क्विंटल है, लेकिन तुलाई में वह 50 क्विंटल ही निकलती है।

गेंहू खरीदी केन्द्र के प्रबंधक एवं मुस्कान वेयरहाउस के प्रोपराईटर को नोटिस जारी

कलेक्टर किशोर कन्याल के द्वारा किसानों की उपज का सही मूल्य दिलाने एवं समर्थन मूल्य पर गेंहू खरीदी की व्यवस्था सुचारू व सुविधा जनक बनाने के लिये विपणन सहकारी संस्था आरोन के प्रबंधक जो मुस्कान वेयरहाउस रामपुर पर स्थापित गेंहूं खरीदी केन्द्र पर उपस्थित नहीं मिलने तथा मुस्कान वेयरहाउस के प्रोपराईटर के पुत्र द्वारा बिना स्लॉट बुक किये, बिना पंजीयन के गेंहू तौलने का प्रयास करने पर तहसीलदार आरोन द्वारा दिनांक 04 अप्रैल 2025 को खरीदी केन्द्र पर पूछताछ करने पर उक्त व्यक्ति ट्राली लेकर भाग गये। केन्द्र पर पंजीकृत किसानों व स्लॉट बुकिंग की जानकारी लेने पर पाया गया कि, इनके द्वारा बताये गये किसान का स्लॉट बुक नहीं था। अर्थात केन्द्र प्रभारी से सांठ-गांठ कर बिना पंजीयन के गेंहू तौलने का प्रयास किया गया। कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल द्वारा विपणन सहकारी संस्था के प्रबंधक कृष्ण गोपाल सौलंकी व मुस्कान वेयरहाउस के प्रोपराईटर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। तथा 11 अप्रैल 25 को जबाब चाहा गया है। जबाब नहीं देने पर खरीदी केन्द्र निरस्त करने, वेयरहाउस को ब्लेकलिस्ट करने के साथ अभियोजन की कार्यवाही की जाएगी।

एफडीडीआई गुना में बढ़ेगा दाखिला, सेना के जवानों को मिलेगा विशेष प्रशिक्षण

पत्रकार वार्ता में कार्यकारी निदेशक मंजू मान और कलेक्टर किशोर कन्याल ने साझा की विस्तार योजना

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले के लिए गौरव का विषय बन चुके फुटवियर डिजाइन एवं डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एफडीडीआई) को नई ऊंचाईयों पर ले जाने की तैयारी की जा रही है। सोमवार को आयोजित एक पत्रकार वार्ता में संस्थान की कार्यकारी निदेशक मंजू मान और कलेक्टर किशोर कन्याल ने संयुक्त रूप से यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संस्थान में न केवल सीटों की संख्या के अनुसार दाखिला बढ़ाने की योजना है, बल्कि अब सेना के जवानों को भी विशेष कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जाएगा।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए मंजू मान ने कहा कि रक्षा मंत्रालय के सहयोग से सेना के सेवानिवृत्त और सेवाव्रत जवानों के लिए तीन माह का डीजीआर (डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ रिसेट्लमेंट) आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है। इस कार्यक्रम के तहत जवानों को जूता निर्माण और उससे संबंधित उद्योगों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। संस्थान के वर्तमान शैक्षणिक ढांचे की जानकारी देते हुए मान ने बताया कि एफडीडीआई में इस समय कुल 120 सीटें स्वीकृत हैं, जिनमें बी. डिज (फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन) में 60, एमबीए (रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइजिंग) में 20 और फैशन डिजाइन कोर्स में 30 सीटें शामिल हैं। हालांकि, वर्तमान में केवल 58 छात्र-छात्राएं ही प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इस संख्या को दोगुना करने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। सुश्री मान ने यह भी स्पष्ट किया कि संस्थान पूरी तरह सुरक्षित है और विशेष रूप से छात्राओं के लिए हर जरूरी सुविधा उपलब्ध कराई गई है। बाहर से आने वाले विद्यार्थियों के लिए बस सेवा भी प्रारंभ की गई है ताकि आने-जाने में कोई परेशानी न हो। प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि दसवीं के बाद बारहवीं या स्नातक स्तर के छात्र-छात्राएं अखिल भारतीय चयन परीक्षा (एआईएसटी) के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 20 अप्रैल रखी गई है, प्रवेश परीक्षा 11 मई को होगी और जून के पहले या दूसरे सप्ताह में काउंसलिंग आयोजित की जाएगी। नए सत्र की कक्षाएं 21 जुलाई से प्रारंभ होंगी। कलेक्टर किशोर कन्याल ने इस अवसर पर कहा कि एफडीडीआई जैसे संस्थान जिले की पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग दिया जाएगा ताकि यह संस्थान युवाओं के लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता का केंद्र बन सके। इस पत्रकार वार्ता में पुलिस अधीक्षक संजीव सिंहा, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक दुबे और जनपद पंचायत गुना के सीईओ गौरव खरे भी उपस्थित रहे। सभी ने एफडीडीआई की आगामी योजनाओं की सराहना की और इसे जिले के विकास में अहम योगदान देने वाला संस्थान बताया।

जिले में संचालित समस्त वाहन धुलाई सेन्टरों को प्रतिबंधित करने संबंधी आदेश जारी

सत्ता सुधार ■ गुना

विभिन्न मीडिया स्त्रोतों, समाचार पत्रों एवं जन-सामान्य के माध्यम से यह तथ्य संज्ञान में आया है कि रोड की साईड पर व अन्य स्थानों पर स्थापित वाहन धुलाई केन्द्रों पर वाहनों की धुलाई की जा रही है, जिससे पानी का अपव्यय हो रहा हैं। नगरीय क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था ट्यूबबेलों पर आधारित है एवं वर्तमान में नलकूपों का जल स्तर कम हो जाने के फलस्वरूप पेयजल संकट उत्पन्न हो गया है। वाहनों की धुलाई में पानी का अधिक अपव्यय होता है तथा वह नलकूपों से पानी निकालकर उपयोग करते हैं, ग्रीष्म ऋतु में पानी की कमी की समस्या को दृष्टिगत रखते हुये वाहन धुलाई केन्द्रों को प्रतिबंधित किया जाना अति-आवश्यक हैं।

मध्यप्रदेश पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 की धारा 3 (1) के अन्तर्गत कोई भी व्यक्ति कलेक्टर की अनुज्ञा के बिना जल अभाव ग्रस्त क्षेत्र में किसी भी जल स्त्रोत से सिंचन या औद्योगिक प्रयोजल के लिये या घरेलू प्रयोजल को छोडकर किसी अन्य प्रयोजल के लिये किन्ही भी साधनों द्वारा जल नहीं लेगा। चूंकि गुना जिले को पूर्व में जल अभाव ग्रस्त क्षेत्र घोषित किया गया है। इसे दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट किशोर कुमार कन्याल द्वारा मध्यप्रदेश पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 की धारा 3(1) एवं भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए गुना जिले में संचालित समस्त वाहन धुलाई सेन्टरों को प्रतिबंधित करने संबंधी आदेश जारी किये गये हैं। उक्त आदेश का उल्लंघन करने की दशा में संबंधित के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 तथा अन्य सुसंगत अधिनियमों के अंतर्गत दण्डात्मक कार्यवाही की जावेगी। यह आदेश गुना जिले की संपूर्ण राजस्व सीमा क्षेत्रातर्गत समस्त व्यक्तियों पर प्रभावशील होगा। उक्त आदेश तत्काल प्रभाव से दिनांक 08 अप्रैल 2025 से 07 जून 2025 तक की अवधि के लिए प्रभावशील रहेगा।

चेतना साधना शिविर के समापन अवसर पर किया गया कन्या पूजन

सत्ता सुधार ■ गुना

चैत्र नवरात्रि के अवसर पर चेतना समूह द्वारा आयोजित 23वें विशेष साधना शिविर का समापन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। शिविर के नवम दिवस पर मां सिद्धिदात्री की पूजा-अर्चना तथा कन्या पूजन संपन्न हुआ। शिविर के मार्गदर्शक दिनेश अग्रवाल ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में बताया कि नवमी तिथि मां जगदंबा के नौवें स्वरूप सिद्धिदात्री को समर्पित होती है। यह देवी भक्तों को सिद्धि, मोक्ष, यश, बल, ऐश्वर्य और समृद्धि प्रदान करती हैं। ग्रंथों में वर्णित अणिमा, महिमा, प्राप्ति, प्रकाम्य, गरिमा, लघिमा, ईशित्व और वशित्व ङ्क इन आठ सिद्धियों की अधिष्ठात्री देवी मां सिद्धिदात्री हैं। उन्होंने कहा कि मां की कृपा से ही भगवान शंकर का अर्ध शरीर देवी स्वरूप हो गया था, जिसे अर्धनारीश्वर के रूप में जाना जाता है। शास्त्रों के अनुसार देवी की आराधना से देवी-देवताओं को भी सिद्धियां प्राप्त हुईं। शिविर के अंतिम दिन सभी साधकों ने कन्या

पूजन कर शक्ति की प्रतीक कन्याओं का सम्मान किया। साधकों ने नौ दिनों तक नियम, संयम और निष्ठा से साधना की, जिसका सकारात्मक प्रभाव उनके जीवन में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। अंतिम दिवस पर साधकों ने शिविर के दौरान हुए आध्यात्मिक और मानसिक परिवर्तनों को साझा किया। समूह संरक्षक पवन अग्रवाल ने सभी साधकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह शिविर सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लाने वाला सिद्ध होगा। उन्होंने सभी को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और कहा कि गुरुदेव का स्नेह व आशीर्वाद सदा बना रहे। चेतना साधक विकास जैन ह्वह्य बताया कि चेतना समूह द्वारा प्रति वर्ष की भांति इस बार भी नवरात्रि में विशेष साधना शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुड़कर आत्मिक लाभ अर्जित कर रहे हैं।

स्कूल से निकाले गए छात्र और अधूरी सड़क निर्माण की शिकायतें पहुंची कलेक्टर दरबार तक

गुना। जिला मुख्यालय पर आयोजित जनसुनवाई में मंगलवार को नागरिकों ने अपनी समस्याएं लेकर कलेक्टर कार्यालय का रुख किया। इस दौरान शिक्षा और अधूरे विकास कार्यों से जुड़ी दो अहम शिकायतें सामने आईं, जिनमें एक छात्र ने स्कूल से निकाले जाने की बात कही, वहीं दूसरी शिकायत अधूरी सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने दर्ज कराई। पहली शिकायत शहर के नदी मोहल्ला निवासी मोहम्मद हमजा द्वारा की गई, जो क्राइस्ट स्कूल का कक्षा 11वीं का छात्र है। हमजा ने कलेक्टर को दिए आवेदन में बताया कि रमजान और घरेलू व्यस्तताओं के कारण समय पर फीस जमा नहीं हो सकी, जिसकी वजह से उसे स्कूल से निकाल दिया गया। छात्र के अनुसार, न सिर्फ उसे स्कूल से बाहर किया गया, बल्कि अनुक्रमांक भी हटा दिया गया, जिससे उसका भविष्य अधर में लटक गया है। हमजा का कहना है कि वह नर्सरी से लेकर अब तक उसी स्कूल में पढ़ता आ रहा है।

अब हर महीने गुना में लगेगा लोकायुक्त जनसुनवाई शिविर, भ्रष्टाचार की शिकायतों पर होगी त्वरित कार्रवाई

गुना। भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई को और अधिक सुलभ और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से लोकायुक्त संगठन ने गुना में नियमित जनसुनवाई शिविर शुरू करने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में सर्किट हाउस में आयोजित पहले जनसुनवाई शिविर में टीम ने तीन अलग-अलग भ्रष्टाचार से जुड़ी शिकायतें दर्ज कीं।

इन शिकायतों की प्राथमिक जांच के बाद विधिवत जांच और कार्रवाई की जाएगी। लोकायुक्त टीम के अधिकारियों ने बताया कि ग्वालियर मुख्यालय से गुना की दूरी अधिक होने के कारण आम नागरिकों को शिकायत दर्ज कराने में परेशानी होती थी। इसीलिए निर्णय लिया गया है कि अब हर महीने के दूसरे मंगलवार को गुना में लोकायुक्त जनसुनवाई शिविर आयोजित किया जाएगा। इसके तहत नागरिक सीधे अपनी शिकायतें दर्ज करवा सकेंगे, जिन पर अनिवार्य रूप से कार्रवाई की जाएगी। शिविर के दौरान आई

शिकायतों में एक मामला किसी विभागीय अधिकारी पर रिश्वत मांगने, एक में फाइल अटकाने के एवज में धन लेने और एक अन्य में विकास कार्यों में अनियमितता का आरोप शामिल था। अधिकारियों ने बताया कि सभी मामलों में तथ्यों की जांच कर संबंधित अधिकारियों या कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। लोकायुक्त टीम ने बताया कि उनका उद्देश्य भ्रष्टाचार के मामलों को गंभीरता से लेकर जनता को त्वरित न्याय दिलाना है। साथ ही, यह भी कहा कि लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रत्येक जनसुनवाई के दौरान भ्रष्टाचार निरोधी उपायों की जानकारी भी दी जाएगी। जनसुनवाई शिविर की पहल से गुना के नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी, जो पहले शिकायत दर्ज कराने के लिए ग्वालियर या भोपाल जैसे दूरस्थ स्थानों पर जाने को मजबूर थे। अब वे स्थानीय स्तर पर ही लोकायुक्त के समक्ष अपनी बात रख सकेंगे। जनसुनवाई शिविरों से भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों पर शिकंजा कसने की प्रक्रिया तेज होगी और साथ ही आमजन में सरकारी तंत्र के प्रति विश्वास भी मजबूत होगा।

प्रदर्शनी गुलाब की खेती जिले के किसानों के लिए आय का सशक्त माध्यम बन रही है

गुलाब प्रदर्शनी का भव्य आयोजन, पॉलीहाउस में उगाए गए गुलाब बने आकर्षण का केंद्र

सत्ता सुधार ■ गुना

कलेक्टर कार्यालय गुना में जनसुनवाई कक्ष के बाहर उद्यानिकी विभाग, जिला गुना द्वारा गुलाब प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में जिले के प्रगतिशील किसानों द्वारा पॉलीहाउस में उगाए गए विभिन्न किस्मों के उच्च गुणवत्ता वाले गुलाबों का प्रदर्शन किया गया, जो उपस्थित किसानों, अधिकारियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों के लिए आकर्षण का केंद्र बने। इस अवसर पर कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने प्रदर्शनी की सराहना करते हुए कहा कि गुलाब की खेती जिले के किसानों के लिए आय का सशक्त माध्यम बन रही है। उन्होंने बताया कि पॉलीहाउस में आधुनिक तकनीक के माध्यम से उत्पादित गुलाब न केवल स्थानीय बाजार बल्कि जयपुर, इन्दौर जैसे बड़े शहरों में भी भेजे जा रहे हैं और कुछ धार्मिक स्थलों पर भी इनकी आपूर्ति की जा रही है।

कलेक्टर ने कहा कि गुना जिले में गुलाब की खेती की अपार संभावनाएं हैं और जिले को फूल उत्पादन में अग्रणी बनाने की दिशा में यह एक सराहनीय पहल है। उन्होंने निर्देशित किया कि इस तरह की प्रदर्शनियाँ समय-समय पर आयोजित की जाती रहें, जिससे किसानों को प्रेरणा मिले और

तकनीकी जानकारी भी प्राप्त हो सके। उपसंचालक उद्यानिकी केपीएस किरार ने बताया कि गुलाब की खेती के लिए जिले की जलवायु अनुकूल है तथा विभाग की सहायता से अब कई किसान पॉलीहाउस तकनीक अपनाकर अच्छी आय प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन, 50 प्रतिशत अनुदान सहायता एवं बाजार सम्पर्क उपलब्ध कराया जा रहा है। श्री किरार ने यह भी बताया कि आने वाले समय में विभाग का लक्ष्य जिले के प्रत्येक ब्लॉक में कम से कम 2 मॉडल पॉलीहाउस यूनिट स्थापित करना है, जिससे स्थानीय स्तर पर प्रेरणा मिल सके। इस अवसर पर अपर कलेक्टर अखिलेश जैन, डिप्टी कलेक्टर जिया फातिमा, एसडीएम शिवानी पांडे, मंजूषा खत्री, अन्य विभागों के जिला अधिकारीगण, प्रगतिशील किसान तथा मीडिया प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। उद्यानिकी विभाग, जिला गुना द्वारा आयोजित यह प्रदर्शनी जिले में उन्नत पुष्प खेती की दिशा में एक प्रेरणादायी कदम है, जो कृषकों को आत्मनिर्भर और आयवर्धक बनाने की दिशा में सहायक सिद्ध होगा।

भगवान महावीर स्वामी जन्म कल्याणक महोत्सव 10 अप्रैल को

गुना। सकल दिगम्बर जैन समाज गुना द्वारा भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव 10 अप्रैल को आर्यिका प्रशममति माताजी ससंघ सानिध्य में बड़े ही श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर विविध धार्मिक व सेवा गतिविधियों का आयोजन किया गया है। महोत्सव का शुभारंभ प्रातः 6 बजे बड़े मंदिर से प्रभात फेरी के साथ होगा। 6ः30 बजे सभी जिनालयों में अभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न की जाएगी। इसके पश्चात प्रातः 8ः15 बजे श्रीजी की पालकी शोभायात्रा बड़े मंदिर से प्रारंभ होकर पंडा जी चौराहा, वतासा गली, निचला बाजार, सदर बाजार, ज्योति स्तंभ चौराहा, लक्ष्मीगंज, नई सड़क होते हुए पुनः बड़े मंदिर पहुंचेगी। शोभायात्रा उपरांत प्रातः 10ः30 बजे श्रीजी का अभिषेक व शांतिधारा की जाएगी। प्रातः 11 बजे सेवा भारती में भोजन कराया जाएगा। दोपहर 2 बजे गौशाला में गायों को रोटी व हरि घास खिलाई जाएगी। शाम 5ः30 बजे वृद्धाश्रम में भोजन, फल व वस्त्र वितरण (वीर शासन ग्रुप द्वारा) किया जाएगा। रात्रि 7ः30 बजे 64 दीपकों से भक्ति आराधना की जाएगी। समिति ने सभी श्रद्धालुओं से अनुरोध किया है कि शोभायात्रा में चरण पादुका न पहनें, पुरुष सफेद वस्त्र व महिलाएं पीली साड़ी में सम्मिलित हों।

इस तरह शुरू करें अपना पोल्ट्री फार्म और करें खूब कमाई

भारत में पोल्ट्री फार्मिंग के लिए मुख्य और सबसे महत्वपूर्ण बात एक उपयुक्त भूमि का चयन करना है। और यह इस व्यवसाय का सबसे महंगा हिस्सा है। वाणिज्यिक पोल्ट्री उत्पादन स्थापित करने के लिए, यदि आपके पास अपनी खुद की भूमि है तो बेहतर होगा।

भारत में पोल्ट्री फार्मिंग एक बहुत ही लाभदायक व्यवसाय है। विश्व स्तर पर, भारत अंडा उत्पादन में दुनिया में तीसरे और चिकन मांस उत्पादन में दुनिया में पांचवें स्थान पर है। यद्यपि उत्पादन मुख्य रूप से व्यावसायिक साधनों के माध्यम से प्राप्त किया जाता है, लेकिन ग्रामीण पोल्ट्री क्षेत्र भी भारतीय पोल्ट्री उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान देता है। कोई भी व्यक्ति पोल्ट्री का बिजनेस शुरू कर सकता है। हालांकि पोल्ट्री बिजनेस को शुरू करने से पहले उचित योजना और प्रबंधन की आवश्यकता होती है। तो चलिए जानते हैं कि कैसे शुरू करें पोल्ट्री का व्यवसाय

उपयुक्त स्थान चुनना

भारत में पोल्ट्री फार्मिंग के लिए मुख्य और सबसे महत्वपूर्ण बात एक उपयुक्त भूमि का चयन करना है। और यह इस व्यवसाय का सबसे महंगा हिस्सा है। वाणिज्यिक पोल्ट्री उत्पादन स्थापित करने के लिए, यदि आपके पास अपनी खुद की भूमि है तो बेहतर होगा। भूमि का क्षेत्र उन पक्षियों की संख्या पर निर्भर करता है जिन्हें आप पालना चाहते हैं। पोल्ट्री फार्मिंग के लिए जगह चुनते समय कुछ बातों का खास ध्यान रखें। मसलन, ग्रामीण क्षेत्रों में पोल्ट्री फार्मिंग करें क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि और श्रम अपेक्षाकृत सस्ते हैं। शोर मुक्त और शांत जगह का चयन करें। कोशिश करें कि जगह प्रदूषण मुक्त हो। साथ ही भूमि का चयन करते समय पर्याप्त मात्रा में ताजे और साफ पानी का एक बड़ा स्रोत सुनिश्चित करें। इतना ही नहीं, उस स्थान से शहर में परिवहन व्यवस्था पर भी ध्यान दें और अगर आपके द्वारा चुने गए स्थान के पास ही मार्केट हो तो काफी अच्छा रहेगा। इससे आपका परिवहन का व्यय काफी हद तक बच जाएगा।

वित्त व्यवस्था करना

जमीन खरीदने से लेकर मुर्गी पालन तक आपको काफी खर्चा करना पड़ेगा। इसलिए पहले आप वित्त व्यवस्था की ओर ध्यान दें। अगर आपके पास जमा पूंजी है, तो ठीक है, अन्यथा आप बैंक लोन के बारे में भी विचार कर सकते हैं। वर्तमान में बैंक पोल्ट्री फार्मिंग के लिए लोन प्रदान करते हैं।

मुर्गियों का चयन

पोल्ट्री फार्मिंग में सबसे मुख्य कदम होता है मुर्गियों का चयन करना। दरअसल, आपको पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि मुर्गी पालन के जरिए आप किस तरह आमदनी करना चाहते हैं। मसलन, आप अंडे बेचना चाहते हैं या मीट। अगर आप अंडे उत्पादन करके उन्हें बेचना चाहते हैं तो इसके लिए द्यथभद्दन-मुर्गी का चयन करें। वहीं अगर आप मीट बेचकर पैसे कमाने के इच्छुक हैं तो उन्धद्वद्यद्दन्प मुर्गियों को पालना अच्छा रहेगा।

मुर्गी के लिए घर तैयार करना

इसके बाद बारी आती है मुर्गियों के लिए घर तैयार करने की। हालांकि यह जमीन खरीदने जैसा महंगा भी नहीं है। पोल्ट्री पक्षियों के लिए एक अच्छा घर बनाने के कई तरीके हैं। हमेशा यह सुनिश्चित करें कि घर या पिंजरे पर्याप्त और विशाल हो ताकि पक्षियों को उसमें किसी तरह की परेशानी ना हो। उनके पिंजरे में उचित वेंटिलेशन सिस्टम बनाएं। घर के अंदर पर्याप्त मात्रा में ताजी हवा और प्रकाश का प्रवाह सुनिश्चित करें। यदि आप बड़े पैमाने पर व्यावसायिक उत्पादन करना चाहते हैं तो कई घर बनाएं और एक घर से दूसरे घर की दूरी कम से कम 40 फीट रखें। घर को हमेशा साफ और ताजा रखें। और चूजों को खेत में लाने से पहले अच्छी तरह साफ कर लें। इसके अलावा घर के अंदर एक उपयुक्त जल निकासी व्यवस्था बनाएं। यह आपको घर को आसानी से साफ करने में मदद करेगा।

भोजन

अगर आप चाहते हैं कि आपका बिजनेस अच्छा चले तो आपको मुर्गियों का सही तरह से ख्याल रखना होगा। अच्छे और उच्च गुणवत्ता वाले पौष्टिक भोजन कमर्शियल पोल्ट्री उत्पादन के लिए जरूरी है। भारत में कई पोल्ट्री फीड उत्पादक कंपनियां उपलब्ध हैं। वे सभी प्रकार के पोल्ट्री पक्षियों के लिए फीड का उत्पादन करते हैं। आप अपने पक्षियों के लिए उन भोजन का उपयोग आसानी से कर सकते हैं। विभिन्न प्रकार के पोल्ट्री रोगों के कारण हजारों किसान भारी नुकसान का सामना करते हैं। इसलिए, हमेशा अपने पक्षियों की अच्छी देखभाल करें और उन्हें पौष्टिक भोजन और स्वच्छ पानी प्रदान करें। उनका समय पर टीकाकरण करें और कुछ सामान्य और आवश्यक दवाओं का भंडारण करके रखें।

मार्केटिंग

पोल्ट्री फार्मिंग बिजनेस का आखिरी और सबसे मुख्य स्टेप है मार्केट की तलाश करना। इसके लिए आप सबसे पहले अपने लोकल मार्केट में कस्टमर ढूंढे। विभिन्न दुकानों पर आपके अंडे और मीट बिक सकते हैं। अगर आपको अपने काम के लिए बाजार अपने आसपास ही मिल जाता है तो इससे आपका परिवहन खर्च बच जाएगा और आपकी आमदनी अधिक होगी।

महिलाओं की हर समस्या का उपचार करती हैं स्त्री रोग विशेषज्ञ ऐसे बनाएं इसमें कॅरियर

स्त्री रोग विशेषज्ञ को विद्वम होना चाहिए। साथ ही उनका कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छा होना चाहिए, ताकि वह रोगी की छोटी सी छोटी समस्या को सुनकर उसका समाधान कर सकें। कई बार महिलाएं झिझक के कारण अपनी समस्या के बारे में बात नहीं करतीं, ऐसे में आपके पास आकर उन्हें कंफर्टेबल फील हों।

जब भी व्यक्ति को किसी तरह की स्वास्थ्य समस्या होती है तो वह डॉक्टर के पास ही जाता है। लेकिन शरीर की विभिन्न तरह की स्वास्थ्य समस्याओं के लिए आज के समय में एक अलग डॉक्टर होता है, जो उस क्षेत्र का विशेषज्ञ होता है। वह व्यक्ति की परिस्थिति का गहराई से अध्ययन करके उसका एकदम सही उपचार करता है। ऐसी ही एक शाखा है गायनेकोलॉजी। गायनेकोलॉजिस्ट को स्त्री रोग विशेषज्ञ भी कहा जाता है, जो महिलाओं की विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का उपचार करती हैं। तो चलिए जानते हैं किस तरह बनें स्त्री रोग विशेषज्ञ

क्या होता है काम

स्त्री रोग विशेषज्ञ महिला अंगों और प्रजनन प्रणाली के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों से संबंधित चिकित्सा विज्ञान की शाखा में विशेषज्ञ हैं। पेशेवरों के रूप में, स्त्री रोग विशेषज्ञ महिलाओं के स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करते हैं, महिलाओं के लिए एक प्राथमिक चिकित्सक और अन्य चिकित्सकों के परामर्शदाता के रूप में कार्य करते हैं। उन्हें

प्रजनन प्रणाली में रोगों और विकारों के निदान और उपचार के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। स्त्री रोग विशेषज्ञ गर्भावस्था, यौन स्वास्थ्य और बांझपन या प्रजनन कैंसर जैसी गंभीर प्रजनन समस्याओं के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्त्री रोग विशेषज्ञ का काम महिला जननांग, मूत्र और मलाशय के अंगों से संबंधित बीमारी और मुद्दों की पहचान करना है, रोगी को ठीक करना है और यदि आवश्यक हो, तो विकार को ठीक करने या रोगग्रस्त अंग को हटाने के लिए आवश्यक चिकित्सा सहायता या सर्जरी करते हैं।

योग्यता

स्त्री रोग विशेषज्ञ बनने के लिए, उम्मीदवारों को एमडी (डॉक्टर ऑफ मेडिसिन)/ एमएस (मास्टर ऑफ सर्जरी)/ डीएनबी (डिप्लोमेट ऑफ मेडिसिन) या स्त्री रोग (डीजीओ) में डिप्लोमा कोर्स करना पड़ता है। इसके अलावा करीबन साढ़े चार साल का एमबीबीएस प्रोग्राम और एक साल की इंटर्नशिप करने के बाद आप गायनेकोलॉजी में पोस्टग्रेजुएट कर सकते हैं। पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम्स (एमडी/ एमएस/ डीएनबी) आमतौर पर 3 साल की अवधि के होते हैं। स्त्री रोग (डीजीओ) पाठ्यक्रम में डिप्लोमा 2 वर्ष की अवधि का है।

एग्रीकल्चर में भी हैं कॅरियर की अपार संभावनाएं

एग्रीकल्चर फील्ड में प्रोफेशनली कदम रखने के लिए आपको इस क्षेत्र से संबंधित कोर्स करना होगा। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए छात्र विभिन्न तरह के कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर आप डिप्लोमा, बैचलर व मास्टर कोर्स कर सकते हैं।

आमतौर पर युवा मानते हैं कि कृषि के क्षेत्र में कॅरियर का कोई स्कोप नहीं है। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। कृषि सबसे बड़े उद्योगों में से एक है और देश भर में रोजगार का एक अच्छा स्रोत है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि की भी अहम भूमिका है और इसलिए इस क्षेत्र में करियर की कई संभावनाएं देखी जा सकती हैं। एग्रीकल्चर साइंस एक मल्टीडिसिप्लनरी फील्ड है, जिसमें विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक, तकनीकी और व्यावसायिक विषय शामिल हैं। यह कृषि-खाद्य उद्योग और गुणवत्तापूर्ण भोजन के कुशल उत्पादन को बढ़ावा देता है। कृषि क्षेत्र में बागवानी, खेत प्रबंधन, व्यवसाय और उद्योग शामिल हैं जो कृषि उत्पादों की खरीद और प्रक्रिया करते हैं, कृषि मशीनरी, बैंकिंग गतिविधियों का निर्माण करते हैं, गुणवत्ता और कृषि उत्पादों की मात्रा में सुधार के लिए रिसर्च आदि करते हैं। अगर आप भी खेती से जुड़ी बारीकियों को जानना चाहते हैं और बेहतर उत्पादन के जरिए देश की सेवा करना चाहते हैं तो एग्रीकल्चर में कॅरियर बना सकते हैं। तो चलिए जानते हैं विस्तार से इसके बारे में

कोर्स व योग्यता

एग्रीकल्चर फील्ड में प्रोफेशनली कदम रखने के लिए आपको इस क्षेत्र से संबंधित कोर्स करना होगा। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए छात्र विभिन्न तरह के कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर आप डिप्लोमा, बैचलर व मास्टर कोर्स कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आप एग्रीकल्चर के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषिविज्ञान, बागवानी, फ्लोरीकल्चर, कृषि अर्थशास्त्र, फॉरेस्टी, एग्रीकल्चर जेनेटिक्स, हीड्रोपोनिक्स, वीड साइंस, कृषि एंटोमोलॉजी, कृषि माइक्रोबायोलॉजी, सॉइल साइंस और कृषि रसायन आदि में स्पेशलाइजेशन भी कर सकते हैं। इस क्षेत्र में बैचलर कोर्स में दाखिला लेने के लिए छात्रों को किसी भी मान्यता प्राप्त स्कूल या बोर्ड से जीव विज्ञान, गणित और भौतिकी विषयों के साथ 12वीं में पास होना अनिवार्य है।

एडमिशन

छात्र राष्ट्रीय, राज्य और विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से कृषि पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवार अपनी 12वीं की शिक्षा पूरी करने के बाद इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। हालांकि कुछ कॉलेज योग्यता परीक्षा की मेरिट सूची के आधार पर प्रवेश भी देते हैं। वर्तमान में, कृषि क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवर की मांग अधिक है। कृषि क्षेत्र में कोर्स करने के बाद, आप सरकारी के साथ-साथ निजी संगठनों में भी नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं। कृषि स्नातक उम्मीदवारों के लिए नौकरी के विभिन्न अवसर उपलब्ध हैं। एग्रीकल्चर की पढ़ाई करने के बाद आप बागवानी, डेयरी और पोल्ट्री फार्मिंग में नौकरी के अवसर प्रदान करते हैं। इस क्षेत्र में स्वरोजगार के अवसर भी उपलब्ध हैं। इस क्षेत्र में स्नातक पूरा करने और कुछ अनुभव के बाद, आप अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं जैसे कृषि फर्म, कृषि उत्पाद की दुकान, कृषि उद्योग, आदि। एग्रीकल्चर में स्नातकोत्तर की डिग्री पूरी करने के बाद, आप पर्यवेक्षक, वितरक, शोधकर्ता और इंजीनियर के रूप में काम कर सकते हैं।

वेतन और पे-स्केल

एग्रीकल्चर क्षेत्र स्मार्ट और मेहनती लोगों को एक अच्छा वेतन पैकेज देता है। भारत में कई सरकारी और निजी उद्योग कृषि इच्छुक लोगों को अच्छे वेतन पैकेज प्रदान करते हैं। बीएससी (कृषि) स्नातक के रूप में, आप आसानी से भारत में प्रति वर्ष लगभग 3 से 4 लाख कमा सकते हैं।

अक्षरा सिंह को नहीं लोगों की परवाह, कहा- एक ही जिंदगी है, खुलकर जियो

अक्सर कोई काम करते वक्त लोग चार लोगों का ख्याल रखते हैं। चार लोग यानी समाज। सामान्य लोग नहीं, बल्कि फिल्मी हस्तियों को भी इस बात की चिंता सताती है कि चार लोग क्या कहेंगे? मगर, अक्षरा सिंह अब इससे आगे निकल चुकी हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी जिंदगी का फलसफा शेयर किया है, जो दूसरों के भी काम आ सकता है। अक्षरा ने बताया कि अब उन्हें चार लोगों की परवाह नहीं।

अक्षरा ने बताया कि अब उन्हें चार लोगों की परवाह नहीं। अक्षरा सिंह ने वीडियो शेयर किया है। ब्लू कलर के आउटफिट में वे काफी स्टाइलिश लुक में नजर आ रही हैं। काला चश्मा चढ़ाते हुए वे तेवर दिखा रही हैं। वीडियो में लिखा है, चार लोग क्या कहेंगे अब उससे डर नहीं लगता, डर तो ये है कि उन चार लोगों को मैं कुछ न कह दूं। इसके साथ अक्षरा ने कैप्शन लिखा है, क्या बोलती पब्लिक? एक ही जिंदगी है खुल के जियो और जीने दो।

यूजर्स ने जताई सहमति

अक्षरा सिंह के इस पोस्ट पर यूजर्स के रिएक्शन नजर आ रहे हैं और अभिनेत्री का यह जीवन मंत्र सभी को काम का लग रहा है। अधिकांश यूजर्स ने अक्षरा की बात पर सहमति जताई है। एक यूजर ने लिखा, अक्षरा भोजपुरी इंडस्ट्री में वाइल्ड फायर हैं। एक अन्य यूजर ने लिखा, खुलकर जियो और दूसरों को भी कुछ न बोलो, तब भी लोग जीने नहीं देते हैं दीदी। एक यूजर ने लिखा, शेरनी।

निरहुआ के साथ आएंगी नजर

अक्षरा के वर्क फंट की बात करें तो उन्होंने साल 2010 में फिल्म सत्यमेव जयते से भोजपुरी इंडस्ट्री में डेब्यू किया। इस फिल्म में रवि किशन लीड रोल में नजर आए। अदाकारी के साथ-साथ अक्षरा अपनी सुरीली आवाज के दम पर भी इंडस्ट्री में राज कर रही हैं। अक्षरा सिंह की आगामी फिल्म चार फेरे सात वचन है, जिसमें वे दिनेश लाल यादव निरहुआ के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी।

शोभिता धुलिपाला के हाथ लगा बड़ा रोल, फिल्म में फहद फासिल की भी एंट्री

शोभिता धुलिपाला ने कई हिंदी, तेलुगु, मलयालम और तमिल फिल्मों में काम किया है, जिनमें गुडाचारी से लेकर मेजर, पोन्नियिन सेलवन 1, पोन्नियिन सेलवन 2 और द नाइट मैनेजर जैसी फिल्में और सीरीज शामिल हैं। अब वही शोभिता एक और अनाम तमिल फिल्म के लिए कमर कस रही हैं, जिसमें उनके साथ कई अभिनेताओं की टुकड़ी नजर आएगी।

शोभिता का मिली बड़ी फिल्म

एक खबर के मुताबिक, शोभिता धुलिपाला तमिल मशहूर डायरेक्टर पा. रंजीत की नई फिल्म में महत्वपूर्ण किरदार में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में दिनेश मुख्य अभिनेता होंगे और आर्या विलेन का किरदार निभाएंगे। अभी इस फिल्म का नाम तय नहीं हुआ है, लेकिन इसमें अशोक सेलवन और फहाद फासिल जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

शोभिता का करियर

शोभिता धुलिपाला एक भारतीय सुपरमॉडल, पूर्व मिस अर्थ इंडिया और अभिनेत्री हैं, जिन्होंने हिंदी, मलयालम, तमिल और तेलुगु फिल्मों में काम किया है। शोभिता ने इकोनॉमिक्स में मास्टर्स की डिग्री ली है। मॉडलिंग से शोभिता ने अपना करियर शुरू किया था। 2013 में उन्होंने मिस इंडिया अर्थ का खिताब जीता था। शोभिता को 2016 में बॉलीवुड फिल्म रमन राघव 2.0 में अभिनय किया।

शोभिता की शादी

शोबिता धुलिपाला ने साउथ अभिनेता नागा चैतन्य से शादी की है। हालांकि, यह चै की दूसरी शादी है। चै की पहली शादी साउथ अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु से हुई थी। सामंथा से तलाक के बाद ही नागा ने शोभिता से दूसरी शादी की है।

एक बड़े बजट की कॉमेडी ट्राइलॉजी के लिए साथ आए कार्तिक आर्यन और करण जौहर

कार्तिक आर्यन और करण जौहर एक बार फिर साथ काम करने के लिए तैयार हैं, और इस बार, वे निर्माता महावीर जैन के साथ एक महत्वाकांक्षी कॉमेडी ट्राइलॉजी के लिए साथ आ रहे हैं। हाल ही में कार्तिक और करण ने रोमांटिक कॉमेडी तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी की शूटिंग शुरू की थी, और अब यह जोड़ी एक हाई-कॉन्सेप्ट फिल्म के लिए साथ आ रही है, जो हंसी, सरप्राइज और शानदार विजुअल्स से भरपूर होगी। पिंकविला की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रोजेक्ट का निर्देशन फुकरे फ्रेंचाइजी के निर्देशक मृगदीप सिंह लांबा करेंगे। इस प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने खुलासा किया, मृगदीप सिंह लांबा लंबे समय से इस हाई-कॉन्सेप्ट कॉमेडी पर काम कर रहे हैं, और इसे एक ट्राइलॉजी के रूप में बनाया जा रहा है, जिसमें कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका निभाएंगे। करण को यह कॉन्सेप्ट बेहद पसंद आया और उन्होंने तुरंत इस प्रोजेक्ट को बड़े पर्दे के लिए प्रोड्यूस करने के लिए हामी भर दी। इस स्क्रिप्ट में हर वर्ग के सिनेमा प्रेमियों से जुड़ने की क्षमता है। फिल्म फिलहाल प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है, और टीम इसकी भव्यता और विजुअल अपील पर काम कर रही है ताकि इसे एक अनोखा सिनेमाई अनुभव बनाया जा सके। फिल्म की अवधारणा को लेकर सूत्र ने आगे बताया, यह सिर्फ एक कॉमेडी से कहीं बढ़कर है, क्योंकि मेकर्स इसे बड़े स्केल और शानदार विजुअल्स के साथ दर्शकों को चौंकाने के इरादे से बना रहे हैं। फिलहाल फिल्म की प्री-प्रोडक्शन प्रक्रिया चल रही है और यह सितंबर 2025 में फ्लोर पर जाएगी। प्रोजेक्ट के पैमाने को देखते हुए, निर्माता 2026 में रिलीज़ की उम्मीद कर रहे हैं। इस सहयोग से कार्तिक आर्यन की फिल्मोग्राफी में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होने की उम्मीद है, क्योंकि वह लगातार खुद को एक बहुमुखी कलाकार के रूप में स्थापित कर रहे हैं, खासकर कॉमेडी शैली में। करण जौहर के लिए भी यह फिल्म उनके बैनर धर्मा प्रोडक्शंस के तहत एक और रोमांचक प्रोजेक्ट साबित होगी, जहां वह कॉमेडी जॉनर को एक नए दृष्टिकोण से एक्सप्लोर कर रहे हैं। वहीं, मृगदीप सिंह लांबा के निर्देशन में, जो पहले भी दर्शकों को पसंद आने वाली एंटरटेनिंग फिल्में दे चुके हैं, इस फिल्म से काफी उम्मीदें लगाई जा रही हैं। जैसे-जैसे इस प्रोजेक्ट को लेकर उत्सुकता बढ़ रही है, दर्शक इसकी स्टारकास्ट, कहानी और मेकर्स द्वारा पेश किए जाने वाले सरप्राइज से जुड़ी अधिक जानकारी का इंतजार कर रहे हैं।

ट्रोलिंग से अब कोई फर्क नहीं पड़ता

सारा अली खान को अक्सर अपनी प्रोफेशनल लाइफ और पर्सनल लाइफ को लेकर ट्रोल किया जाता है। एक्ट्रेस ने हाल ही में सोशल मीडिया ट्रोलिंग को लेकर बात की। उनका मानना है कि नेगेटिविटी को सिर्फ मेडिटेशन से ही कम किया जा सकता है। सारा अली खान ने बातचीत के दौरान सवाल किया गया कि वह सोशल मीडिया ट्रोलिंग को कैसे डील करती हैं और उससे कैसे डील करती हैं? सारा ने ट्रोलिंग को लेकर बात करते हुए कहा, मुझे मेरे धर्म को लेकर भी ट्रोल्स किया जाता है, लोग कहते हैं कि तुम मुस्लिम हो और हिंदू मंदिरों में जाती हो। लेकिन मुझे अब इन सब बात से फर्क पड़ना बंद हो गया है। मुझे ट्रोलिंग से डील करने में सबसे ज्यादा हेल्प मेडिटेशन करता है। मुझे मेडिटेशन से यह पता चलता है कि क्या रियल है और क्या नहीं। मेरे लिए समस्या कभी भी ट्रोलिंग नहीं थी, मेरा यह सोचना था कि मैं ही सबसे अच्छी हूं। अब, मैंने यह सोचना ही बंद कर दिया है। सारा ने आगे कहा, 'मैं एक एक्टर के रूप में अभी भी टॉप पर नहीं हूं। कुछ लोग कुछ कलाकारों को पसंद करते हैं, और कुछ को नहीं। एक एक्टर के रूप में मुझे अभी काफी लंबा सफर तय करना है। अभी एक लंबी लाइफ है, अभी काफी कुछ करना है।'

केसरी 2 में दिग्गज वकील सी. शंकरन नायर के किरदार में दिखेंगे अक्षय कुमार

अक्षय कुमार की हिस्टोरिकल ड्रामा फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' का ट्रेलर जारी हो गया है। जलियांवाला बाग में हुए नरसंहार पर आधारित इस फिल्म में अक्षय दिग्गज वकील सी. शंकरन नायर के किरदार में दिखेंगे। यहां जानिए कौन हैं सी शंकरन नायर। 11 जुलाई 1857 को जन्मे शंकरन नायर ने 1877 में मद्रास प्रेसीडेंसी कॉलेज से आर्ट की डिग्री ली और मद्रास लॉ कॉलेज से कानून की पढ़ाई पूरी की। 1880 में शंकरन नायर ने मद्रास हाईकोर्ट से अपनी वकालत शुरू की। 1887 में शंकरन नायर को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया। 13 अप्रैल 1919 को जब जलियांवाला बाग में भीषण नरसंहार हुआ और अंग्रेजों ने देशवासियों पर गोलीबारी की तब शंकरन नायर शिक्षा मंत्री और वायसराय की कार्यकारी परिषद में एकमात्र भारतीय प्रतिनिधि थे। यह घटना शंकरन नायर के जीवन में सबसे अहम मोड़ लेकर आई। इसके बाद उन्होंने वायसराय की कार्यकारी परिषद से इस्तीफा दे दिया। अंग्रेजों ने इस घटना के तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश किया था। इसके बाद शंकरन नायर ने अंग्रेजों की इस क्रूरता को उजागर करने की ठानी। उन्होंने अदालत में अंग्रेज सरकार के विरुद्ध अकेले लड़ाई लड़ी। नायर ने कोलोनियल ऑफिसर पर अपनी प्रशासनिक शक्तियों का गलत इस्तेमाल करने और अत्याचार बढ़ाने का आरोप लगाया।

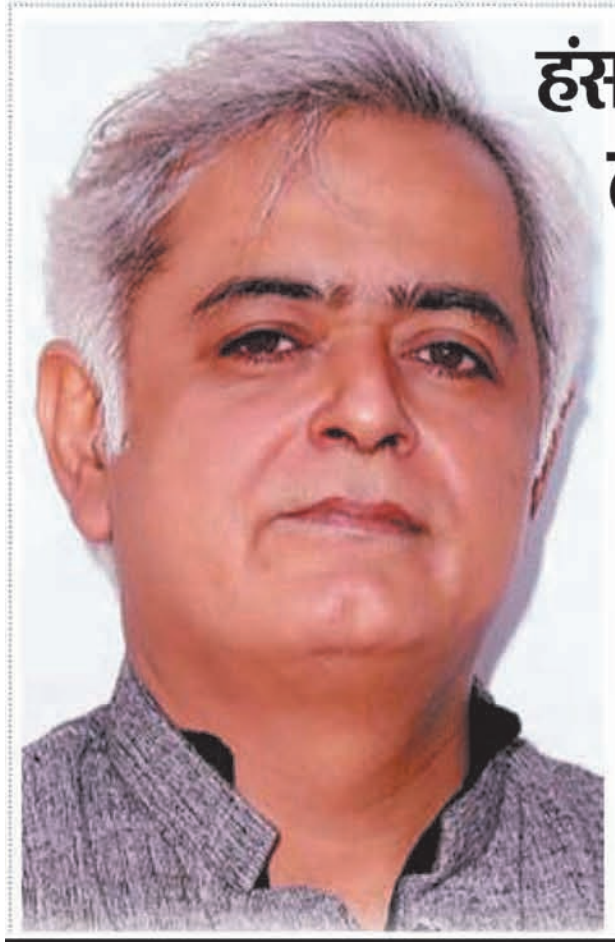

हंसल मेहता ने बांधे कंगना की तारीफों के पुल

अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत और फिल्म मेकर हंसल मेहता के बीच बीते दिनों सोशल मीडिया पर कहासुनी हुई। दरअसल, स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा की महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद दोनों आमने-सामने आए। दोनों के फैंस भी आपस में भिड़े। अब इस पूरे मामले के कुछ दिन बाद ही हाल ही में हंसल मेहता ने कंगना की दिल खोलकर तारीफ की है। दरअसल, हंसल मेहता विवादित टिप्पणी मामले में कुणाल कामरा का बचाव करते दिखे। इसके बाद नेटिजन्स ने उन्हें ट्रोल करना शुरू किया और पूछा कि जब कंगना के दफ्तर पर बुलडोजर चला था तब वे कहां थे? इस पर हंसल मेहता ने कहा, क्या उनके घर तोड़फोड़ हुई थी, क्या गुंडे उनके घर में घुसे थे? क्या उन्होंने उनकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को चुनौती देने या कथित एफएसआई उल्लंघन के लिए ऐसा किया? कृपया मुझे इसके बारे में बताए। शायद मैं तथ्य नहीं जानता। इस पर कंगना रनौत ने हंसल मेहता को जवाब दिया और याद दिलाया कि उन्हें भी आपत्तिजनक शब्द बोले गए थे।

कैमरे के सामने उनका जादू चलता है

कंगना से सोशल मीडिया पर तकरार के कुछ दिनों बाद हाल ही में हंसल मेहता ने अभिनेत्री की दिल खोलकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि वे कंगना की प्रतिभा के कायल हैं। हंसल मेहता ने कहा कि वे कंगना के कायल हैं। वे उनकी स्क्रीन प्रिजेंस को पहचानते हैं। हंसल मेहता ने माना कि कैमरे के सामने कंगना की उपस्थिति जादुई होती है। हंसल मेहता ने इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में यह कहा। हंसल ने कहा, मैं उनकी अदाकारी का कायल हूं। मैं उनकी प्रतिभा का वर्णन नहीं कर सकता, बस कैमरा उनसे प्यार करता है। यहां तक कि वे भी नहीं जानतीं कि वे कैमरे के सामने क्या जादू कर सकती हैं।

सिमरन में किया है साथ काम

हंसल मेहता ने कंगना को लेकर आगे कहा, हमारी बनती नहीं थी, हमारी नहीं बनी, होता है। मेरी अपनी एक्स वाइफ के साथ भी नहीं बनी। लेकिन वे मुझसे बेहतर इंसान हैं। हंसल मेहता ने कंगना रनौत के साथ फिल्म सिमरन (2017) में काम किया है। उन्होंने इस फिल्म का निर्देशन किया। फिल्म निर्माता ने एक बार घोषणा की थी कि कंगना के साथ फिल्म करना उनकी भारी गलती थी। फिल्म के निर्माण के बाद हंसल और कंगना के बीच अनबन हो गई थी। हालांकि, इस टिप्पणी के बाद भी उन्होंने कंगना की तारीफ की थी। अब सोशल मीडिया पर हुई कहा-सुनी के बाद भी वे कंगना की तारीफों के पुल बांधते दिखे हैं।

फिल्म फौजी में प्रभास के साथ नजर आ सकती है दिशा पाटनी

पैन इंडिया स्टार प्रभास इन दिनों अपनी कई आगामी फिल्मों को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इसी बीच उनकी एक और फिल्म फौजी को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। इस फिल्म में प्रभास की जोड़ी उनकी फिल्म कल्कि 2898 एडी की एक अभिनेत्री के साथ नजर आएगी। एक खबर के मुताबिक, फौजी एक एक्शन ड्रामा फिल्म होगी। फौजी में प्रभास और दिशा पाटनी एक साथ नजर आ सकते हैं। इस फिल्म से पहले प्रभास और दिशा की जोड़ी को प्रशंसकों ने कल्कि 2898 एडी में खूब पसंद किया था। बहरहाल, इस फिल्म का आधिकारिक नाम अभी तक तय नहीं हुआ है, तब तक इस फिल्म का संभावित नाम फौजी है।
वैसे इस फिल्म में दो अभिनेत्रियों के होने की बात सामने आई है, जिसमें इमानवी इस्माइल का नाम पहले से ही शामिल है और अब उनके अलावा इस फिल्म में दूसरी मुख्य अभिनेत्री के तौर पर दिशा पाटनी का नाम शामिल हो गया है।

बहरहाल, अभी तक निर्माताओं की ओर से इस फिल्म की स्टार कास्ट को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

ब्रीफ न्यूज

जहरीली पनीर फैक्ट्री पर कड़ी कार्यवाही की मांग को लेकर पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

सीहोर । सीहोर के समीपस्थ पिपलिया मीरा गांव स्थित जय श्री गायत्री फूड प्रॉडक्ट्स प्रालि और मिल्क मैजिक पनीर फैक्ट्री प्रबंधन की मनमानियों और अनियमितताओं के विरोध में सर्वब्राह्मण समाज सीहोर के पूर्वजिला उपाध्यक्ष पंकज शर्माने सीहोर पुलिस अधीक्षक दीपक शुक्ला से मुलाकात कर उनको एक ज्ञापन सौंपकर इस फैक्ट्री पर कड़ी कार्यवाही किए जाने की मांग की । इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए पंकज शर्माने बताया कि सीहोर के समीपस्थ पिपलिया मीरा गांव स्थित जय श्री गायत्री फूड प्रॉडक्ट्स प्रालि और मिल्क मैजिक पनीर फैक्ट्री प्रबंधन शुरू से ही अनियमितताएं करने में लिप्त है और इसके द्वारा लगातार कानूनों का उल्लंघन किया जा रहा है । पंकज शर्माने कहा कि इन सभी अनियमितताओं के बावजूद अब तक जिला प्रशासन द्वारा इस पर कोई भी मामला दर्जना किया जाना आश्चर्य और दुर्भाग्यपूर्णहै । पंकज शर्माने जिला प्रशासन से निराश होकर अब सीहोर पुलिस अधीक्षक दीपक शुक्ला से इन सभी अनियमितताओं और मनमानियों के लिए इसके प्रबंधन और मालिक पर रासुका और देशद्रोह की धाराओं में मामला दर्जकर कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग की है । पंकज शर्माने सनातन धर्मके साथ ही सीहोर नगर के अस्तित्व को बचाने की इस लड़ाई में सभी सनातन धर्मावलंबियों से शामिल होने का आव्हान करते हुए इस नवरात्रि और हिंदनववर्षपर सभी से इस जहरीली पनीर फैक्ट्री को सीहोर से उखाड़ फेंकने का संकल्प लेने की अपील की है ।

सेहरिया आदिवासी की जमीन पर 10 साल से दबंग का कब्जा

अशोक नगर। सरकार आदिवासी हितैषी होने के लाख दावे करे, लेकिन,वे दावे तब धरे के धरे रह जाते हैं,जब गरीब मजलूम आदिवासी की जमीन पर दबंग भू-माफियाओं द्वारा दबंगई के चलते जबरन कब्जा किए जाने के मामले सामने आते हैं, और शिकायत के बाद भी,कार्रवाई में देरी होने, दबंगों की धमकी सुनकर वह हताश,निराश होने लगता है। इसी तरह का एक मामला जिले की पिपरई तहसील अंतर्गत ग्राम भटोली में सामने आया है,जहां सेहरिया आदिवासी की जमीन पर गांव के दबंग द्वारा पिछले 10 साल से जबरन कब्जा किया गया है। और कब्जा हटाने की बोलने पर जान से मारने की धमकी देता है। मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान आवेदक बल्ला पुत्र कसिया आदिवासी निवासी ग्राम भटोली ने कलेक्टर को शिकायती आवेदन देकर कब्जाधारियों से जमीन मुक्त कराए जाने की गुहार लगाई है। आवेदक ने बताया कि ग्राम भटौली स्थित उसकी भूमि सर्वे नंबर 53/3/2 रकवा 0.627 हेक्टेयर है।जिस पर पिछले 10 साल से गांव के परमाल सिंह पुत्र भगवान सिंह यादव द्वारा कब्जा कर रखा है, आवेदक जब भी अपनी भूमि के संबंध में उक्त लोगों से बात करता है, तो वह लोग जान से मारने की धमकी देते हैं,आवेदक का जाति से सेहरिया होने के कारण उक्त लोग नजायज परेशान कर आवेदक की भूमि के सारे दस्तावेजों में भी इंद्राज होने के पश्चात भी आवेदक को उसकी भूमि से 10 साल से वे-दखल कर रहे हैं।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आमजन को दिलाई जा रही है जल संरक्षण की शपथ

जल स्त्रोतों के जीर्णोद्धार के लिए किए जा रहे हैं अनेक कार्य

सत्ता सुधार ■ सीहोर

राज्य शासन के निदेर्शानुसार प्रदेश के साथ ही सीहोर जिले मे 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले भर में जल संरक्षण से संबंधित अनेक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान के तहत आमजन को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए दीवार लेखन, जागरूकता रैली, पोस्टर बैनर, ग्राम सभाएं सहित अनेकों गतिविधियां

संचालित की जा रही हैं। अभियान के तहत जिले के कोलार बांध के डाउन स्ट्रीम में जंगल सफाई का कार्य किया जा रहा है। ग्राम वहीदगंज, सिराड़ी, जामली, मगरखेड़ा, रायपुरा, धोबीखेड़ी, निपानिया, सेमरादांगी, भीलखेड़ी सड़क सहित अनेक ग्रामों में कंप मरंम्मत, तालाब जीर्णोद्धार, डैम की साफ-सफाई सहित अनेक कार्य किए जा रहे हैं तथा नागरिकों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई जा रही है। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन से संबंधित खेत, तालाब, अमृत सरोवर, परकोलेशन टैंक, डगवेल, तालाब जीर्णोद्धार, जनभागीदारी के कार्य, कंप एवं बाउंड्री मरम्मत के कार्य किए जा रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रमुख उद्देश्य जनभागीदारी से जल संरक्षण तथा संवर्धन सुनिश्चित करना है। इस अभियान के अन्तर्गत समाज की भागीदारी तथा और विभिन्न सहयोगी विभागो की समेकित पहल से मुख्यत जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण, भूजल संवर्धन, पूर्व से मौजूद जल संग्रहण संरचनाओं की साफ सफाई एवं जीर्णोद्धार करना है। इसके साथ ही जल स्त्रोत में प्रर्दषण कम करना, साफ सफाई करना, पौधरोपण के कार्य किए जा रहे हैं। इसके साथ ही जल संरक्षण एवं जागरूकता के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

श्री सिदेश्वर महादेव मंदिर के पास नगर परिषद कार्यालय निर्माण का विरोध

कांग्रेस महासचिव ने लोगों के साथ तहसील पहुँचकर दिया ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

श्री सिदेश्वर महादेव मंदिर के पास शासकीय जमीन पर मंदिर निर्माण के विरोध में दर्जनों लोग सड़क पर उतरे एक दिन पहले वीडियो जारी कर सोशल मीडिया के माध्यम से प्रदेश कांग्रेस महासचिव पूर्व लोकसभा प्रत्याशी राव यादवेंद्र सिंह यादव द्वारा लोगों से मंदिर भूमि बचाने और ज्ञापन में शामिल होने की अपील की गई थी मंगलवार को सिद्धेश्वर महादेव मंदिर से एक रैली के रूप में हाथ मे मंदिर बचाओ की तख्तियां लेकर दर्जनों लोग एसडीएम कार्यालय पहुँचे जहां पर मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को एक ज्ञापन सौपा ज्ञापन में बताया गया कि यह मंदिर न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है बल्कि यहां प्रतिदिन पूजा-अर्चना के साथ-साथ विभिन्न धार्मिक आयोजन भी होते रहते हैं। मंदिर परिसर में सैकड़ों छायादार और फलदार वृक्ष थे, जिन्हें नगर परिषद द्वारा बिना किसी विधिक अनुमति के कटवा दिया गया। इसके साथ ही मंदिर परिसर से सटे भूखंड पर नगर परिषद कार्यालय के निर्माण कार्य की शुरुआत कर दी गई है।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि श्री सिदेश्वर महादेव मंदिर का उल्लेख पुराने शासकीय दस्तावेजों में भी मिलता है और यह स्थान नगर में धार्मिक आयोजनों जैसे शिवरात्रि, भागवत कथा, यज्ञ आदि के लिए एकमात्र उपयुक्त स्थल है। हजारों की संख्या में श्रद्धालु इन आयोजनों में शामिल होते हैं। ज्ञापन में कहाँ कि अगर यह निर्माण कार्य नहीं रोका गया तो मंदिर की पवित्रता और परिसर की मर्यादा नष्ट हो जाएगी। कांग्रेस महासचिव ने चेतावनी दी कि यदि आगामी सात दिवस में निर्माण कार्य नहीं रोका गया, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। साथ ही मामले की सुनवाई नहीं होती तो वह हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट भी जाएंगे। ज्ञापन देने वालों में मध्य प्रदेश कांग्रेस के महासचिव एवं पूर्व लोकसभा प्रत्याशी यादवेंद्र सिंह यादव, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष नरेन्द्र शर्मा नोवी, कांग्रेस नेता गणेश सोनी, कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष कन्हैयाराम लोधी, कांग्रेस वरिष्ठ नेता इसराक खान गदूली, शोभाराम राजपूत, ओम सवैया सहित अनेक कांग्रेस नेता व स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

इटारसी में ब्लड हेल्प ग्रुप को मिला अंतर्राष्ट्रीय सम्मान

अशोकनगर। विगत कई वर्षों से समाज सेवा में समर्पित नगर के जागरूक युवाओं का दल अशोकनगर ब्लड हेल्प ग्रुप जो कि हर परिस्थिति में जरूरतमंदों की हर संभव मदद के लिए हमेशा तत्पर रहता है,इस ग्रुप को हाल ही में इटारसी में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय रक्तवीर सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया। मध्य प्रदेश रक्तदान सेवा ग्रुप इटारसी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय रक्तवीर सम्मान 2025 का आयोजन कविवर पं.भवानी प्रसाद मिश्र ऑडिटोरियम हाल इटारसी में आयोजित किया गया,जिसमें देश-प्रदेश के अलावा विदेश से आए समाजसेवी व्यक्ति एवं समाजसेवी संस्थाओं का सम्मान किया गया,जिसमें नगर के ब्लड हेल्प ग्रुप को सम्मानित किया गया। देश विदेश से आए समाजसेवियों ने ग्रुप के कार्यो की सराहना की कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री डॉ.सीतासरन शर्मा जी पूर्व विधानसभा अध्यक्ष (म.प्र.) वर्तमान विधायक इटारसी,मुख्य अतिथि दर्शन सिंह चौधरी जी सांसद नर्मदापुरम नरसिंहपुर संसदीय क्षेत्र,पंकज चौरे जी न.पा.अध्यक्ष इटारसी,श्री डॉ.आर.के. चौधरी जी अधीक्षक डी.एस.पी.एम.,डॉ.अभिषेक अग्रवाल जी शिशु रोग विशेषज्ञ इटारसी,श्री आशीष अरोरा जी संस्थापक म.प्र. रक्तदान सेवा ग्रुप इटारसी के अलावा बड़ी संख्या में गणमान्य उपस्थित रहे।

भाजपा सरकार के संरक्षण में सौरभ शर्मा को मिली जमानत पर कांग्रेस ने जमकर किया विरोध प्रदर्शन

सत्ता सुधार ■ सीहोर

परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा को जमानत मिलने का कांग्रेस पार्टीलगातार विरोध कर रही है। प्रदेश कांग्रेस के निदेर्शानुसार जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती की उपस्थिति में बहु चर्चित परिवहन घोटाले का सरगना भ्रष्टाचारी सौरभ शर्माको विगत् दिनों जमानत दिए जाने के विरोध में कोतवाली चौराहे पर मुख्यमंत्री का पुतला दहन कर भाजपा सरकार के विरोध में गगन भेदी नारों के साथ विरोध प्रदर्शन किया। कि सौरभ शर्मा की ज़मानत भारतीय जनता पार्टीके भ्रष्टाचार को संरक्षित करने की राजनीति को उजागर करती हैं। इस मौके पर उपस्थित मीडिया को जिला अध्यक्ष राजीव गुजराती ने बताया कि भाजपा के भ्रष्टाचार के विरोध प्रदर्शन से जब-जब भाजपा प्रदेश सरकार डरती है तब-तब पुलिस प्रशासन को आगे करती है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष निशांत वर्मा, नेता प्रतिपक्ष विवेक राठौर, प्रीतम दयाल चौरसिया, सुनील दुबे, डॉ.अनीस खान, ओम बाबा राठौर, जसवीर सिंह खनूजा, के.के.रिछारिया, तुलसी राजकुमार राठौर, भगत सिंह तोमर, पंकज शर्मा, कपिल गौर, जय सिंह भारती, चीनू ठाकुर, आसिफ अंसारी, सईद लाला मंसूरी, लखन मेवाड़ा, राहुल ठाकुर, विनीत गोयल, मनीष मेवाड़ा, पियूष मालवीय, गजरात परमार, तनिष्क त्यागी, यश यादव, अभिषेक लोधी, आशीष कौशल, अजय मेवाड़ा, शुभम त्यागी, विजय वर्के, राहुल गोस्वामी, दिग्विजय सिंह, अभिषेक लोधी, विमल परमार सहित ब्लाक कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दबंगों के कब्जे से जमीन मुक्त कराने कलेक्टर से लगाई गुहार

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

मुंगावली तहसील के ग्राम गुढा टांका के आदिवासी परिवारों ने अपनी कृषि भूमि पर दबंगों के अवैध कब्जे को हटाने की मांग को लेकर जिलाधीश को ज्ञापन सौंपा है। आदिवासी परिवारों ने न्याय की गुहार लगाते हुए कहा कि वे वर्षों से अपनी ही जमीन से बेदखल हैं और अब उनके सामने जीवन यापन का संकट खड़ा हो गया है।

पीड़ितों में लक्ष्मण पुत्र हल्का आदिवासी, दयाराम, श्रीपाल, मांगीलाल, भागीरथ, हरवी बाई और ईदल आदिवासी सहित कई अन्य ग्रामीण शामिल हैं। उन्होंने बताया कि उनके पास शासन द्वारा पट्टे पर दी गई कुल 115 बीघा कृषि भूमि है, लेकिन पिछले 20 से 25 वर्षों से गांव के कपूर सिंह, पर्वत सिंह, कृपाल सिंह, जहेंदर और परमाल सिंह नामक दबंगों ने इस भूमि पर जबरन कब्जा कर रखा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि जब भी वे अपनी जमीन पर खेती करने या कब्जा मुक्त कराने का प्रयास करते हैं, तो उन्हें धमकाया जाता है और मारपीट कर भगा दिया जाता है। दबंगों ने यहां तक कह दिया है कि यदि वे दोबारा जमीन पर गए तो उन्हें गांव से ही बाहर निकाल दिया जाएगा। पीड़ितों ने जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी से मामले में हस्तक्षेप कर अवैध कब्जा हटाने और उन्हें उनकी जमीन दिलवाने की मांग की है। उन्होंने यह भी बताया कि पूर्व में कई बार प्रशासन से शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ह्यह्यअब देखना यह होगा कि प्रशासन इन गरीब और वंचित आदिवासी परिवारों की मदद के लिए क्या कदम उठाता है और उन्हें न्याय कब तक मिल पाता है।

पलकाटोरी में ग्रामीणों का फूटा आक्रोश, आंदोलन की चेतावनी

अशोकनगर। ग्राम पंचायत आवरी माफी के अंतर्गत आने वाले ग्राम पलकाटोरी के ग्रामीणों ने वर्षों से लंबित सड़क समस्या को लेकर प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही गाँव के पास मौजूद लेकिन वर्षों से बंद पड़े बायपास मार्ग को चालू नहीं किया गया, तो वे सामूहिक रूप से धरना-प्रदर्शन करेंगे। ग्रामीणों का कहना है कि गाँव के बीच से होकर भारी वाहनों का तेज रफ्तार ट्रैफिक गुजरता है, जिससे हर वक्त दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। अब तक कई हादसे हो चुके हैं, लेकिन प्रशासन ने इस गंभीर मुद्दे पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

खाटूश्याम की भजन सांध्या आज इंग्लिश पुरा में होगा भन्य आयोजन

सीहोर। शिव शक्ति संस्कृतिक मंडल के द्वारा बुधवार शाम इंग्लिशपुरे में खाटू श्याम भजन सांध्या का आयोजन किया गया है। भव्य भजन सांध्या में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी अखिलेश राय सम्मिलित होकर बाबा खाटुश्याम की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। श्रद्धालुओं के द्वारा बाबा खाटूश्याम का दरबार सजाया जाएगा अखंड जोत जलाई जाएगी। श्याम सेवा ट्रस्ट जिलाध्यक्ष शिव शक्ति संस्कृतिक मंडल के अध्यक्ष हिंदुत्व समिति उपाध्यक्ष भाजपा नेता मनोज शर्माने बताया की सिंधी कॉलोनी हनुमान मंदिर त्यागी धर्मशाला के सामने कार्यक्रम रात 8 बजे शुरू हो जाएगा। खाटू श्याम भजन गायक सचिन चेतन गुप्ता, मोहित सोनी और गिरिराज सिंह भजनों की प्रस्तुत देंगे। इंग्लिशपुरा,सिंधी कॉलोनी सहित वार्डनंबर 6 के समस्त भाजपा कार्य कर्ताओं नागरिकों महिलाओं युवाओं श्रद्धालुओं ने बाबा खाटुश्याम के भक्तों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

वनकर्मियों ने मुख्यमंत्री को दिया सीहोर में होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन का आमंत्रण

सीहोर। राजधानी भोपाल पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को वन कर्मियों ने सीहोर में होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन का आमंत्रण पत्र दिया। अखिल भारतीय वन अधिकारी महासंघ मध्य प्रदेश वन वन्य प्राणी संरक्षण कर्मचारी संघ के द्वारा आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में देश के अनेक राज्यों से राष्ट्रीय पदाधिकारी और वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी सम्मिलित होंगे। अखिल भारतीय वन अधिकारी महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चेतन कुमार आर्य ने मुख्यमंत्री के समक्ष कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत कर 10 अप्रैल गुरूवार को शहर के यशराज मैरिज गार्डन में होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होने का अग्रह किया। कार्यक्रम में वन राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार,राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा,प्रभारी मंत्री कृष्णा गौर,सांसद आलोक शर्मा विधायक सुदेश राय आष्ठा विधायक गोपाल इंजीनियर, बुधनी विधायक रमाकांत भार्गव भी सम्मिलित होंगे।

ज्ञापन आवास व भूमि पट्टों की समस्या, आरक्षण और जातिगत जनगणना जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया

विभिन्न जन समस्याओं को लेकर सपा ने सौंपा 12 सूत्रीय ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

जिले में व्याप्त विभिन्न जन समस्याओं को लेकर समाजवादी पार्टी ने सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम 12 सूत्रीय ज्ञापन जिलाधीश को सौंपा। पार्टी ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की प्रमुख समस्याओं के समाधान की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का निराकरण शीघ्र नहीं हुआ, तो पार्टी आंदोलन का मार्ग अपनाएगी। पार्टी के जिलाध्यक्ष मनोज जैन के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में आगजनी से हुई फसल क्षति, पेयजल संकट, बिजली कटौती, आवास व भूमि पट्टों की समस्या, आरक्षण और जातिगत जनगणना जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। मनोज जैन ने बताया कि तहसील

बहादुरपुर के ग्राम झागर बमुरिया में आग लगने से नष्ट हुई करीब 1200 बीघा गेहूं की फसल के लिए प्रति बीघा 35,000 रुपए मुआवजे की मांग की गई है। साथ ही जिले के हर गांव में असिंचित भूमि को सिंचित करने के लिए दो सरकारी ट्यूबवेल लगाए जाने, गौचर भूमि से अतिक्रमण हटाने और आवारा पशुओं को गौशालाओं में भेजने की मांग भी ज्ञापन में की गई।

ज्ञापन में ग्राम हिनोतिया और ढेंकन में व्याप्त गंभीर पेयजल संकट, ग्राम गुपलिया में खराब ट्रांसफार्मर, ग्राम पारसौल हाई स्कूल में बाउंड्रीवाल की कमी और ग्रामीण इलाकों में अनघोषित बिजली कटौती को लेकर भी चिंता जताई गई। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली के चलते हो रहे पलायन पर भी पार्टी ने चिंता व्यक्त की है। इसके अलावा पारसौल बस स्टैंड पर गति अवरोधक लगाने, पिछड़े वर्ग के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने और जातिगत जनगणना कराने की भी मांग की गई है। मुंगावली तहसील के वार्ड 15 रामनगर में रह रहे लगभग 100 आदिवासी परिवारों को न आवास मिला है न भूमि का पट्टा, इस मुद्दे को भी प्रमुखता से उठाया गया। ग्राम ककरुआ राय में बिजली व पानी की सुविधा न होने के बावजूद नियमित बिल भेजे जाने को लेकर भी ग्रामीणों की नाराजगी ज्ञापन में दर्ज की गई। मनोज जैन ने कहा कि यदि इन जनहितैषी मांगों पर शीघ्र अमल नहीं हुआ, तो समाजवादी पार्टी आंदोलन के लिए बाध्य होगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

राष्ट्रीय गौ सेवा परिषद ने की एक नई पहल 2000 गायों के गले मे पहनाये रेडियम बेल्ट

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

राष्ट्रीय गौ सेवा परिषद ने एक नई पहल शुरू की है जिसके तहत सड़को पर बैठी लावारिस गायों के गले मे रेडियम पट्टी पहनने का काम शुरू किया है 7 राष्ट्रीय गौ सेवा के सदस्य अभिषेक मोहरी द्वारा बताया गया है की हमारी टीम के सदस्यों द्वारा सहयोग एकत्रित कर गौ माता को पहनने रेडियम बेल्ट मगाये गए है. हम करीब 100 दिन तक यह पहल चलेयेंगे और कम से कम 2 हजार गायों को रेडियम बेल्ट पहनायेगे. इन बेल्टो पर वाहनों की लाइट पड़ती है तो वो चमकने लगते है जिससे वाहन चालक को यह पता चल जाता है की सामने कोई मवेशी है. वह अपने वाहन को धीमा कर लेता है. ताकि सडक पर वैठी गाय दुर्घटना का शिकार होने से बच सके. जिले मे इन दिनों बड़ी संख्या मे गाय सड़को पर घूम रही है जिसकी वजह से जगह जगह सड़क हादसे का शिकार हो जाती है और वहुत सी जगहों पर गायों की मौत हो जाती है. सड़क पर गायों की संख्या बढ़ने से दुर्घटना के मामले ज्यादा बढ़ गए जिसका असर यह है की रात के समय गाय के गले मे रेडियम पट्टी दूर से चमकने लगती है सदस्य सोनू धनोरिया, सुमित ओझा, परम राजपूत, दीपक चंदौरिया, रवि वंशकार, आकाश पटेल, कालू भाई, आदि टीम उपस्थित रहती है।

ब्रीफ न्यूज

ऑटो रिक्शा से आए बदमाशों ने सड़क पर खड़ी कार पर किया पथराव

इंदौर। बाणगंगा इलाके में बदमाशों ने कई वाहनो में तोड़फोड़ की। घटना रविवार-सोमवार दरमियानी रात की है। जिसका सीसीटीवी मंगलवार को सामने आया है। डीसीपी ने मामले में आरोपियों पर कार्रवाई की के आदेश दिए हैं। जानकारी के मुताबिक बाणगंगा पुलिस ने इस मामले में शिकायती आवेदन लिया है। बाणगंगा इलाके के रेवती रेंज में रविवार रात ऑटो रिक्शा से आए बदमाशों ने इलाके में खड़ी गाड़ियों में पथराव किया। बताया जाता है कि यहां बदमाशों को रहवासियो ने नशा करने से रोका था। इसके बाद उन्होंने वारदात को अजांम दिया। रहवासियों ने बताया कि बदमाशों ने इलाके में खड़ी दो कार, ऑटो रिक्शा और लोडिंग वाहनों में भी तोड़फोड़ की है। घटना की जानकारी पर रहवासियों ने डॉयल 100 पर शिकायत की। इस दौरान पुलिस के जवान भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने थाने आकर शिकायत की बात कही। मामले में बाणगंगा पुलिस ने शिकायती आवेदन लेकर जांच की बात कही है। मंगलवार को जब मामले में सीसीटीवी वायरल हुए तो डीसीपी हंसराज सिंह ने मामले में एफआईआर करने के साथ उनकी पहचान कर सख्त कार्रवाई की बात कही है।

सुमतिनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक निकली प्रभात फेरी

इंदौर। दिगंबर जैन समाज की तीन प्रमुख संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को सुबह प्रभात फेरी आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, छत्रपति नगर से निकली। श्री जी को रजत पालकी में विराजित कर आसपास के क्षेत्रों में भ्रमण कराया गया व पुनः जैन मंदिर पर पहुंचे। पुरुष सफेद एवं महिलाएं केसरिया परिधान में पालकी यात्रा में भक्ति नृत्य करते हुए चल रही थी। प्रभु के जयघोष के साथ पूरा क्षेत्र गूंजायमान हो रहा था। समाज के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी एवं प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि भगवान आदिनाथ से महावीर जयंती तक निकलने वाली इस 20 दिवसीय प्रभात फेरी को शहर के विभिन्न - विभिन्न जिनालयों से प्रतिदिन निकाला जा रहा है। इस पुरानी परंपरा को पिछले वर्ष से ही पुनः चालू किया गया है। आज इस प्रभात फेरी में उक्त क्षेत्रों के समाज श्रेष्ठियों के साथ सोशल ग्रुप परवार के दंपति सदस्य भी बड़ी संख्या में चल रहे थे। छत्रपति नगर मंदिर प्रांगण पर मुकेश पाटोदी, एम के जैन, राजकुमार पाटोदी, सुशील पांड्या ,राकेश विनायका, प्रदीप चौधरी अजय जैन मिंटा, भूपेंद्र जैन, हेमंत मोदी ने ध्वजारोहण किया। छत्रपति नगर जैन समाज द्वारा स्वर्ण सारथी बने मुकेश-चंदन बालाजी पाटोदी का सम्मान किया गया। इस अवसर पर जितेंद्र जैन, संजय पापड़ीवाल, देवेंद्र सोगानी, विपुल बांझल, अनिल जैन, अरुण जैन,दिलीप लुहाडिया, कमल जैन, रितेश पाटनी, सतीश जैन, डीके जैन, पवन सिंघई, मनीष जैन सहित छत्रपति नगर के सभी महिला / बहू मंडल के सदस्य भी बहुत अधिक संख्या में उपस्थित थे। सतीश जैन ने बताया कि बुधवार को प्रातः प्रभात फेरी सुबह 6ः45 पर मोदीजी की नसिया, चंद्र प्रभु जिनालय, बीस पंथी मंदिर होते हुए राम शाह मंदिर पहुंचेगी।

भोपाल-दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस में सत्ता सुधार समाचार पढ़ते यात्री पाठक।

हफ्ते में तीन दिन चलेगी, महू-इंदौर-नई दिल्ली ट्रेन का नया टाइम टेबल जारी

इंदौर-जयपुर स्पेशल ट्रेन मई से चलने की संभावना

सत्ता सुधार ■ इंदौर

इंदौर से राजस्थान जाने वाले यात्रियों को रेलवे ने एक नई सौगात देते हुए सप्ताह में तीन दिन सीधे जयपुर के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की थी। रेलवे ने इसका टाइम टेबल भी जारी कर दिया है, लेकिन ट्रेन की शुरुआत की तारीख अभी तक तय नहीं हुई है। अब जानकारी सामने आई है कि रेलवे मई माह से इस ट्रेन का संचालन शुरू करने पर विचार कर रहा है।

रेलवे सूत्रों के मुताबिक, यह ट्रेन मई के पहले हफ्ते से शुरू की जा सकती है। गौरतलब है कि इस ट्रेन की मांग पिछले साल रेल अधिकारियों की मीटिंग में की गई थी, जिसे अब जाकर पूरा किया जा रहा है।

रेलवे द्वारा जारी शेड्यूल के मुताबिक, यह स्पेशल ट्रेन इंदौर से हर सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को शाम 7ः20 बजे रवाना होगी। ट्रेन रतलाम, चित्तौड़गढ़, चंदेरिया और अजमेर होते हुए जयपुर पहुंचेगी। जयपुर में 10 मिनट रुकने के बाद यह ट्रेन सुबह 7ः30 बजे खातीपुरा स्टेशन पहुंचेगी।

वापसी का रूट और समय

खातीपुरा से यह ट्रेन हर मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को शाम 7 बजे रवाना होगी और अगले दिन सुबह 8ः30 बजे इंदौर पहुंचेगी। वापसी में भी ट्रेन अजमेर, चंदेरिया, चित्तौड़गढ़ और रतलाम से होकर गुजरेगी।

महू-इंदौर-नई दिल्ली के बीच 15 अप्रैल से शुरू होने वाली नई ट्रेन का संशोधित टाइम टेबल पश्चिम रेलवे ने जारी कर दिया है। अब महू से यह ट्रेन दोपहर 3ः30 बजे चलकर 3ः50 बजे इंदौर पहुंचेगी और शाम 4ः00 बजे दिल्ली के लिए रवाना होगी। ट्रेन को महू से इंदौर पहुंचने में 20 मिनट लगेंगे। पहले जारी किए गए टाइम टेबल में ट्रेन का महू से इंदौर 10 मिनट में पहुंचना बताया गया था, जिसे लेकर रेलवे एक्सपर्ट्स ने सवाल उठाए थे। इस ट्रैक की तकनीकी क्षमता इतनी नहीं है कि ट्रेन 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल सके। इसके बाद रेलवे ने संशोधित टाइम टेबल जारी किया।

नया शेड्यूल यह रहेगा

- ट्रेन संख्या 20155ः्महू से दोपहर 3ः्30 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 4ः्25 बजे दिल्ली पहुंचेगी।
- ट्रेन संख्या 20156ः्दिल्ली से रात 11ः्25 बजे रवाना होकर दोपहर 12ः्50 बजे महू पहुंचेगी।
- वापसी मार्ग में यह ट्रेन इंदौर, देवास, उज्जैन, नागदा, भवानीमंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, भरतपुर, मथुरा, पलवल और निजामुद्दीन होते हुए दिल्ली पहुंचेगी।
- ट्रेन दिल्ली से 14 अप्रैल और महू से 15 अप्रैल से शुरू की जाएगी।

पुलिस ने कार रोकी तो निकली 45 पेटी बीयर

सत्ता सुधार ■ इंदौर

आजाद नगर में सोमवार रात पुलिस ने एक सायरन लगी कार से 45 पेटी बीयर जब्त की है। जब्त बीयर की कीमत लाखों रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने कार से दो आरोपियों को हिरासत में लिया है, जो उज्जैन और इंदौर के रहने वाले हैं। आजाद नगर थाना प्रभारी विजय सिसौदिया को सूचना मिली थी कि उद्योग नगर क्षेत्र में एक संदिग्ध कार खड़ी है, जिसमें अवैध शराब लोड की जा रही है। रात में टीम जब मौके पर पहुंची, तो संदिग्ध कार तेजी से रवाना हो गई। पुलिस ने घेराबंदी कर कार को रोका। सायरन बजाकर कार चला रहे युवक खुद को बचाने की कोशिश कर रहे थे। जांच में कार से 45 पेटी बीयर बरामद हुई। दीपक पुत्र लखन चौरसिया, निवासी भोलाराम उस्ताद मार्ग, इंदौर, गौरव पुत्र योगेन्द्र सोलंकी, निवासी कृष्णा पार्क, उज्जैन से पूछताछ में दोनों ने बताया कि शराब पीथमपुर की एक पार्टी में डिलीवर किया जाना था। पुलिस अब वाइन शॉप संचालक मोहन ठाकुर से पूछताछ करेगी। मोहन ठाकुर का नाम पहले भी सामने आ चुका है, जब भंवरकुआं थाना क्षेत्र में लाल नंबर प्लेट वाली बोलेरो जीप से शराब पकड़ी गई थी।

गाड़ी में तमिलनाडु और गुजरात की नंबर प्लेटें

कार से गुजरात और तमिलनाडु की नंबर प्लेट भी मिली हैं। पुलिस को संदेह है कि इस गाड़ी का इस्तेमाल लगातार अवैध शराब की तस्करी में किया जा रहा था। आरोपी दीपक ने एक अन्य व्यक्ति का नाम भी बताया है, जिसने उसे यह गाड़ी दी थी। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी सायरन का इस्तेमाल जल्दी निकलने और पुलिस चेकिंग से बचने के लिए करते थे।

कांग्रेस ने किया अनोखा विरोध, घरों के बाहर बनाई सिलेंडर की रंगोली

सत्ता सुधार ■ इंदौर

केंद्र सरकार द्वारा घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम 50 रुपए बढ़ाए जाने के विरोध में कांग्रेस सेवादल ने इंदौर में अनोखा प्रदर्शन किया। सेवादल के कार्यकारी अध्यक्ष विवेक खंडेलवाल ने अपने घर के बाहर सिलेंडर की रंगोली बनाकर विरोध जताया। रंगोली पर लिखा गया–÷महंगाई की मार, मोदी सरकार÷। खंडेलवाल ने कहा कि मोदी सरकार लगातार जनता को महंगाई की सौगात दे रही है। एक तरफ उज्ज्वला योजना के तहत रियायती गैस देने की बात की जाती है, दूसरी तरफ हर कुछ महीनों में दाम बढ़ाकर आमजन पर बोझ डाला जा रहा है। खंडेलवाल ने कहा– मोदी सरकार उज्ज्वला योजना के नाम पर बहनों को गैस देने की बात करती है, लेकिन हर बार 50-50 रुपए की बढ़ोतरी करके यह साबित कर देती है कि यह सरकार पूरी तरह से महिला विरोधी है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता अब इंदौर के हर मोहल्ले में घरों के बाहर सिलेंडर की रंगोली बनाकर विरोध जताएंगे, ताकि जनता को बताया जा सके कि सरकार वोट लेकर महंगाई और बेरोजगारी थमा रही है।

8 अप्रैल से लागू होंगे नए रेट

घरेलू गैस सिलेंडर की नई कीमतें आज से लागू होंगी। इससे मध्यप्रदेश के प्रमुख शहरों में घरेलू एलपीजी महंगी हो जाएगी। भोपाल में 858, इंदौर में 881, ग्वालियर में 936, जबलपुर में 859 और उज्जैन में 912 में सिलेंडर मिलेगा। 8 मार्च 2024 को महिला दिवस पर मोदी सरकार ने सिलेंडर के दामों में 100 रुपए की कटौती की थी। लेकिन अब फिर से दाम बढ़ाकर जनता को झटका दिया गया है।

बीजेपी का जवाब : कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं

प्रदर्शन को लेकर बीजेपी नेताओं का कहना है कि सरकार पूरी तरह से जनहितैषी फैसले ले रही है। कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है, इसलिए वह झूठ फैलाकर लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रही है।

जनता को मिलने वाला लाभ छीना जा रहा है

कांग्रेस नेता विवेक खंडेलवाल ने कहा कि क्रूड ऑयल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार में घटी हैं, लेकिन पेट्रोल-डीजल सस्ते नहीं किए जा रहे। इससे जनता को मिलने वाला फायदा भी सरकार छीन रही है। पिछले साल क्रूड ऑयल 86 डॉलर प्रति बैरल था, अब वह घटकर 60 डॉलर हो गया है। लेकिन इसका फायदा जनता को देने की बजाय मोदी सरकार एक्साइज ड्यूटी बढ़ाकर खुद कमा रही है।

महावीर जन्म कल्याणक पर निकलेगी भव्य स्वर्ण रथ शोभायात्रा

सत्ता सुधार ■ इंदौर

भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक गुरुवार को दोपहर 2ः30 बजे विश्व प्रसिद्ध कांच मंदिर से दिगंबर जैन समाज की भव्य शोभायात्रा निकलेगी। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी एवं प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि इस वर्ष भी शोभायात्रा में स्वर्ण रथ के रजत सिंहासन पर प्रभु महावीर को विराजित किया जाएगा।

स्वर्ण रथ के सारथी बनने का सौभाग्य प्राप्त किया है, मुकेश-चंदन बालाजी पाटोदी परिवार ने। वे ही इस रथ को चलाएंगे। जुलूस शुभारंभकर्ता होंगे नवीन-शिवानी की गोधा और समन्वयक होंगे विनय बाकलीवाल। शोभा यात्रा में दो प्रसिद्ध बेंड- बाजों के साथ ही 7 घोड़े, 5 बग्घियां व सोशल ग्रुप व संगठनों की एक से बढ़कर एक झांकियां निकलेंगी। समाज के महामंत्री सुशील पांड्या और राकेश विनायका ने बताया कि इस यात्रा में शताधिक साधुओं के सम्मिलित होने की संभावना है। यात्रा में श्वेत वस्त्रों में पुरुष व केसरिया / लाल परिधान में महिलाएं शामिल होंगी। यात्रा के प्रमुख संयोजक प्रिंसपाल टोंग्या ने बताया कि शोभायात्रा की तैयारी पूरी हो चुकी है। यात्रा कांच मंदिर से लोहार पट्टी, मल्हारगंज गोरा कुंड , राजवाड़ा किशनपुरा, जवाहर मार्ग होते हुए पुनः कांच मंदिर पर पहुंचेगी। साधु संतों के प्रवचनों के पश्चात श्री जी के अभिषेक सूर्यास्त पूर्व शाम 6ः10 पर यही होंगे। पूरे समाज के आत्मिय सहभोज की व्यवस्था भी इतवारिया बाजार पर की गई है। एमके जैन, मनोहर झांझरी डीके जैन (डीएसपी), राजेंद्र सोनी, मनीष गंगवाल, देवेंद्र सोगानी, ऋषभ पाटनी, सतीश जैन, रितेश पाटनी, युवा प्रकोष्ठ के मधुर जैन, महिला प्रकोष्ठ की संगीता काला, आशीष जैन सूतवाला, संजय पापड़ीवाल, संजय जैन अहिंसा, निलेश कासलीवाल, मनीष जैन ने सभी समाजजनों से इस शोभायात्रा में सम्मिलित होने की अपील की है।

तापमान 40 डिग्री पार, 11 साल बाद बनी ऐसी स्थिति

राजस्थान-गुजरात से आ रही गर्म हवाओं का इंदौर पर असर

सत्ता सुधार ■ इंदौर

इंदौर में गर्म हवाओं की वजह से तापमान तेजी से बढ़ा है। सोमवार को दिन में गर्मी ने लोगों को हलाकान कर दिया। इस दौरान तापमान 40.6 (+3) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। खास बात यह कि 11 सालों बाद ऐसी स्थिति बनी है, जब अप्रैल की शुरुआत में पारा 40 डिग्री के पार पहुंचा है।

रात भी गर्म रही और तापमान 23.2 (+3) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक अगले चार-पांच दिन भी गर्मी के तेवर तीखे ही रहेंगे।

राजस्थान और गुजरात से आ रही गर्म हवाओं के कारण इंदौर में तपिश बढ़ गई है। 11 सालों बाद अप्रैल के पहले सप्ताह में इतनी गर्म शुरुआत हुई है। अब अप्रैल का दूसरा सप्ताह शुरू हो गया है और अगले दो-तीन दिन हीट वेव की स्थिति बने रहने की संभावना है। सोमवार को गर्मी का जनजीवन पर असर देखा गया। दोपहर 12 बजे से ही तेज धूप और लू का असर महसूस होने लगा था। अब इंदौर की रातें भी गर्म रहने लगी हैं।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन के मुताबिक, वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के प्रभाव से 11 अप्रैल को प्रदेश के कई शहरों में हल्की बारिश हो सकती है। हालांकि, उससे पहले तेज गर्मी का असर बना रहेगा। इंदौर में अगले चार-पांच दिन गर्मी का प्रभाव रहेगा।

40 साल में नहीं बनी चंदन नगर रिंग रोड, अब लिंक रोड बनाने की तैयारी

सत्ता सुधार ■ इंदौर

चंदन नगर से एरोड्रम रोड तक रिंग रोड नहीं बन पाने के कारण अधूरी रही। अभी भी भारी वाहन बड़ा गणपति क्षेत्र से गुजरते हैं। मास्टर प्लान में इस सड़क की चौड़ाई 200 फीट है। अब वहां इतनी बसाहट हो चुकी है कि इतनी चौड़ी सड़क बनाना संभव नहीं है। इसे देखते हुए नगर निगम ने रिंग रोड के बजाए अब चंदन नगर लिंक रोड बनाने का फैसला लिया है।

अब 200 फीट के बजाए 60 फीट चौड़ी सड़क बनेगी। इसमें सिर्फ 150 से ज्यादा निर्माण ही हटेंगे। नगर निगम के बजट में इस सड़क को भी मंजूरी दी गई है, ताकि लोग धार रोड से एरोड्रम रोड तक सीधे आ जा सकें। फिलहाल कालानी नगर से विजयश्री नगर ब्रिज तक 60 फीट चौड़ाई में सड़क बनकर तैयार है, लेकिन उसके आगे सड़क की चौड़ाई कहीं 30 तो कहीं 40 फीट है। अब नगर निगम बाधक हिस्से हटाकर 60 फीट चौड़ी सड़क बनाना चाहता है।

2008 में हो चुका था भूमिपूजन

वर्ष 2008 में चंदन नगर रिंग रोड बनाने की कवायद हो चुकी थी। तत्कालीन कलेक्टर विवेक अग्रवाल चाहते थे कि यह सड़क बन जाए। उन्होंने चंदन नगर क्षेत्र के रहवासियों को स्कीम-136 में प्लॉट भी अलॉट कर दिए थे।

ब्रीफ न्यूज

फरार तीन आरोपियों पर पुलिस अधीक्षक ने बढ़ाया ईनाम

मुरैना। जिले के चिन्नौनी थाना क्षेत्र में हत्या के एक मामले में 4 वर्ष से फरार चल रहे 2,000 रूपए के ईनामी सरनाम गुर्जर निवासी उदयपुरा की गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक द्वारा इनाम को बढ़ाकर 10,000 रूपए कर दिया गया है। इसके साथ ही अंबाह थाना क्षेत्र के एक मामले में फरार चल रहे दो आरोपी अशोक सिंह पुत्र ज्ञान सिंह गहलोत एवं अमित पुत्र अशोक सिंह गहलोत निवासी दोहरा पर पूर्व में 3-3 हजार का इनाम घोषित किया गया था, जिसे बढ़ाकर 5-5 हजार रुपए किया गया है।

चम्बल भवन में जनसुनवाई में 09 आवेदनकर्ताओं को सुना गया

मुरैना। चम्बल भवन मुरैना में ग्वालियर-चम्बल संभाग के कमिश्नर मनोज खत्री के निर्देशन में संयुक्त आयुक्त राजेन्द्र सिंह ने मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान 09 आवेदकों की समस्याओं को सुना। ये शिकायतें विशेषकर राजस्व, भूमि विवाद, नामांतरण, बंटवारा, अमिक्रमण से संबंधित पाई गई थीं।

आज विद्युत सप्लाई अवरूद्ध रहेगी

मुरैना। विद्युत मंडल के प्रबंधक ने बताया कि 33/11 केव्ही फीडरों से संबंधित समस्त उपभोक्ताओं की आज 09 अप्रैल को विद्युत सप्लाई अवरूद्ध रहेगी। जिसमें आज 09 अप्रैल को दोपहर 01 से सायं 05 बजे तक 11 केव्ही लश्करीपुरा फीडर से संबंधित क्षेत्र पीपरीपुरा, विक्रम नगर आदि संबंधित उपभोक्ताओं की विद्युत सप्लाई अवरूद्ध रहेगी। इसी प्रकार पूर्वान्ह 11 से सायं 05 बजे तक 11 केव्ही सिद्ध नगर फीडर से संबंधित क्षेत्र सिद्ध नगर एरिया, 12 फुटा हनुमान मंदिर आदि संबंधित उपभोक्ताओं की विद्युत सप्लाई अवरूद्ध रहेगी।

कार्तिक एवं दिव्यांश का बॉयस अंडर 14 में हुआ चयन

मुरैना। अकादमी के कार्तिक पचौरी और दिव्यांश पाराशर का मध्यप्रदेश बॉयज अंडर 14 टीम में चयन हुआ है। टीसीए अकादमी के मुख्य कोच सचिन गुर्जर ने जानकारी देते हुए बताया है कि पूरे टीसीए परिवार के लिए यह बहुत ही गर्व का पल है। सचिन गुर्जर ने चंबल डिविजन के सचिव तस्लीम खान का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनके द्वारा एक ऐसा प्लेटफार्म तयार किया गया है कि खिलाड़ियों को प्रदर्शन के लिए लगातार मौके मिलते हैं।

कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने किया जयवर्धन का स्वागत

मुरैना। राघौगढ़ विधायक पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह के मुरैना आगमन पर किसान कांग्रेस अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह डंगस के नेतृत्व में किसान कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ताओं द्वारा फूलों की बरसात कर स्वागत किया। इस अवसर पर जितेन्द्र सिंह डंगस ने राघौगढ़ विधायक पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह भेंट स्वरूप तलवार दी।

कांग्रेस नेताओं ने धरना देकर किया जबरदस्त प्रदर्शन, एसडीएम को दिया आश्वासन

जौरा रोड बनी वाहनों के लिए आफत्त, आए दिन पलट रहे वाहन, लोग हो रहे घायल

सत्ता सुधार ■ मुरैना

बैरियर चौराहा से लेकर मुरैना गांव के नजदीक तक जौरा रोड हजारों यात्री एवं लोडिंग वाहनों के लिए आफत्त बन चुकी है। लोक निर्माण विभाग द्वारा 4 किलोमीटर के एरिया में सीमेंट स्लैब एक तरफ कंप्लीट कराकर छोड़ दिया गया है और दूसरी और सड़क को खोदकर डाल दिया गया है तथा उस पर भयंकर जल भराव है, जिससे प्रतिदिन ट्रैक्टर ट्रौली, लोडिंग, वाहन मोटरसाइकिल आदि दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं तथा लोग घायल हो रहे हैं। उक्त समस्या को लेकर मंगलवार की सुबह से कांग्रेस के पदाधिकारी ने वहां टेंट तंबू तान कर धरना देते हुए जबरदस्त प्रदर्शन किया और प्रशासन एवं सरकार के खिलाफजमकर नारेबाजी की। सूचना मिलने पर एसडीएम मौके पर पहुंचे और कांग्रेस नेताओं को शीघ्र कार्य पूर्ण करने का आश्वासन दिया।

उल्लेखनीय है कि जौरा रोड पिछले कई वर्षों से आम जनता के लिए मुसीबत का सबब बनी हुई है। यहां पानी का निकास नहीं होने के कारण पूर्व में सड़क निर्माण किया गया जो पूरी तरह बेकार हो गई और उसके बाद गहरे गड्ढे होने से वहां वाहन पलटने लगे तथा प्रतिदिन भयंकर जाम लगने लगा स स्थानीय निवासियों एवं कांग्रेस के पदाधिकारीयो द्वारा कई बार प्रदर्शन कर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया गया, तब कहीं जाकर लोक निर्माण विभाग द्वारा इसकी फाइल बनाई गई और केंद्र से स्वीकृत कराई गई। पिछले कुछ महीने से लोक निर्माण विभाग द्वारा उक्त मार्ग पर एक तरफ सीमेंट स्लैब का कार्य कराया जा रहा था, जो कंप्लीट हो चुका है, जबकि ठेकेदार के लोगों ने दूसरी साइड भी खोदकर डाल दी, जिस पर गिट्टी डाली थी, लेकिन फिर से वहां जल भराव होने के कारण गड्ढे बन गए और प्रतिदिन सुबह से शाम एवं रात में भी जाम लग रहे हैं तो कई वाहन प्रतिदिन पलट रहे हैं और लोग घायल हो रहे हैं। यही नहीं दुर्घटनाओं में घायल एवं गर्भवती महिलाओं को लेकर आने वाली एंबुलेंस भी यहां लगने वाले जाम में प्रतिदिन फंस रही हैं, जिससे मरीजों की जान भी जा रही है। उक्त समस्या को लेकर मंगलवार को कांग्रेस नेता एवं पूर्व लोकसभा प्रत्याशी सत्यपाल सिंह सिकरवार शहर जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरा रोड पर टेंट तंबू लगाकर धरना प्रदर्शन किया। सूचना मिलने पर एसडीएम भूपेंद्र कुशवाहा मौके पर पहुंचे तथा कांग्रेस नेताओं की बात सुनने के बाद दूसरी तरफ की रोड शीघ्र कंप्लीट करने का आश्वासन दिया। इसके बाद कांग्रेस पदाधिकारीयों ने अल्टीमेटम देकर अपना प्रदर्शन समाप्त किया।

सड़क निर्माण को लेकर कार्यपालन यंत्री को लगाया फोन तो नहीं उठाया

आम जनता एवं वाहन चालकों के लिए मुसीबत बन चुका 4 किलोमीटर जौरा रोड का एरिया के संबंध में जब लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री आईएस जादौन को उनके मोबाइल नंबर 94251 31063 पर दोपहर 3:54 पर फोन लगाया गया तो उनके द्वारा कॉल रिसीव नहीं किए गए। ऐसा लगता है कि अधिकारी अपने कर्तव्य के प्रति कतई गंभीर नहीं है, जबकि उनकी गलतियों का खामीयाजा जनता को भुगतना पड़ रहा है।

नाबालिक मुस्कान का एक वर्ष पूर्व अपहरण....

अभी तक मुस्कान और आरोपियों को नहीं खोज पाई पुलिस

सत्ता सुधार ■ मुरैना

बानमोर थाना क्षेत्र से मार्च 2024 को अपहरण की गई नाबालिक मुस्कान एवं आरोपियों का एक वर्ष बीत जाने के बाद भी पुलिस कोई सुराग नहीं लगा सकी है। पीड़ित बच्ची की विधवा मां ने मंगलवार को जनसुनवाई में पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देकर मुस्कान को बरामद करने एवं आरोपियों को गिरफ्तार करने की अपील की।

पीड़ित विधवा महिला शीला पत्नी हरि सिंह कडेरे ने पुलिस अधीक्षक को दिए शिकायती आवेदन बताया कि आरोपी शैलू कुशवाह, गपुआ कुशवाह, हुकमा, सच्चे कुशवाह, राजेश, दीपू, द्वारका, आकाश, पप्पू, लाला, संदीप, कमलू, भोटा आदि ने उसकी पुत्री का फरवरी 2024 में कैलारस से अपहरण किया था, जिसे पुलिस ने 29 फरवरी 2024 को बरामद कर लिया और आरोपियों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। आरोपियों की प्रताड़ना से तंग

आकर शीला बानमोर में अपने रिश्तेदार के यहां शीतला गली में रहने लगी। कुछ दिन बीतने के बाद आरोपी वहां भी आ धमके तथा 6 मार्च 2024 को शीतला गली से उक्त सभी आरोपीगण फिर से मुस्कान को जबरन घसीटकर चार पहिया वाहन में डालकर ले गए, जिसकी शिकायत बानमोर थाने में घटना दिनांक की शाम की गई, लेकिन पुलिस ने कोई सुनवाई नहीं की। उसके बाद 7 मार्च को तत्कालीन पुलिस अधीक्षक को शिकायत की गई तो उन्होंने थाना बानमोर को निर्देशित किया, जिस पर से पुलिस ने अपनी मनमर्जी के हिसाब से मामला दर्ज कर लिया। नाबालिक लड़की मुस्कान के अपहरण की घटना को एक वर्ष बीत चुका है, लेकिन पुलिस द्वारा अभी तक उसे बरामद नहीं किया गया है और ना ही आरोपियों को पकड़ा गया है। विधवा महिला पुलिस थाने एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय के चक्कर लगाकर परेशान हो चुकी है। मंगलवार को एक बार फिर से महिला अपनी पुत्री की वापसी के लिए पुलिस अधीक्षक के पास पहुंची और गुहार लगाई।

पति और बच्चों की मारपीट करने वाले आजाद घूमकर बंदूक दिखाकर दे रहे धमकी, एसपी को दिया ज्ञापन

मुरैना। सिटी कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत दुर्गापुरी कॉलोनी में विगत दिनों जगन्नाथ सिंह सिकरवार एवं उसके बच्चों की मारपीट करने वाले अपराधी अभी तक आजाद घूम रहे हैं और पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। पीड़ित परिवार ने मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित महिला शांति देवी पत्नी जगन्नाथ सिंह ने पुलिस अधीक्षक को दिए शिकायती आवेदन में बताया कि आरोपियों ने उसके पति व पुत्र की मारपीट की थी और जब मामला दर्ज करा दिया तो आजाद घूम रहे हैं तथा आए दिन घर पर आकर बंदूक दिखाकर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। पुलिस द्वारा अभी तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया है, जिससे उनके जान माल को खतरा है। शांति देवी ने पुलिस अधीक्षक से तत्काल आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

रात्रि का तापमान एक डिग्री और बढ़ा, शुक्रवार को बारिश की संभावना

सत्ता सुधार ■ मुरैना

गर्मी के चलते सूर्य देव के तेवर अब तीखे होते जा रहे हैं और सोमवार की तरह मंगलवार को भी अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस पर ही टिका रहा, वहीं रात्रि के तापमान में भी एक डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। मौसम विभाग ने आगामी शुक्रवार को बारिश की संभावना जताई है, लेकिन तापमान बढ़ने की बात भी कही है। मंगलवार को पुणे से आए फेरकास्ट के बाद डॉ हरविंदर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि तापमान आगे और बढ़ेगा तथा शुक्रवार को फेरकास्ट बारिश की संभावना दिखा रहा है। मंगलवार को अधिकतम तापमान 41 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। सोमवार को न्यूनतम तापमान 22 डिग्री था जो एक डिग्री बढ़ गया है और अब रात भी गर्म होने लगी है।

पॉलीटेक्निक मुरैना में छतरपुर के धीरज कर रहे इलेक्ट्रीकल इंजीनियर की पढ़ाई

सत्ता सुधार ■ मुरैना

शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज मुरैना में अध्ययनरत म.प्र. के छतरपुर हरपालपुर जिले के निवासी छात्र धीरज पुत्र खेमचंद्र ने डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर योजना का लाभ लेकर जीवन में नया बदलाव कर लिया है। उनका कहना है कि अगर यह योजना नहीं होती हो शायद छात्र धीरज पुत्र खेमचंद्र इलेक्ट्रीकल की पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते। ग्राम हरपालपुर जिला छतरपुर के निवासी धीरज पुत्र खेमचंद्र बताते है कि मैंने 10वीं कक्षा की परीक्षा अच्छे अंको से उत्तीर्ण की, मैं आगे अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहता था, किन्तु पढ़ाई का खर्च उठाना मेरे पिताजी के लिये कठिनाई भरा होता जा रहा था। मेरे पिता मेहनत मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे। इंजीनियरिंग की महँगी पढ़ाई कराना उनके लिये कठिन कार्य था। एक दिन में सोशल मीडिया की साइट देख रहा था। उसमें

पॉलीटेक्निक मुरैना में एडमिशन के लिये इस्तहार निकला। मैंने तुरंत मुरैना के लिये जाने का मन बना लिया। मैंने पॉलीटेक्निक मुरैना आकर अपना आवेदन किया। कुछ समय बाद मेरा चयन सूची में नाम आ गया। मेरे द्वारा मन लगाकर पढ़ाई की। मैंने प्रथम, द्वितीय परीक्षा पास कर ली है। मेरी फाइनल की परीक्षा होने वाली है। इस पढ़ाई में मुझे डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर योजना का भरपूर लाभ मिला, जिसके तहत मुझे रहना, खाना, किताबें, पैन, कॉपी के अलावा एक हजार रूपये जेब खर्च के लिये प्रतिमाह मिलते रहे।

जनसुनवाई में आवेदन करने वाले लोगों को अधिकारी जल्द लाभ दिलायें

मुरैना। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को प्रातः 11 से 1 बजे तक जनसुनवाई करने के निर्देश हैं। निर्देशों के तहत कलेक्टर अंकित अस्थाना के मार्गदर्शन में 8 अप्रैल को जिला मुख्यालय पर जनसुनवाई अपर कलेक्टर सीबी प्रसाद द्वारा की गई। जिसमें 88 आवेदनकर्ताओं को सुना उनमें से एक आवेदन ऐसा पाया गया जिसका निराकरण टीएल में संभव था, उस आवेदन को एनआईसी के माध्यम से उत्तरा पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिये। अपर कलेक्टर ने जनसुनवाई में आने वाले समस्त अधिकारियों को निर्देश दिये कि आवेदनकर्ता को अधिकारी जल्द लाभ दिलायें। उसकी समस्या का समाधान शीघ्रता से किया जावे। जनसुनवाई के दौरान संयुक्त कलेक्टर आरबी नाडिया, शुभम शर्मा, डिप्टी कलेक्टर सुश्री मेघा तिवारी, नायब तहसीलदार सुश्री दीप्ति खरे सहित संबंधित विभाग के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

लवली की हत्या करने की गिरफ्तारी को लेकर आज निकाला जाएगा कैंडल मार्च

सत्ता सुधार ■ मुरैना

विगत दिवस पड़ोस के भिंड जिले में मुरैना की बेटी की दहेज के चलते ससुराल वालों द्वारा हत्या किए जाने तथा पुलिस द्वारा आरोपियों की गिरफ्तारी न किए जाने के विरोध में परिवार व समाज के लोगों द्वारा आज 9 अप्रैल बुधवार की शाम 7:00 बजे बाबूलाल डण्डोतिया के मकान से कैंडल मार्च निकाला जाएगा और शहीद संग्रहालय पर पहुंचकर मृतिका लवली को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि मुरैना निवासी राकेश डण्डोतिया की पुत्री लवली डण्डोतिया का 2 वर्ष पूर्व भिंड निवासी आलोक शर्मा पुत्र राजेश शर्मा से विवाह हुआ था, अभी कुछ दिन पूर्व लवली की ससुराली जनों द्वारा हत्या कर दी गई। यह आरोप लवली के परिवार वालों ने लगाया है। पहले तो इस मामले में पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही थी, लेकिन बाद में मामला दर्ज कर लिया गया। मामला दर्ज किए जाने के बाद पुलिस द्वारा अभी तक लवली की हत्या में शामिल दहेज लालची पति आलोक, ससुर राजेश शर्मा, सास रामवती, देवर पुनीत शर्मा, देवरानी रिचा, ननद पूजा, ननद अंजली, नन्देऊ विनीत, ननद प्रियंका, नन्देऊ लोकेश को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। मृतिका लवली के परिवार एवं समाज के लोगों द्वारा शिथिल पड़ी पुलिस कार्रवाई को लेकर आक्रोश बना हुआ है और इसी के चलते कैंडल मार्च का आयोजन किया गया है।

कुंतलपुर हरसिद्धि सिद्धि माता पर दंगल संपन्न

संजू ने आगरा के थापा पहलवान को हराकर जीता कुश्ती का मुकाबला

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिला मुख्यालय से 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित कुंतलपुर कोतवाल नाम से जाना जाता है, यहां चल रहे हरसिद्धि देवी की मेले के समापन पर दंगल का आयोजन किया गया। नवदुर्गा महोत्सव के बाद दसमी तिथि को प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी आयोजन किया गया। समाजसेवी राघवेंद्र हरसाना नाका ने बताया कि पहले कुश्ती प्राचीन सभ्यता की पहचाने देश की संस्कृति आज भी अखाड़े में नजर आती है। दंगल में कुश्ती छोटे-छोटे पहलवानों से शुरू करवाई गई, जिनकी इनाम 50 रूपए थी। धीरे-

धीरे कुश्तियों मे इनाम बढ़ाई गई और 100 से लेकर 11000 रूपए तक के बीच कुश्ती कराई, जिसमें आखिरी कुश्ती 11000 रूपए की हुई। अंतिम मुकाबला संजू पहलवान दौरावली और थापा पहलवान आगरा के बीच हुआ, जिसमें थापा पहलवान आगरा को पटकनी देकर संजू पहलवान विजई रहे। विजयी संजू पहलवान को 11,000 रूपए की इनाम राशि दी गई। इस अवसर पर पूर्व ऊर्जा मंत्री मंत्री गिर्राज डन्डोतिया, पूर्व मंडी अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह हरसाना नाका, पूर्व सरपंच रुस्तम सिंह हर्षाना नाका मौजूद रहे। आयोजन में माता बसैया थाना प्रभारी जयपाल सिंह गुर्जर का भरपूर सहयोग रहा। इस दौरान अनेकों गांव के लोग व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

कॉस्मेटिक सामान के गोदाम में भीषण अग्निकांड, लाखों रुपए का माल जलकर राख, निगम के पास फायर ब्रिगेड का इंतजाम नहीं

मुरैना। शहर के जाने पहचाने श्याम मुरारी जनरल स्टोर के राठौर कॉलोनी आजाद नगर स्थित गोदाम में मंगलवार की शाम अचानक लगी भीषण आग से लाखों रुपए का कॉस्मेटिक सामान जलकर राख हो गया द्य इस दौरान चार-पांच फायर ब्रिगेड गाड़ियां आग बुझाने में लगी रही, लेकिन वह आग पर काबू नहीं पा सकी और पूरा सिस्टम फेल हो गया । गोदाम मालिक रोता हुआ बोला कि साहब प्रशासन फेल हो गया है, उसके पास फायर ब्रिगेड का भी इंतजाम नहीं है । कम से कम 40- 50 लख रुपए का नुकसान हो चुका है । प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार की शाम 7:00 बजे के लगभग श्याम मुरारी जनरल स्टोर के राठौर कॉलोनी आजाद नगर गली नंबर दो स्थित कॉस्मेटिक के गोदाम में अचानक आग लग गई, यह आग शॉर्ट सर्किट से होना बताई जा रही है । आग ने बड़ी तीव्र गति से विकराल रूप धारण कर लिया द्य मोहल्ले वासियों ने तत्काल गोदाम मालिक को सूचना दी तो वह मौके पर पहुंचे और पुलिस तथा फायर ब्रिगेड को जानकारी दी द्य इसके बाद फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची द्य लगभग आधा दर्जन फायर ब्रिगेड गाड़ियों ने आग बुझाने का प्रयास किया, परंतु देर रात समाचार लिखे जाने तक आग पर काबू नहीं पाया जा सका द्य उक्त गोदाम में गिफ्ट आइटम, कॉस्मेटिक का सामान, होजरी का सामान भरा हुआ था, जो जलकर पूरी तरह राख हो चुका है और फायर ब्रिगेड कर्मी असहाय नजर आ रहे थे । गोदाम मालिक एवं उसका परिवार रोता बिलखता हुआ लोगों से मदद की गुहार लगा रहा था और बोला कि प्रशासन का सिस्टम पूरी तरह फेल हो गया है ।

ब्रीफ न्यूज

14 अप्रैल को बाबा साहेब जयंती पर निकलेगी रैली

खरगोन। संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की 134 वीं जयंती पर शहर में उत्सव के रुप में मनाई जाएगी। जयंती उत्सव को लेकर बैठकों का दौर चल रहा है। मंगलवार को एससी.एसटी युवा छात्र संघ की बैठक सब्जी मंडी अंबेडकर पार्क में आहुत की गई। बैठक की अध्यक्षता संघ अध्यक्ष भागीरथ खतवासे ने की। खतवासे ने बताया कि बाबा साहेब का जन्मोत्सव समाजिक समरसता, शिक्षा, और संविधानिक अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मनाया जाएगा। संघ के कोषाध्यक्ष अमन मकवाने, श्रद्धा, अंकिता, रेखा, इंदरसिंग, सत्यम, योगेश, राजू ने बताया कि 14 अप्रैल दोपहर तीन बजे किला मैदान से विशाल रैली निकाली जाएगी, जिसके टीआईटी कॉपलेक्स परिसर पहुंचने पर यह रैली, सांस्कृतिक, बौद्धिक एवं रचनात्मक गतिविधियों में तब्दील होगी। रैली के बाद संगोष्ठी, सांस्कृतिक आयोजनों के साथ ही विचार गोष्ठी होगी। डा.अंबेडकर के जीवन, विचारों और उनके द्वारा दिए गए संविधानिक अधिकारों पर युवाओं को वक्ताओं द्वारा जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम में विभिन्न कॉलेजों के छात्र.छात्राओं के अलावा, समाज के गणमान्य व्यक्तियों को भी आमंत्रित किया जाएगा।

रैली निकालकर जल बचाने की दिलाई शपथ

खरगोन। ग्राम कुकड़ोल में जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत जल है तो कल है, जल ही जीवन है के नारों के साथ प्रात॰ छात्र-छात्राओ ने रैली निकालकर जल बचाने का संदेश दिया। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्रामीणजनों को स्वच्छ जल, जल स्रोतों को स्वच्छ रखना एवं उनका संरक्षण करने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों, शिक्षकों को गोष्ठी परामर्श दाता अखिलेश वर्मा ने शपथ दिलाई। इस् कार्यक्रम में शिक्षक रामकृष्ण महाजन, युगल किशोर सांवले, सरोज वास्कले, गरिमा मालसे, आशा सोलंकी, विशाल जाधव,आशा सोलंकी, हेमराज पाटीदार, चतुरेश कुमार अहिरवार, प्रभुराम मालवीया, भूरला सोलंकी आदि उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय जनसुनवाई में 63 आवेदनों पर हुई सुनवाई

छतरपुर। मंगलवार को कलेक्टर पार्थ जैसवाल की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला स्तरीय जनसुनवाई सम्पन्न हुई। जनसुनवाई में संयुक्त कलेक्टर बलवीर रमन, डिप्टी कलेक्टर जीएस पटेल, आयुष जैन, कौशल सिंह, एसडीएम अखिल राठौर एवं विभागीय जिलाधिकारी उपस्थित रहे और व्हीसी के माध्यम से जिले के अनुभागों के एसडीएम एवं तहसीलदार जुड़े रहे। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्राप्त 63 आवेदनों के निराकरण में गंभीरता बरतें और प्राथमिकता से निराकरण करें।

30 जून तक चलेगा जल गंगा संवर्धन अभियान

प्राचीन कुओं का होगा जीर्णोद्धार

सत्ता सुधार ■ हरदा

जल गंगा संवर्धन अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए नगर परिषद टिमरनी सभाकक्ष में एक बैठक हुई। जिसमें नगर परिषद अध्यक्ष देवेंद्र भारद्वाज, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री किरण रहंगडाले, पहल सामाजिक संस्था नरेंद्र सकल्ले, शिक्षा विद राजेंद्र उपाध्याय, सतीश शुक्ला, पार्षद जयंत कौशल, रविंद्र ठाकुर, हीरा गिरीश धुरे, सुनील दुबे, उपयंत्री रीतेश यादव, राजेश नागरे, जन अभियान परिषद के अनुपम भारद्वाज आदि उपस्थित रहे। पेयजल स्रोतों के जिर्णोद्धार के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा कर जल संरक्षण के उपायों को प्राथमिकता प्रमुखता से करने का संकल्प लिया गया।

30 जून तक चलेगा अभियान : जल गंगा संवर्धन अभियान 30 मार्च से आगामी 30 जून तक चलाया जायेगा। नगर में जल संरक्षण के कार्यों के जनभागीदारी और निकाय के माध्यम से करवाया जायेगा । वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को बढ़ावा देने की दिशा में पहल की जायेगी। सरकारी भवनों कार्यालयों में वाटर हार्वेस्टिंग चालू कराने के साथ निजी लोगों को जागरूक किया जायेगा। इसके महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी देकर जल के महत्व के बारे में बताया जायेगा।

जल संरक्षण का प्रचार-प्रसार : जल संरक्षण के लिए प्रचार-प्रसार किया जायेगा बगैर टोंटी के नलों में टोटी लगवाई जायेगी । जल अनावश्यक ना बहायें। जल के एक-एक बूंद का सदुपयोग करें। जल ही जीवन है। जल नहीं तो कल नहीं, जल के बिना जीवन संभव नहीं आदि महत्वपूर्ण कोटेशन पर चर्चा कर जल संरक्षण के उपायों को गंभीरता से लेते हुए उस पर अमल करने का संकल्प लिया गया ।

प्राचीन कुओं का जीर्णोद्धार : जल संरक्षण के उपायों के तहत प्राचीन कुओं का जीर्णोद्धार कराया जायेगा ताकि निकट भविष्य में जल की कमी ना हो सके और कुओं में जल स्रोत जीवित रहे। इस दिशा में प्रयास किये जायेंगे। कुओं के जीर्णोद्धार से शीतल, शुद्ध पेयजल, सहजता, सरलता से उपलब्ध हो सकेगा और पानी की बचत हो सकेगी।

ढाई माह तक चलेगा अभियान : जल गंगा संवर्धन अभियान ढाई माह तक चलेगा। इस अभियान तक जल स्रोतों को बचाने और विकसित करने की दिशा में कारगर कदम उठाये जायेंगे। बरसात के पानी का संग्रहण करके भूजल स्रोतों को बढ़ाने के प्रयास किए जाएंगे भूमिगत जल स्रोत बड़े इस दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किये जायेंगे ताकि किसी को दिक्कत ना हो सके ।

जल संरक्षण के कार्यों को करायेंगे : भारद्वाज

जल संरक्षण के कार्यों को प्राथमिकता से करवायें जायेंगे यह विचार नगर परिषद अध्यक्ष देवेंद्र भारद्वाज ने व्यक्त करते हुए कहा कि जल संकट की स्थिति को देखते हुए जल संकट के स्थाई समाधान के लिए उल्लेखनीय प्रयास किये जाने की जरूरत है। जिस पर गंभीरता से विचार विमर्श करके प्रचार- प्रसार के साथ जो निर्णय व सहमति बनेगी उस पर अमल किया जायेगा। इसीलिए बैठक में सभी को आमंत्रित करके सबके विचार लिये गए हैं। उसको ध्यान में रखते हुए प्रयास किये जायेंगे ।

क्या कहते जवाबदार

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आगामी 30 जून तक जल संरक्षण के उपाय को प्राथमिकता और प्रमुखता से करवाया जायेगा। प्राचीन कुँओं का जीर्णोद्धार के साथ-साथ वाटर हार्वेस्टिंग के कार्यों को करने की दिशा में उल्लेखनीय पहल की जायेगी। सरकारी भवनों के साथ-साथ जागरूकता के माध्यम से वाटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा देने की दिशा में प्रयास किया जायेगा ।

सुश्री किरण रंगडाले, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर परिषद, टिमरनी ।

न्याय करने के बजाये प्रदेश सरकार कर रही अत्याचार : गार्गव

सत्ता सुधार ■ हरदा

ब्लास्ट पीड़ित विगत वर्ष से न्याय का गुहार लगा रहे हैं, लेकिन उनके साथ न्याय करने के बजाये म.प्र. सरकार उन पर अत्याचार कर रही है। उक्त आरोप लगाते हुए जिला कांग्रेस प्रवक्ता आदित्य गार्गव ने कहा है कि विगत वर्ष फटाखा फेक्ट्री में हुए ब्लास्ट से कई निर्दोष लोगों की मौत हो गई और काफी संख्या में लोग घायल हुए एवं सैंकड़ों लोग बेघर हुए। पीड़ित लोग अपनी मांग को लेकर आन्दोलन करते रहे लेकिन म.प्र. सरकार एवं प्रशासन उनकी उचित मांगों को मानने की बजाये उन्हें गुमराह करता रहा। जब उन्होंने अपनी मांगों को लेकर हरदा से भोपाल तक पैदल मार्च करने की पहल की तो बीच रास्ते में उन्हें रोककर उन्हें आश्वस्त किया गया था कि आपकी सभी मांगों का उचित समाधान किया जायेगा। प्रशासन की बात मानकर ब्लास्ट पीड़ित हरदा वापस आ गये, लेकिन लम्बा समय बीत जाने के बाद भी उनकी समस्याओं का कोई निराकरण नहीं हो सका। इससे दुखी होकर पीड़ितों ने पुन॰ भोपाल पैदल जाकर अपनी मांगें मुख्यमंत्री के समक्ष रखने का निर्णय किया तो उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने की जगह प्रदेश सरकार ने ब्लास्ट पीड़ितों को भोपाल में गिरफ्तार कर उनके साथ्ञ बेरहमी से मारपीट की गई, पीड़ितों में महिलाऐं, बच्चे, बुजुर्ग सभी शामिल हैं। प्रदेश सरकार के इस कदम से एक बार फिर यह साबित हो गया कि सरकार गरीब, मजदूर वर्ग के प्रति कितनी असंवेदनशील है। जिला कांग्रेस प्रवक्ता ने म.प्र. सरकार के इस क्रूरतापूर्वक व्यवहार की निंदा करते हुए कहा कि प्रदेश के इस कृत्य से मोहन यादव सरकार का असली चेहरा सामने आ गया है।

ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए स्कूलों के समय में परिवर्तन किया गया

हरदा । वर्तमान में ग्रीष्म ऋतु में तापमान में वृद्धि होने से विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना को ध्यान में रखते हुए जिले के सभी स्कूलों के संचालन के समय में परिवर्तन किया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी डी एस रघुवंशी ने बताया कि सभी स्कूलों के संचालन का समय सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक निर्धारित किया गया है। दोपहर 12:30 बजे के बाद कोई भी स्कूल संचालित नहीं होगा। उन्होंने बताया कि यह आदेश शासकीय एवं अशासकीय सभी स्कूलों पर मंगलवार सुबह से ही लागू रहेगा। श्री रघुवंशी ने बताया कि परीक्षाओं का संचालन पूर्व निर्धारित समय सारणी अनुसार ही होगा।

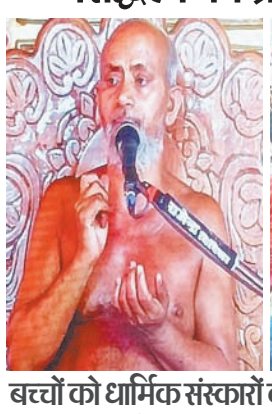

मन ऐसा बना लो कि इस जन्म मरण से छुटकारा पाकर सिद्धत्व को प्राप्त करो: आचार्य विशुद्धसागरजी

बच्चों को धार्मिक संस्कारों का रोपण करोगे तो धर्म से और देव दर्शन से वंचित नहीं रहोगे: आर्यिका यशस्विनी

सत्ता सुधार ■ खरगोन

पावागिरी सिद्ध क्षेत्र ऊन में चल रहे जिन बिंब पंच कल्याणक महामहोत्सव के दूसरे दिन गर्भ कल्याणक मनाया गया। चर्या शिरोमणि आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज के संघ सानिध्य में चल रहे धार्मिक अनुष्ठानों के तहत भगवान की माता के गर्भ कल्याणक संस्कार किए गए एवं महाराजा नाभिराय का दरबार लगाया गया।

कुबेर इंद्र द्वारा रत्नों की वृष्टि की गई, इसके पूर्व प्रात॰ आचार्य संघ के सानिध्य में नित्य नियम की पूजन एवं याग मंडल विधान पंडित धर्मचंद्र शास्त्री के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। गणिनी आर्यिका यशस्विनी मति माताजी ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अपने बच्चों को धर्म के संस्कार दे देना अपने बच्चों को हाथ पकड़ कर मंदिर ले जाना, जिससे आने वाले भव में और आने वाले समय में तुम धर्म से और देव दर्शन से वंचित नहीं रहोगे। आज गर्भ कल्याणक है तो ये संकल्प लो कि हम हमारे बच्चों को धार्मिक संस्कारों का रोपण करेंगे। आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज ने धर्म सभा को बड़े रोचक अंदाज में सभी से कहा कि आप सभी यहां क्यों आए है ? आप सभी धार्मिक अनुष्ठान पंच कल्याणक महोत्सव में शामिल होने आए है? आप ये तीर्थ, तीर्थ पर विराजित मूर्तियां देख रहे है और जिनका पंच कल्याणक संस्कार देख रहे है ये उन माता पिता के गर्भ में दिए संस्कार थे और ये संत देख रहे है ये भी इनके माता-पिता के गर्भ में दिए संस्कार थे जो इन्हें भावी सिद्धों के रूप में देख रहे है। आप भी अपना मन ऐसा बना लो कि इस जन्म मरण से छुटकारा पा जाओ और सिद्धत्व को प्राप्त करो आप और हमने मिल कर एक साथ पिछले भाव में पुण्य कार्य किए थे अत॰इस भाव में हम सभी इस धर्म कार्य में इकट्ठा हुए है।

आज मनाया जाएगा जन्म कल्याणक

बुधवार को भगवान का जन्म कल्याणक होगा उसके अंतर्गत सुबह नित्य अभिषेक पूजन के बाद जन्म का दृश्य प्रस्तुत किया जाएगा। जन्म कल्याणक पूजन होगा। शोभायात्रा निकाली जाएगी। जन्म अभिषेक पांडू शीला पर सम्पन्न होगा। रात्रि में भगवान के पालना झूलाने का सौभाग्य श्रद्धालुओं को प्राप्त होगा।

राजयोगिनी डॉक्टर दादी रतन मोहिनी का 101 वर्ष की आयु में हुआ निधन

खरगोन। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की मुख्य प्रशस्तिका दादी रतन मोहिनी का 101 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। वे कुछ समय से बीमार थीं। उन्होंने 8 अप्रैल 2025 की प्रात॰ काल 1.30 बजे अहमदाबाद के जाइडस हॉस्पिटल में अंतिम सांस ली। 25 मार्च 1925 को सिंध हैदराबाद पाकिस्तान में जन्मी दीदी ने 12 वर्ष की अल्पायु में ही आपने परमपिता परमात्मा शिव द्वारा सृष्टि परिवर्तन के कार्य में अपने आप को समर्पित कर दिया। 1950 में संस्था के सरकार मध्य प्रजापिता ब्रह्मा बाबा एवं अन्य भाई-बहनों के साथ आप ईश्वरीय सेवा एवं सनातन संस्कृति के उन्मूलन के लिए कराची से भारत माउंट आबू राजस्थान पधारे। भारत वर्ष के अनेक प्रांतो अनेक शहरों में रहकर ईश्वरीय सेवा व्यक्तिगत उत्थान समाज उन्मूलन को बढ़ावा देने के लिए अथक परिश्रम एवं परमात्मा लगन से ता उम्र सेवा कार्य किया। आप ऐसे लीडर थे, जिन्होंने अनेकानेक आध्यात्मिक लीडरों को तैयार कर भारत में सनातन संस्कृति एवं हर मनुष्य के मन में सुख शांति का संचार करने का कार्य किया। विदित है ब्रह्माकुमारी संस्था एक अंतरराष्ट्रीय संस्था होकर मुख्यालय भारत में है, जो इस विश्व की महिलाओं द्वारा संचालित विश्व की सबसे बड़ी संस्था है। भारत में बड़े शहर छोटे शहर एवं गांव तक आध्यात्मिक चेतना मानसिक सुख शांति सनातन संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए संस्था पिछले 89 वर्षों से कार्य कर रही है।

केंद्रीय मंत्री उईके ने हंडिया में दुर्घटना से प्रभावित परिवारों से भेंट की

सत्ता सुधार ■ हरदा

भारत सरकार के अनुसूचित जनजाति कार्य विभाग के राज्यमंत्री दुर्गादास उईके ने मंगलवार को हंडिया पहुंचकर गुजरात के बनासकांठा जिले में गत दिनों हुई विस्फोट दुर्घटना के प्रभावित परिवारों से भेंट की। उन्हें आश्वस्त किया कि शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत सभी पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद दिलाई जायेगी। संकट की इस घड़ी में सरकार सभी प्रभावित परिवारों के साथ है। स्थानीय स्तर पर इन परिवारों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएं। इन परिवारों के जो सदस्य पढ़े लिखे हों, उन्हें सरकार की स्वरोजगार योजनाओं के तहत स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ करने के लिए ऋण दिलाया जाए। स्थानीय ग्रामीणजनों ने हंडिया में सड़क निर्माण की मांग की, जिस पर कलेक्टर श्री सिंह ने जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को इस संबंध में निर्देश दिये।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री सिंह ने इस दुर्घटना में मजदूर परिवारों के कुल 11 सदस्यों की मृत्यु हो गई थी। इन सभी 11 मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री सहायता कोष से 2-2 लाख रुपये तथा गुजरात शासन की ओर से कुल 4-4 लाख रुपये की मदद स्वीकृत की जा चुकी है। इसके अलावा सभी 11 मृतकों के परिजनों को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान की राशि से 2-2 लाख रुपए की मदद दी जा चुकी है। इसके साथ ही संबल अनुग्रह योजना से कुल 3 मृतक श्रमिकों के परिवारों को 4-4 लाख रुपए की मदद भी दी जा चुकी है।

कलेक्टर ने बताया कि संबल योजना के तहत पंजीबद्ध 8 मृतक मजदूरों के परिजनों को अंत्येष्टि सहायता के रूप में 5-5 हजार रुपये की सहायता भी दी जा चुकी है। उन्होंने बताया कि 2 घायल मजदूरों को प्रधानमंत्री राहत कोष से 50-50 हजार रुपये तथा गुजरात सरकार की ओर से 50-50 हजार रुपये की सहायता देने की कार्यवाही जारी है। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि दोनों घायल मजदूर को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से 50-50 हजार रुपये रुपए की मदद दी जा चुकी है। उन्होंने बताया कि प्रभावित परिवारों में से राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना के तहत पात्र पाए गए 2 परिवारों को 20-20 हजार रुपये स्वीकृत करने की कार्यवाही भी की जा रही है। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत पात्र पाए गए दो मृतक श्रमिकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत करने की कार्यवाही भी जारी है। इन दुर्घटना प्रभावित परिवारों में से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 2 परिवार पात्र पाए गए हैं। प्रधानमंत्री आवास प्लस 2.0 योजना के तहत इन दोनों परिवारों के प्रधानमंत्री आवास के प्रकरण तैयार किये जा रहे हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि इन प्रभावित परिवारों के 2 बच्चों को महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बच्चों के संरक्षण हेतु संचालित स्पॉन्सरशिप योजना के तहत उनके निकटतम परिजनों को संरक्षक घोषित करते हुए 4-4 हजार रुपए प्रतिमाह की मदद करने की कार्यवाही भी की जा रही है। सभी प्रभावित परिवारों के बच्चों को निशुल्क शिक्षा की व्यवस्था भी जिला प्रशासन कर रहा है।

चौकड़ी के रामभक्तों द्वारा एसडीएम को सौंपा शिकायटी ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ हरदा/खिरकिया

राम मंदिर चौकड़ी में स्थित है मंदिर के पदाधिकारी एवं सदस्यों द्वारा रामनवमी, होली, दीपावली सहित अन्य तीज त्यौहारों पर मंदिर में कोई सार्वजनिक कार्य नहीं कराया जाता है जिससे ग्राम कें भक्तों की आस्था को ठेस पहुंचती लगती है इसपर एसडीएम अशोक कुमार डहेरिया को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन बताया कि राममंदिर के अध्यक्ष सचिव द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। 18-20 एकड़ कृषि भूमि रामसनेही संस्था की है हम कुछ नहीं कर सकते। इनके द्वारा कोई बैठक आदि नहीं ली जाती और आमजन एवं समाज को संस्था का हिसाब आदि तक नहीं बताया जाता है। खसरा नम्बर 425, 558, 585 में कृषि भूमि 4.00/4.50 लाख रूपये में खोट देकर मंदिर में राशि नहीं लगाकर उस राशि का दुरूपयोग किया जा रहा हैं। ज्ञापन में बताया कि मंदिर में पुजारी नाम का रखा है मंदिर की उचित देख भाल के लिए संस्था का गठन कर उनकी देख रेख में मंदिर का संचालन किया जाये। मंदिर में तीज-त्योहारों पर उत्सव कराये जाएं। ज्ञापन देने वालों में आनंद गौर, मंशाराम, मुकेश गौर, रघुवीर गौर, दीनदयाल गौर, संजय नामदेव सहित अनेक लोग मौजूद थे।

प्रधानमंत्री के प्रवास के पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पहुंचे आनंदपुर धाम

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

जिले के ईसागढ़ स्थित श्री परमहंस अद्वैत मत श्री आनंदपुर धाम में आगामी 11 अप्रैल शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रवास के पूर्व मंगलवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, सांसद विष्णु दत्त शर्मा सहित अन्य लोग, आगमन की तैयारियों का जायजा लेने आनंदपुर धाम पहुंचे, जहां उन्होंने दर्शन के उपरांत निरीक्षण किया। उक्त आशय की जानकारी देते हुए भाजपा जिला मीडिया प्रभारी डॉक्टर हरवीर सिंह रघुवंशी ने बताया कि इस दौरान श्री आनंदपुर धाम के ट्रस्टी सोनू महात्मा एवं सोमनाथ महात्मा से तैयारियों को लेकर आवश्यक चर्चा की। इस अवसर पर प्रदेश शासन के मंत्री दिलीप अहिरवार, संभाग प्रभारी विजय दुबे, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष ऊषा अग्रवाल, भाजपा जिला अध्यक्ष आलोक तिवारी,विधायक जगन्नाथ सिंह रघुवंशी, बृजेन्द्र सिंह यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष अजय यादव, प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व सांसद केपी यादव, नगरपालिका अध्यक्ष नीरज मनोरिया, शिवेन्द्र यादव, नंदलाल यादव रविंद्र लोधी मुकेश कलावत पूर्व विधायक राजकुमार सिंह यादव,पूर्व जिला अध्यक्ष उमेश रघुवंशी ,महादेव यादव सलिल त्रिपाठी सहित बहुत संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिले के किसानों से नरवाई- फसल अवशेष नहीं जलाने की अपील करने के लिए रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

अशोकनगर। कलेक्टर महोदय के निर्देशानुसार जिले के किसानों से नरवाई- फसल अवशेष/ पराली नहीं जलाने की अपील की। जिला स्तरीय कृषि स्थाई समिति अध्यक्ष के प्रतिनिधि श्री सत्येंद्र कलावत जी की द्वारा रथ को हरी झंडी दिखाकर गाँव गाँव प्रचार प्रसार हेतु रवाना किया गया यह रथ जिले के चारों विकासखंड में जाकर किसानों को जागरूक करेंगे इस मौके पर कृषि अभियांत्रिकी से श्री सुखराम उईके, सहायक कृषि यंत्री ,एवं कर्मचारी गण और किसान गण उपस्थित रहे। उप संचालक कृषि श्री के एस कैन द्वारा बताया गया कि पराली जलाने से मिट्टी की उर्वरता कम होती है और पर्यावरण प्रदूषण होता है। मिट्टी के सूक्ष्मजीव नष्ट हो जाते हैं। इसके विपरीत नरवाई को खेत में ही छोड़ देने से अनेक लाभ होते हैं। नरवाई- फसल अवशेष का प्रबंधन सतत खेती के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अनदेखी गंदे पानी के खिलाफ कांग्रेस पार्षदों का अनोखा विरोध

जनसुनवाई के दौरान घुटनों के बल चलकर किया प्रदर्शन

सत्ता सुधार ■ खंडवा

नगर निगम की अनदेखी और बदहाल जल व्यवस्था के विरोध में मंगलवार को कांग्रेस पार्षदों और कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान घुटनों के बल चलकर प्रदर्शन किया। इस अनोखे विरोध ने वहां मौजूद आमजनों और अधिकारियों का ध्यान अपनी ओर खींचा।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि नगर निगम क्षेत्र में दूषित और गंदा पानी सप्लाई किया जा रहा है, जिससे नागरिकों का स्वास्थ्य खतरे में है। विरोध स्वरूप वे अपने साथ गंदे पानी से भरी बोतलें और केनें लेकर पहुंचे और कलेक्टर को सौंपीं।

नर्मदा जल योजना पर सवाल : नेता प्रतिपक्ष मल्लू राठौर ने बताया कि खंडवा नगर की बहुप्रतीक्षित नर्मदा जल योजना, जिसकी लागत लगभग 116 करोड़ रुपये थी, का ठेका विश्वा यूटिलिटी नामक कंपनी को दिया गया था। इस योजना का उद्देश्य शहरवासियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना था, परंतु राठौर के अनुसार, भारी भ्रष्टाचार और तकनीकी लापरवाही के चलते अब तक पाइपलाइन 380 से अधिक बार फूट चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस बार-बार हो रही टूट-फूट के कारण खंडवा की जनता बीते 15 वर्षों से स्वच्छ जल के लिए जूझ रही है। इससे न केवल जनजीवन अस्त-व्यस्त हुआ है, बल्कि स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याएं भी उत्पन्न हुई हैं।

जनसुनवाई में हंगामा : प्रदर्शन के दौरान कलेक्टर कार्यालय में चल रही जनसुनवाई बाधित हो गई। कांग्रेस नेताओं की नारेबाजी के चलते हॉल के गेट बंद करने पड़े, जिससे आम शिकायतकर्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ा।

कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने आश्वासन दिया कि पीएचई विभाग और नगर निगम की संयुक्त टीम शहर के विभिन्न वार्डों से जल सैंपल लेकर लेब टेस्टिंग कराएगी। हालांकि, कांग्रेस नेता और उनके साथ पहुंचे नागरिक एफआईआर की मांग पर अड़े रहे।

प्रशासन पर निगाहें : अब शहरवासियों की निगाहें जिला प्रशासन पर टिकी हैं कि क्या वह कांग्रेस के विरोध और नागरिकों की चिंता को गंभीरता से लेकर विश्वा यूटिलिटी कंपनी के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई करता है या यह विरोध भी पूर्व के आंदोलनों की तरह तात्कालिक आक्रोश शमन का माध्यम बनकर रह जाएगा।

कड़ी कार्रवाई की मांग : राठौर ने कहा कि पूर्व में कलेक्टर द्वारा आश्वासन दिया गया था कि अगर पुनः पाइपलाइन में रिसाव या टूट-फूट हुई, तो संबंधित कंपनी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी। अब समय आ गया है कि विश्वा कंपनी को ब्लैकलिस्ट किया जाए और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। कांग्रेस पार्षदों ने यह मांग जोरदार तरीके से दोहराई।

इनका कहना है

कलेक्टर ऋषभ गुप्ता ने कांग्रेस पार्षदों को आश्वासन दिया कि जल आपूर्ति की गुणवत्ता की जांच के लिए ड्ड्रऋष्ठ (जल संसाधन विभाग) और पीएचई (लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग) के अधिकारियों को नगर निगम के वाटर वर्क्स विभाग की टीम के साथ शहर के विभिन्न वार्डों में भेजा जाएगा। वे पानी के सेम्पल लेकर लैब टेस्ट कराएंगे। यदि सेम्पलों में गड़बड़ी पाई गई और जल अशुद्ध निकला, तो संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी।

कन्याओं का सामूहिक विवाह पुण्य अर्जित करने का अवसर- पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह

खुरई में 16 अप्रैल को मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत सामूहिक विवाह, 278 जोड़ों के पंजीयन हुए

सत्ता सुधार ■ खुरई(सागर)

बेटियां देवी स्वरूपा होती हैं। उनका सामूहिक विवाह समारोह एक सरकारी आयोजन के साथ-साथ पुण्य अर्जित करने का बड़ा अवसर है। अतः सभी अपनी जिम्मेदारी सेवाकार्य की तरह आगे बढ़ कर निभाएं। यह उद्गार पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह ने खुरई के मॉडल स्कूल में 16 अप्रैल को मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत आयोजित बुंदेली परंपरा के साथ सामूहिक विवाह कार्यक्रम की तैयारियों के लिए आयोजित समीक्षा बैठकों में व्यक्त किए। इसके लिए लगातार तैयारियों का दौर जारी है। समस्त खुरई विधानसभा क्षेत्र के हितग्राहियों के लिए आयोजित इस सामूहिक विवाह समारोह में अभी तक 278 विवाहों के पंजीयन हो चुके हैं।मुख्यमंत्री कन्यादान योजना अंतर्गत आयोजित सामूहिक विवाह समारोह के लिए सभी विभागों के अधिकारियों की समीक्षा बैठक में खुरई एसडीएम मनोज चौरसिया ने कार्यक्रम की विभिन्न जिम्मेदारियों के प्रभार आवंटन की जानकारी प्रस्तुत की। तत्पश्चात बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह ने विवाह समारोह में शामिल होने आ रहे वर-वधु, हितग्राही परिवारों और उनके अतिथियों के स्वागत, सत्कार, ठहरने से लेकर विवाह स्थल पर पंडाल, भोजन, जनवास, बाजे, पंडित जी, खाम आदि संपूर्ण व्यवस्थाओं के विषय में जानकारी ली और उनकी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि छात्रावास में जहां जनवासा बनाया जा रहा है वहां नगरपालिका व शिक्षा विभाग का अमला पहुंचे और वहां लाईट, पंखा, पेयजल उपलब्धता, बाथरूम की दरवाजे, कुंडी, वाशबेसिन, फ्लश समेत सभी व्यवस्थाओं का जायजा लेकर दुरुस्त कर लें। सभी हितग्राही परिवारों को कक्ष आवंटन में किसी गलतफहमी नहीं हो इसके लिए रजिस्ट्रेशन के साथ ही कक्ष आवंटित कर दें। उन्होंने भोजन के पैकेट, पानी के कैंपरों,टंकियों की समुचित उपलब्धता की समीक्षा की। पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि कुछ काम सरकारी सेवा के दौरान ईश्वरीय कृपा से पुण्य अर्जित करने के लिए होते हैं। ऐसा ही एक काम कन्याओं के सामूहिक विवाह का है। इसे वैसे ही सेवा भाव और अपनत्व से करना है जैसे कि हम अपने परिवार की बहिन और बेटियों की शादी में करते हैं। उन्होंने शासकीय अधिकारियों, कर्मचारियों से आग्रह किया कि कोई बेटी पराई नहीं होतीं, वे जाति समाज के खांचों में नहीं बांटी जा सकती, बेटियां हमारी साझी होती हैं। वे देवी स्वरूपा हैं। उनके काम आने का अवसर हम आप सभी को भाग्य से मिला है। मैं स्वयं प्रतिवर्ष एक बेटी का कन्यादान लेकर पैर पखारता हूं। आप भी अपनी सक्षमता के अनुसार भाव पूर्वक किसी एक कन्या के पांव पखारिए। यहां धन मायने नहीं रखता बल्कि आपकी भावना, पवित्रता और संस्कार महत्व रखता है। पूर्व गृहमंत्री श्री सिंह ने कहा कि 278 जोड़ों का पंजीयन पूरे विधानसभा क्षेत्र से हो चुका है, 11 अप्रैल तक पोर्टल खुला है जिसमें और पंजीयन आएंगे। खुरई नगर पालिका, मालथौन नगर परिषद, बांदरी नगर परिषद, बरोदिया कलां नगर परिषद के अलावा खुरई और मालथौन जनपद पंचायत कार्यालयों में पंजीयन कार्य आरंभ है। विवाह स्थल पर भी निकाय वार काउंटर लगाए जाएंगे। उन्होंने पुलिस प्रशासन से पार्किंग व सुरक्षा व्यवस्था के लिए कहा। अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक वैवाहिक जोड़े के लिए एक अलग प्रभारी कर्मचारी की तैनाती की जा सकती है। इसके लिए पर्याप्त कर्मचारी हैं। उन्होंने बताया कि 11 वर्षों में खुरई विधानसभा क्षेत्र में अभी तक 3000 से अधिक व प्रदेश में लाखों सामूहिक विवाह मुख्यमंत्री कन्यादान योजना अंतर्गत हो चुके हैं जो असाधारण उपलब्धि है।

भाजपा पदाधिकारियों व जनप्रतिनिधियों की पृथक बैठक ली

जनपद सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक के पश्चात पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह ने सामूहिक विवाह कार्यक्रम को लेकर भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों की बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ता राजनीति से हट कर सेवा के काम को प्राथमिकता देते हैं इस संकल्प के साथ सभी कार्यकर्ता शासकीय अमले के साथ स्वयंसेवी के रूप में अपना सहयोग दे। उन्होंने इसके लिए खुरई भाजपा मंडल अध्यक्ष चौधरी राहुल जैन को प्रभारी बनाते हुए जिम्मेदारी दी है कि वे बैठक आयोजित कर भाजपा कार्यकर्ताओं की टीमें गठित कर विभिन्न जिम्मेदारियों में संलग्न करें। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि सभी आयोजन में भाजपा का बैज पहन कर उपस्थित हों। इस आयोजन का यश भाजपा सरकार को तभी मिलेगा जब भाजपा कार्यकर्ता अपनी सक्रिय भागीदारी इस आयोजन में निभाए। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता अपनी सक्षमता और भावनाओं के अनुसार किसी एक कन्या के पांव पखारने के लिए संकल्प लें। इस कार्य की संतुष्टि का आनंद बहुत बड़ा है। तत्पश्चात पूर्व गृहमंत्री ने खुरई नगर पालिका परिषद की बजट बैठक में उपस्थित सभी पार्षद सदस्यों से भी यही आह्वान किया। समीक्षा बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नन्हींबाई अहिरवार, जनपद अध्यक्ष जमना प्रसाद अहिरवार, उपाध्यक्ष राहुल चौधरी, राजेंद्र सिंह नगदा, खुरई एसडीएम मनोज चौरसिया, मालथौन एसडीएम मुनव्वर खान, जनपद सीईओ मीना कश्यप, खुरई सीएमओ राजेश मेहतेले, मालथौन सीएमओ संजय समुद्रे, टीआई शशि जी, बीएम ओ शेखर श्रीवास्तव सहित सभी अधिकारी उपस्थित थे। खुरई भाजपा मंडल अध्यक्ष राहुल चौधरी, खुरई ग्रामीण मंडल अध्यक्ष रविन्द्र सिंह, धनौरा मंडल अध्यक्ष राजपाल सिंह, माधव सिंह सिलौधा, ओमप्रकाश घोरट, सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ब्रीफ न्यूज

'वित्तीय वर्ष 2025-26 का जलकर एवं संपत्ति कर एकमुश्त अग्रिम जमा करने पर मिलेगी छूट'

सागर। शासन द्वारा नगर निगम क्षेत्र के संपत्तिकर के उपभोक्ताओं को वित्तीय वर्ष 2025- 26 के संपत्तिकर की राशि 30 जून तक जमा करने पर 6ः छूट का लाभ दिया जा रहा है, संपत्तिकर के उपभोक्ताओं को यह छूट केवल वित्तीय वर्ष 2025-26 की राशि जमा करने पर मिलेगा।इसके साथ ही नगर निगम द्वारा जलकर के सभी उपभोक्ताओं को वित्तीय वर्ष 2025-26 की एक वर्ष की जलकर की एकमुश्त अग्रिम राशि जमा करने पर एक माह के जलकर 150/- रुपए की छूट का लाभ 30 अप्रेल तक दिया जा रहा है।नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री ने राजस्व अधिकारी बृजेश तिवारी को निर्देश दिए हैं कि नागरिकों को संपत्तिकर में 6 प्रतिशत छूट एवं जलकर में एक वर्ष की अग्रिम राशि जमा करने पर दी जा 150/- रुपए की छूट का लाभ दिलाने के लिए सभी वार्डों के पार्षदों को जानकारी दें तथा सभी कर संग्राहक अपने-अपने वार्ड में नागरिकों को संपत्तिकर, जलकर की राशि जमा करके छूट का लाभ लेने हेतु प्रेरित करें तथा वार्डों में इसका अनाउंसमेंट कराएं।

नौ दिन तप साधना कर श्रद्धा भाव के साथ जवारों का विसर्जन

बीना(सागर)।देवी के यह 9 दिन बहुत ही महत्वपूर्ण माने जाते हैं जिसमें लोग साधना जाप करके देवी को प्रसन्न कर अनेक मनौतिया मांगते हैं चैत्र नवरात्रि की नवमी पर भक्तों ने भक्तिभाव के साथ जवारों का विसर्जन किया।इटावा की बड़ी माता मंदिर पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी जवारे रखी गए थे प्रताप वार्ड मुकेश खटीक के निवास पर 64 खप्पर बोएं गए, मां जानकी देवी मंदिर गांधी वार्ड, सहित अनेक जगहों पर बड़े ही श्रद्धा और भाव के साथ अलग-अलग दिवालों और मंदिरों से जवारे निकाले। महिलाएं और पुरुष साधना के रूप में घट सिर पर लेकर चल रहे थे। किसी ने मंदिरों में तो किसी 5ने पवित्र नदियों में जवारों का विसर्जन किया। चैत्र नवरात्र में भक्त मां दुर्गा की अलग-अलग तरह से साधना करते हैं। भक्त दिवालों पर घट की स्थापना करते हैं। भक्त लगातार नौ दिन तक मां दुर्गा की आराधना के रूप में जवारों की सेवा करते हैं और नवमी पर धूमधाम से जवारों की विसर्जन करते हैं। इस बार भी शहर में अलग-अलग स्थानों पर भक्तों ने मंदिरों और दिवालों पर घट स्थापना कर जवारे बोए थे।भक्तों ने लगातार 9 दिन साधना करने के साथ सोमवार को भक्तिभाव के सात जवारों का विसर्जन किया। शहर में जगह-जगह महिलाएं सिर पर घट लेकर विसर्जन के लिए जाती नजर आईं। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग माता की भक्ति में लीन होकर नाचते-गाते दिखे। जवारे विसर्जन के साथ ही भक्तों ने परिवार, समाज और संसार में सुख, समृद्धि की कामना की।

वनों में आग की घटनाओं को रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम करें: कमिश्नर

वन व्यवस्थापन का कार्य तेजी से पूर्ण कराएं

अवैध वन कटाई को रोकने के लिए सख्त कार्रवाही करें

संभाग स्तरीय टॉस्क फोर्स समिति की बैठक में लिए गए कई निर्णय

सागर। कमिश्नर सागर संभाग डा. वीरेन्द्र सिंह रावत की अध्यक्षता में आज वन विभाग की संभाग स्तरीय टॉस्क फोर्स समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में वनों की अवैध कटाई रोकनें, अवैध शिकार के प्रकरणों को रोकने, वन व्यवस्थापन के प्रकरणों का तेजी से निराकरण करने सहित कई अन्य निर्णय लिए गए। वन विभाग की संभाग स्तरीय टॉस्क फोर्स समिति की बैठक में अधिकारियों को निर्देषित करते हुए कमिश्नर सागर डा. वीरेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि सागर संभाग के सभी जिलों में वन्य व्यवस्थापन के प्रकरणों के निराकरण में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है। वन व्यवस्थापन के प्रकरणों के निराकरण मे तेजी लाए तथा वनव्यवस्थापन के प्रकरणों का निराकरण तेजी से सुनिश्चित कराएं।

कमिश्नर ने निर्देष दिए कि वन क्षेत्रों में खनिजों के अवैध उत्खन्न और परिवहन पर भी सख्त से सख्त कार्रवाही करें और वनों में अवैध खनिजों के उत्खन्न के प्रकरणों पर सख्ती से कार्रवाही सुनिश्चित कराएं। बैठक में वन भूमि पर अतिक्रमण के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कमिष्नर ने वन अधिकारियों को निर्देश दिए कि वन भूमि में किए गए अतिक्रमण से बेदखली की कार्रवाही अप्रैल एवं मई माह में प्राथमिकता के साथ करें और वन भूमि में किए गए अतिक्रमण को मुक्त कराएं।

बैठक में वन्य प्राणियों का शिकार करने वाले आदतन अपराधियों के विरूध्द सख्त कार्रवाही करने के निर्देश देते हुए कमिश्नर ने कहा कि सागर संभाग के सभी वन वृतों में वन्य प्राणियों को अवैध शिकार करने वाले आदतन अपराधियों का सघन्य निगरानी होना चाहिए तथा ऐसे आदतन अपराधियों के विरूध्द सख्त से सख्त कार्रवाही होनी चाहिए। बैठक में कमिश्नर ने ग्रीष्म काल में वनों में लगने वाली आग की घटनाओं को रोकने के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश देते हुए कहा कि जंगलों में आग की घटनाओं को रोकने के लिए ग्रामीणों को जागरूक करें। वन क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों से सतत् संवाद स्थापित कर उन्हें जंगलों में आग लगाने से होने वाले नुकसान के विषय में भी जानकारी दे। कमिश्नर ने कहा कि वनों में आग की घटनाओं को रोकने के लिए इस कार्य मे जनमानस की भागीदारी भी सुनिश्चित कराएं। बैठक में वन मंडल अधिकारियों द्वारा वन व्यवस्थापन, वन अधिकार पत्रों के वितरण, वन्य प्राणियों की सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों के संबंध में जानकारी दी गई।बैठक में पुलिस उपमहानिरीक्षक सुनील जैन, मुख्य वन संरक्षक राजेश कुमार खरे एवं अन्य वन मंडल अधिकारी उपस्थित रहे।

बीना में मजदूर ने खाई जहरीली दवा, अस्पताल में भर्ती

बीना (सागर) बीना के सेमरखेड़ी में कुंवर सिंह (35) नाम के व्यक्ति ने अपने घर में जहरीली दवा खा ली। घटना उस समय की है, जब घर में कोई मौजूद नहीं था। परिजनों ने जब कुंवर सिंह को उल्टियां करते हुए देखा तो उन्हें तुरंत अस्पताल ले गए। डॉक्टर संतोष शुक्ला की देखरेख में उनका प्राथमिक उपचार शुरू किया गया।कुंवर सिंह मजदूरी कर अपना जीवन यापन करते हैं। वह अभी कुछ भी बताने की स्थिति में नहीं हैं। अस्पताल प्रशासन ने घटना की सूचना पुलिस को दे दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

यूटीएस मोबाइल ऐप से एमएसटी रेल टिकट बुकिंग: यात्रियों के लिए लाभदायक विकल्प

एमएसटी रेल टिकट बुक करना हुआ और भी आसान

सत्ता सुधार ■ बीना(सागर)

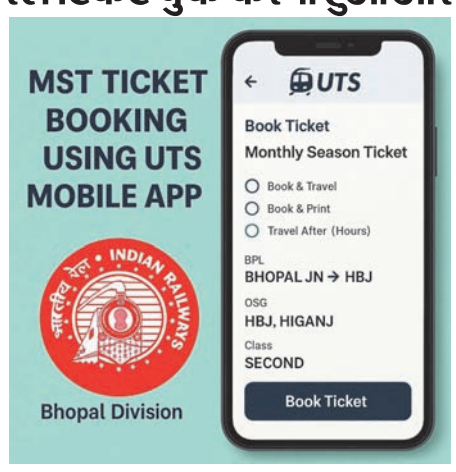

भोपाल मंडल में यात्री मासिक सीजन रेल टिकट (MST) भी यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप के माध्यम से आसानी से बुक कर सकते हैं। यह सुविधा न केवल यात्रा को सरल बनाती है बल्कि समय और धन की बचत भी करती है।भोपाल मंडल में पिछले 6 महीनों में अक्टूबर 2024 से मार्च 2025 तक कुल 60,672 मासिक सीजन रेल टिकट बुक किए गए, जिनमें से 17,722 टिकट यानी करीब 30ऱ टिकट ऋस मोबाइल ऐप के माध्यम से बुक किए गए।

MST क्या है?

MST यानी Monthly Season Ticket एक प्रकार का मासिक रेल टिकट है जो यात्रियों को रोज़ाना आने-जाने के लिए बार-बार टिकट लेने की झंझट से मुक्ति देता है। यह टिकट एक अधिकतम 150 किलोमीटर के लिए मान्य होता है और महीने भर रेल यात्राओं की सुविधा देता है।MST (Monthly Season Ticket) रेलवे द्वारा नियमित यात्रियों के लिए दी जाने वाली एक सुविधा है जो रोज़ रेल टिकट लेने की ज़रूरत को खत्म कर देती है। यह टिकट कई प्रकारों में उपलब्ध है जैसे -QST (Quarterly Season Ticket) जो 3 महीनों के लिए, HST (Half-Yearly Season Ticket) जो 6 महीनों के लिए और YST (Yearly Season Ticket) जो पूरे 12 महीनों के लिए मान्य होता है। ये सभी विकल्प यात्रियों को अधिक रियायत और सुविधा प्रदान करते हैं। अब ये सभी सीजन रेल टिकट ऋस मोबाइल ऐप के माध्यम से डिजिटल रूप से बुक किए जा सकते हैं, जिससे रेल टिकट काउंटर की कतारों से मुक्ति, समय की बचत और पेपरलेस यात्रा का लाभ मिलता है।

यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप: MST रेल टिकट बुकिंग की आसान प्रक्रिया

1. ऐप डाउनलोड करें- गूगल प्ले स्टोर या एप्पल स्टोर से 'UTS' ऐप डाउनलोड करें।
2. रजिस्ट्रेशन करें- मोबाइल नंबर से साइन अप करें।
3. टिकट बुकिंग करें-
4. MST विकल्प चुनें और रूट भरें।
5- R-Wallet से भुगतान करें (3ऱ बोनस भी मिलता है)।
6- टिकट आपके मोबाइल पर पेपरलेस रूप में उपलब्ध रहेगा।

'मुख्यमंत्री,भाजपा प्रदेशाध्यक्ष,प्रदेश संगठन मंत्री सहित अन्य भाजपा पदाधिकारियों से सौजन्य भेंट की'

महापौर ने भोपाल में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री,खेल एवं युवा कल्याण विभाग मंत्री द्वारा आयोजित बैठक में भाग लिया

सत्ता सुधार ■ खुरई

सोमवार को महापौर श्रीमती संगीता सुशील तिवारी ने भोपाल में माननीय नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की अध्यक्षता में आयोजित म.प्र.के सभी नगर निगमों के महापौर एवं निगमायुक्त की समीक्षा बैठक में भाग लिया।

बैठक के उपरांत महापौर श्रीमती संगीता सुशील तिवारी ने मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव से भेंटकर पुष्पगुच्छ से स्वागत किया तथा सागर के विकास एवं सौन्दर्यीकरण की विभिन्न मांगों को पूर्ण करने का आग्रह किया।

महापौर ने भोपाल के तात्या टोपे नगर स्टेडियम में खेल और युवा कल्याण मंत्री माननीय विश्वास सारंग द्वारा खेलों के उन्नयन हेतु प्रदेश के सभी महापौरों के साथ आयोजित बैठक में भाग लिया तथा उन्होंने नगरीय निकायों में खेल गतिविधियों के विकास, युवाओं को खेलों के प्रति आकर्षित करने, खेल इंफ्रास्ट्रक्चर के उन्नयन सहित अन्य विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। इस दौरान महापौर श्रीमती संगीता सुशील तिवारी अखिल भारतीय महापौर परिषद की मध्यप्रदेश इकाई के अध्यक्ष इंदौर महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में भी शामिल हुई।

महापौर श्रीमती संगीता सुशील तिवारी ने नगरीय विकास एवं आवास मंत्री माननीय कैलाश विजयवर्गीय,भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बी.डी.शर्मा, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग, भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी सहित भाजपा पदाधिकारियों से भी सौजन्य भेंटकर पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा ने महापौर का सम्मान किया।इस अवसर पर इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव,भोपाल महापौर मालती राय सहित प्रदेश के सभी नगर निगमों के महापौर, वरिष्ठ भाजपा नेता एवं महापौर प्रतिनिधि डॉ.सुशील तिवारी उपस्थित थे।

महापौर का सम्मान करेंगे शहर के लगभग 35 संगठन

सागर। सिविल लाइन चौराहे का नामकरण भगवान परशुराम जी चौराहा करने पर ब्राह्मण समाज द्वारा 9 अप्रेल बुधवार को रविन्द्र भवन में सम्मान समारोह का आयोजन दोपहर 3.30 बजे से आयोजित किया गया है,इसमें नगर के 35 संगठनों के द्वारा महापौर श्रीमती संगीता सुशील तिवारी का सम्मान किया जावेगा।आयोजन समिति ने बताया कि पिछले 40 सालों से ब्राह्मण समाज के इष्ट भगवान परशुराम जी के नाम से नगर के चौराहे का नामकरण करने की माँग चली आ रही थी जिसे महापौर श्रीमती संगीता सुशील तिवारी के संज्ञान में लाये जाने पर उनके द्वारा नगर निगम परिषद से स्वीकृत कराई जा चुकी है, महापौर के इस निर्णय से समाजजनों में हर्ष व्याप्त है, तथा सभी समाजजनों ने सिविल लाइन चौराहे का नामकरण भगवान परशुराम जी चौराहा करने के आभार स्वरुप महापौर श्रीमती संगीता सुशील तिवारी जी का सम्मान करने के लिये समारोह आयोजित किया है । सम्मान समारोह में अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री पंडित गोपाल भार्गव, विधायक बृजबिहारी पटैरिया, श्रीमती संध्या भार्गव, रामअवतार पांडेय, पं अमित दुबे रामजी , अजय तिवारी एसवीएन सहित नगर के प्रबुद्ध विप्र जन रहेंगे।

ब्रीफ न्यूज

गावस्कर ने बताया- रजत पाटीदार और विराट कोहली की कप्तानी में अंतर

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने चार मैचों में तीसरी जीत हासिल की। टीम छह अंक लेकर फिलहाल अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। इस सीजन बेंगलुरु ने अपना कप्तान बदला था और रजत पाटीदार को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। अब तक उनके नेतृत्व में टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है। रजत आईपीएल में ऐसे पहले कप्तान भी बन गए, जिन्होंने मुंबई, चेन्नई और कोलकाता को एक ही सीजन में उसके घर में हराया हो। अब महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने रजत की तारीफ की है। साथ ही उनके और कोहली के बीच कप्तानी के अंतर को भी बताया है। गावस्कर ने कहा कि उनके सहज रवैए ने टीम को वर्षों की निराशा के बाद आखिरकार आईपीएल में सफलता की राह खोजने में मदद की है। गावस्कर ने जियोस्टार से कहा, %कप्तान के रूप में पाटीदार सहज नजर आते हैं। उनकी टीम ने 17 वर्षों में खिताब नहीं जीता है और अब उसके खिलाड़ी समझते हैं कि जीतने के लिए क्या करने की जरूरत है। एक सहज और संयमित कप्तान के साथ टीम के साथ जुड़े अन्य लोग भी अपना पूरा योगदान दे रहे हैं। गावस्कर ने आरसीबी के मेंटर दिनेश कार्तिक की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, %रजत के पास कई सीनियर्स हैं जो हमेशा मदद करने के लिए तैयार रहते हैं। उनके पास मजबूत सहयोगी स्टाफ है। आरसीबी के सहयोगी स्टाफ में दिनेश कार्तिक जैसा व्यक्ति है जिनके प्रभाव के बारे में लोग पर्याप्त बात नहीं करते हैं। कार्तिक उस तरह के इंसान हैं जो युवा खिलाड़ियों के साथ समय बिताना पसंद करते हैं।

न्यूजीलैंड टीम को बड़ा झटका, दिग्गज कोच ने छोड़ा पद

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के हेड कोच गैरी स्टीड ने चौंकाने वाला फैसला लिया है। भारत के हाथों चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल गंवाने के ठीक एक महीने बाद स्टीड ने व्हाइट बॉल टीम का हेड कोच पद छोड़ने का फैसला लिया और अब उनके पास कुछ समय है कि वह टेस्ट टीम के हेड कोच के लिए फिर से आवेदन करना चाहते हैं या नहीं। बता दें कि साल 2018 में स्टीड को माइक हेसन के इस्तीफे के बाद न्यूजीलैंड टीम का हेड कोच नियुक्त किया था। उनका 2020 और 2023 में कॉन्ट्रेक्ट दो बार रिन्यू किया गया। स्टीड का मौजूदा कॉन्ट्रेक्ट जून में खत्म हो रहा है। दरअसल, गैरी स्टीड ने कहा कि मैं कुछ समय के लिए दौरे से दूर जाने और अपने भविष्य के बारे में सोचने का इंतजार कर रहा हूं। मेरा ध्यान इस सीजन को एक कम अनुभवी टीम के साथ मजबूत तरीके से खत्म करने पर रहा है। पिछले छह से सात महीने खासकर बहुत व्यस्त रहे हैं, सितंबर से लगातार क्रिकेट के एक्शन में व्यस्त रहा हूं। मुझे अब भी लगता है कि मेरे अंदर कोचिंग करने की क्षमता है, हालांकि सभी प्रारूपों में हेड कोच के रूप में नहीं। स्टीड ने आगे कहा कि अगला महीना मुझे अपनी पत्नी, परिवार और अन्य लोगों के साथ इस स्थिति पर और चर्चा करने का मौका देगा। इस विचार के बाद मैं बेहतर स्थिति में रहूंगा यह जानने के लिए कि क्या मुझे टेस्ट कोचिंग पद के लिए फिर से आवेदन करना है या नहीं।

आरसीबी से हार के बाद बोले मुंबई के कोच जयवर्धने

बुमराह निराश हैं, वापसी पर टीम को जिताना चाहते थे

एजेंसी ■ मुंबई

आईपीएल 2025 में सोमवार को मुंबई इंडियंस को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद कोच महेला जयवर्धने ने जसप्रीत बुमराह को लेकर बयान दिया है। जयवर्धने ने कहा कि बुमराह हार से निराश हैं। वह वापसी पर टीम को जीतते हुए देखना चाहते थे। जयवर्धने ने यह भी कहा कि बुमराह वापसी पर सहज दिख रहे हैं और अच्छी गेंदबाजी भी कर रहे हैं।

बुमराह को मैच प्रैक्टिस देना चाहते थे : जयवर्धने ने मैच के बाद कहा, मैंने मैच के बाद उनसे बात की और वह अच्छी स्थिति में दिख रहे हैं। वह निराश भी हैं, क्योंकि वह वापसी पर टीम को जीत दिलाना चाहते थे। उनकी गति अच्छी है और वह अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं।% जयवर्धने ने बुमराह को देर से गेंदबाजी के लिए बुलाने के फैसले का भी बचाव किया। उन्होंने कहा, %उनके आने से हमारे पास अधिक विकल्प हो गए हैं। हमारे पास दो स्विंग गेंदबाज हैं और हमें सबसे पहले उन्हें वह मौका देना होगा। बूम (बुमराह) तीन महीने बाद वापसी कर रहे हैं और हम उन्हें प्रतिस्पर्धी क्रिकेट का माहौल देना चाहते थे।

बुमराह ने अच्छी वापसी की : जयवर्धने ने कहा, उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की और चीजों को बहुत अच्छी तरह से नियंत्रित किया। वह जितने अधिक मैच खेलेंगे उतना ही उनका प्रदर्शन बेहतर होता जाएगा। उन्होंने इससे पहले अपना आखिरी मैच टेस्ट क्रिकेट के रूप में खेला था और अब वह टी20 खेल रहे हैं। इसलिए हमें इसे समझने की जरूरत है, लेकिन उनका कौशल शानदार था।

आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए अच्छा प्रदर्शन करना होगा : जयवर्धने बुमराह की प्रगति के साथ-साथ फिटनेस और फॉर्म के मामले में मौजूदा स्थिति को लेकर आश्वस्त दिखे। उन्होंने कहा, उनका पहला दिन था जहां उन्होंने पेशेवर मैच में गेंदबाजी की। बुमराह की गेंदबाजी कुछ ऐसी चीज है जिसकी हमारे पास पिछले कुछ मैचों में कमी थी। हमें उनका आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

बुमराह की वापसी पर खुश हैं जयवर्धने

जयवर्धने ने कहा कि उनके शामिल होने से टीम के आक्रमण को मजबूती मिली है। बुमराह ने पीठ की चोट के कारण इस साल जनवरी से कोई मैच नहीं खेला था। उन्होंने सोमवार को आरसीबी के खिलाफ मैच से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की। भारतीय टीम के उनके साथी विराट कोहली ने मिडविकेट पर छक्का जड़कर उनका स्वागत किया, लेकिन इसके बाद उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की। मुंबई की टीम यह मैच 12 रन से हार गई थी।

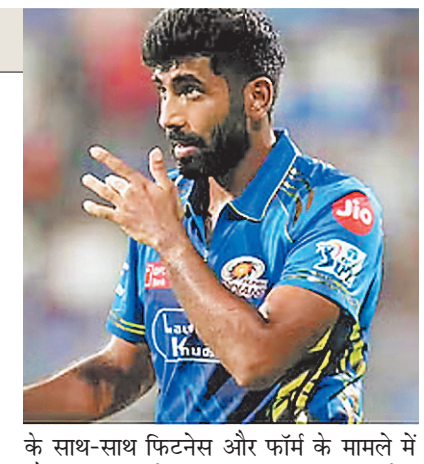

लखनऊ ने बनाया पहली पारी का अपना दूसरा सबसे बड़ा स्कोर

पूरन ने सहवाग-गेल को पछाड़ा, आईपीएल में सबसे तेज 2000 रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए

एजेंसी ■ कोलकाता

आईपीएल 2025 का रोमांच जारी है। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) के बीच 18वें सत्र का 21वां मुकाबला खेला जा रहा है। इस मैच में ऋषभ पंत के नेतृत्व वाली टीम ने 20 ओवर में तीन विकेट खोकर 238 रन का स्कोर बनाया। यह उनका पहली पारी में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। इस मैच में निकोलस पूरन ने भी धमाल मचाया। उन्होंने शानदार अर्धशतकीय पारी खेली।

इस मुकाबले में निकोलस पूरन ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने महज 21 गेंदों में अर्धशतक जड़ा और 87 रन बनाकर नाबाद रहे। पूरन ने इसी के साथ आईपीएल में 2000 रन भी पूरे कर लिए। 38 रन बनाते ही वह आईपीएल में सबसे तेज 2000 रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए। इस मामले में उन्होंने वीरेंद्र सहवाग और क्रिस गेल को पीछे छोड़ दिया। अपनी दमदार पारी के दौरान पूरन ने 241.66 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। उन्होंने सात चौके और आठ छक्के लगाए।

लखनऊ ने किया अपने इस रिकॉर्ड में सुधार : कोलकाता के खिलाफ यह किसी टीम के द्वारा बनाया गया दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। पिछले सीजन में पंजाब किंग्स ने इस मैदान पर गत विजेता टीम के खिलाफ दो विकेट खोकर 262 रन बनाए थे। इसी के साथ लखनऊ ने पहली पारी का अपना दूसरा सबसे बड़ा स्कोर भी बना लिया। उन्होंने इससे पहले आईपीएल 2023 में पंजाब किंग्स के खिलाफ मोहाली में पांच विकेट खोकर 257 रन बनाए थे। निकोलस पूरन और मिचेल मार्श के दम पर लखनऊ सुपर जाएंट्स ने केकेआर के सामने जीत के लिए 239 रनों का लक्ष्य रखा है। कोलकाता ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था, लेकिन मार्श और पूरन की आतिशी बल्लेबाजी के दम पर लखनऊ बड़ा स्कोर खड़ा करने में सफल रहा। मार्श ने 48 गेंदों पर 81 रन बनाए, जबकि एडेन मार्करम ने 47 रन बनाए। लखनऊ ने 20 ओवर में तीन विकेट पर 238 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। पूरन 36 गेंदों पर सात चौकों और आठ छक्कों की मदद से 87 रन बनाकर नाबाद लौटे। केकेआर की ओर से हर्षित राणा ने दो विकेट लिए, जबकि आंद्रे रसेल को एक विकेट मिला। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ को मार्श और मार्करम ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 99 रन जोड़े। इस साझेदारी को हर्षित राणा ने मार्करम को आउट कर तोड़ा। मार्करम अर्धशतक के करीब थे, लेकिन तीन रन से ऐसा करने से चूक गए। इसके बाद मार्श ने अपनी आक्रामक पारी जारी रखी और अर्धशतक जड़ा। मार्श के आउट होने के बाद पूरन ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की और महज 21 गेंदों पर पचासा लगाया।

पांच पारियों में चौथी बार मिचेल मार्श ने जड़ा पचासा

लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) के स्टार बल्लेबाज मिचेल मार्श शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मुकाबले में शानदार अर्धशतक जड़ा। इसी के साथ मार्श ने डेविड वॉर्नर और विराट कोहली की बराबरी कर ली। वह आईपीएल के शुरुआती पांच मैचों में सबसे ज्यादा बार 50+ स्कोर बनाने वाले चौथे बल्लेबाज बन गए। मार्श ने लखनऊ को आक्रामक शुरुआत दिलाई। उन्होंने एडेन मार्करम के साथ पहले विकेट के लिए 99 रनों की साझेदारी निभाई। हर्षित राणा ने मार्करम को बोल्ड किया। वह 47 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद मार्श को निकोलस पूरन का साथ मिला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 30 गेंदों में 71 रनों की पार्टनरशिप हुई। दाएं हाथ के बल्लेबाज मार्श छह चौके और पांच छक्के की मदद से 81 रन बनाने में कामयाब हुए। उन्हें रसेल ने अपना शिकार बनाया। इसी के साथ मार्श शुरुआती पांच पारियों में सबसे ज्यादा बार 50+ स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने चार बार यह कारनामा इस सत्र में किया है। उनसे पहले डेविड वॉर्नर (2016), विराट कोहली (2016) और क्रिस गेल (2018) ने शुरुआती पांच पारियों में चार बार 50 से ज्यादा रन बनाए।

आरसीबी जीती तो शेर की तरह दहाड़े विराट कोहली

एजेंसी ■ नई दिल्ली

मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच रोमांचक मैच 7 अप्रैल को खेला गया। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मेजबान मुंबई इंडियंस को 12 रनों से हार का सामना करना पड़ा। आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट खोकर 221 रनों का स्कोर खड़ा किया।

इसके जवाब में मुंबई इंडियंस की टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 209 रन ही बना सकी। मुंबई इंडियंस की तरफ से तिलक वर्मा का ताबड़तोड़ अर्धशतक और हार्दिक पांड्या की धुआंधार पारी टीम के काम नहीं आई।

आरसीबी ने इस तरह वानखेड़े में 10 साल बाद मुंबई को हराया। इससे पहले 2015 में मुंबई के खिलाफ आरसीबी को जीत मिली थी। अंत के ओवर में क्रुणाल पांड्या ने कमाल का प्रदर्शन कर मुंबई के हाथों मैच छीन लिया। इस मैच में आरसीबी की जीत के विराट कोहली का जश्न देखने लायक रहा, तो हार्दिक पांड्या डगआउट में निराश नजर आए, जिसकी तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही है।

दरअसल, मुंबई के वानखेड़े मैदान पर विराट कोहली को बल्लेबाजी करना कितना भाता है, यह हम कई बार देख चुके हैं। इस मैदान पर विराट का औसत 55.86 का है और वह करीब 150 की स्ट्राइक से बल्लेबाजी करते हैं। सोमवार को जब विराट कोहली (67) मुंबई इंडियंस के खिलाफ इस मैदान पर बल्लेबाजी करने उतरे तो अपनी आतिशीबाजी से उन्होंने फैंस का दिल जीत लिया।

विराट ने केवल 29 गेंदों में अर्धशतक जड़ डाला। वानखेड़े पर टी-20 मुकाबलों विराट का यह आठवां अर्धशतक था। मुंबई के कप्तान हार्दिक पांड्या ने टास जीता तो तुरंत गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहला ओवर फेंकने आए ट्रेंट बोल्ट ने फिल साल्ट का डंडा उखाड़ा तो लगा कि मुंबई के गेंदबाज आरसीबी के बल्लेबाजों पर लगाम लगाने में सफल रहेंगे, लेकिन विराट ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया।

साथी खिलाड़ी की गलती देख कोहली को आया गुस्सा, फेंक दी अपनी कैप

एजेंसी ■ नई दिल्ली

आरसीबी की टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली मैदान पर जब भी होते हैं तो वह सुर्खियां बटोरते हुए नजर आते रहते हैं। कभी अपनी शानदार बल्लेबाजी, फील्डिंग तो कभी अपने गुस्से की वजह से कोहली छाए रहते हैं। हाल ही में मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए आईपीएल 2025 के 20वें मैच में विराट कोहली को गुस्से में देखा गया। पहले अपने आउट होने के बाद ड्रेसिंग रूम में उन्होंने बैट फेंक दिया। वहीं फील्डिंग करते हुए साथी खिलाड़ी की गलती देखकर कोहली ने बीच मैदान अपनी कैप मैदान पर फेंक दी। आइए जानते हैं कोहली को किस वजह से इतना गुस्सा आया?

दरअसल, वानखेड़े के मैदान पर विराट कोहली को भयानक गुस्सा आया। मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेल गए मैच में 12वें ओवर के दौरान यश दयाल की दूसरी गेंद पर सूर्यकुमार यादव ने शॉट खेला था। यश के पास मौका था कि वह आसान-सा ये कैच लपक लें, लेकिन तभी विकेटकीपर जितेश शर्मा आए और दोनों खिलाड़ी आपस में टकरा गए और गेंद छूट गई।

गेंद काफी ऊपर थी और विकेटकीपर जितेश कैच लपकना चाहते थे, लेकिन यश ने उनकी कॉल नहीं सुनी और इस तरह आरसीबी की टीम को नुकसान हुआ। इन दोनों खिलाड़ियों की आपस में तालमेल नहीं बैठता देख मैदान पर विराट कोहली अपना गुस्सा काबू नहीं कर पाए। उन्होंने गुस्से में अपनी कैप उतारकर जमीन पर फेंक दी। इसका वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस दौरान क्रीज पर मौजूद सूर्यकुमार 27 रन के निजी स्कोर पर बैटिंग कर रहे थे, लेकिन जितेश और यश दयाल की गलती की वजह से उन्हें जीवनदान मिला। हालांकि, फिल साल्ट ने सूर्यकुमार यादव को आउट कर इस गलती को सुधारा। अगर बात करें मैच की तो मुंबई के खिलाफ आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए विराट कोहली (67) और कप्तान रजत पाटीदार (64) के अर्धशतकों से 221 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में मुंबई की टीम ने भी 209 रन बना लिए और इतना करीब आकर भी जीत नहीं सकी। अंतिम ओवर में मुंबई को जीत के लिए 19 रन चाहिए थे, लेकिन क्रुणाल पांड्या ने तीन विकेट लेकर मुंबई को मुकाबले से बाहर कर दिया।

ट्राई सीरीज 2025 के लिए भारतीय महिला टीम का हुआ एलान

शेफाली वर्मा ड्रॉप, 3 खिलाड़ी डेब्यू को तैयार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम अब अपने अगले मिशन की ओर आगे बढ़ चुकी है। 27 अप्रैल से भारत को श्रीलंका में वनडे ट्राई सीरीज खेलनी है, जिसमें मेजबान देश के अलावा दक्षिण अफ्रीका भी शामिल है।इस सीरीज के लिए बीसीसीआई ने भारतीय स्क्वॉ का एलान कर दिया है। हरमनप्रीत कौर को एक बार फिर भारतीय महिला टीम का कप्तान बनाया है, जबकि उनकी डिप्टी के रूप में स्मृति मंधाना नजर आएंगी।

8 अप्रैल को श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ट्राई सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम की घोषणा हो गई है। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम में युवा खिलाड़ियों को मौका मिला है। तीन युवा खिलाड़ियों, काशवी गौतम, श्री चरणी और, शुचि उपाध्याय को अंतरराष्ट्रीय टीम में पहली बार जगह मिली है। सिलेक्शन कमेटी ने रेणुका सिंह ठाकुर और तितास साधु को भी चुना है, लेकिन फिलहाल वह अपनी इंजरी से अभी ठीक से रिकवर नहीं हुए हैं। शेफाली वर्मा को भारतीय महिला टीम में जगह नहीं मिली है। 2024 टी20 विश्व कप में फ्लॉप शो के बाद वह टीम में जगह बनाने में नाकाम हो रही है। डब्ल्यूपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स और घरेलू क्रिकेट में शेफाली ने बल्ले से कमाल का प्रदर्शन किया था, लेकिन उन्हें फिर से नजरअंदाज किया गया हैं।

ट्राई सीरीज के लिए टीम इंडिया इस प्रकार

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (वीसी), प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, अमनजोत कौर, काशवी गौतम, स्नेह राणा, अरुंधति रेड्डी, तेजल हसब्निस, श्री चरणी, शुचि उपाध्याय

रिकॉर्ड | बुमराह रेस में काफी पीछे

भुवनेश्वर ने रचा इतिहास, तोड़ा आईपीएल का ऑलटाइम रिकॉर्ड

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भुवनेश्वर कुमार ने वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए मैच में इतिहास रचा। भुवनेश्वर कुमार अब आईपीएल इतिहास के सबसे सफल पेसर बन गए हैं। उन्होंने ड्वेन ब्रावो को पछाड़ दिया है, जिन्होंने इस लीग में 183 विकेट लिए। भारतीय स्टार भुवनेश्वर के नाम अब बतौर पेसर आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड दर्ज हो गया हैं।

भुवनेश्वर के नाम 180 आईपीएल मैचों में अब तक 184 विकेट दर्ज हैं। वह अपने शानदार गेंदबाजी से बल्लेबाजों को अपना शिकार बना रहे हैं। मुंबई के खिलाफ उन्होंने तिलक वर्मा का विकेट लेने के साथ ही आईपीएल में ये खास मुकाम हासिल किया।

35 साल के भुवनेश्वर कुमार के नाम आईपीएल के इतिहास में बतौर पेसर सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड जुड़ गया हैं। भुवनेश्वर अपनी स्विंग के लिए जाने जाते हैं। उनके पास धीमी गेंद और यॉर्कर जैसी गेंदबाजी की क्षमता भी हैं, जिन्हें वह बहुत सटीकता से करते हैं।

खासकर डेथ ओवरों में अपनी गेंदों में विविधता लाने की क्षमता ने उन्हें खेल के सभी चरणों में एक भरोसेमंद गेंदबाज बना दिया है। भुवनेश्वर ने मुंबई के खिलाफ आरसीबी की 12 रन की जीत में अहम योगदान दिया। मैच में उन्होंने 4 ओवर गेंदबाजी करते हुए 48 रन लुटाते हुए एक विकेट लिए।

बता दें कि आईपीएल में 2011 में पंजाब किंग्स के खिलाफ डेब्यू करने वाले भुवनेश्वर कुमार ने अब तक आरसीबी से पहले पुणे वॉरियर्स, सनराइजर्स हैदराबाद की टीम के लिए भी खेला हैं।

प्वाइंट्स टेबल पर तीसरे स्थान पर मौजूद आरसीबी

आईपीएल 2025 में अब तक 20 मैच खेले जा चुके है। आरसीबी की टीम ने मुंबई इंडियंस को 12 रन से हराकर अंक तालिका पर तीसरा पायदान हासिल किया। आरसीबी की टीम 4 मैच में से 3 मैच में जीत और एक में हार के साथ 6 अंक के साथ अंक तालिका पर तीसरे स्थान पर मौजूद हैं। टॉप पर दिल्ली कैपिटल्स की टीम 6 अंक के साथ मौजूद है।

दैनिक सत्ता सुधार
समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें
विनोद तिवारी
जिला ब्यूरो प्रमुख दमोह
मो. 6266038075

सीएम युवा उद्यमी विकास अभियान लक्ष्य से कोसों दूर

प्रदेश में बैंकों की मनमानी से सिर्फ 25 फीसदी जरूरतमंदों को ही मिल पाया कर्ज

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

राजधानी लखनऊ में युवाओं को उद्यमी बनाने के लिए जोर शोर से शुरू हुई सीएम युवा उद्यमी विकास अभियान योजना अभी भी अपने लक्ष्य से कोसों दूर है। बैंकों की मनमानी व ढीलाशाही रवैये की वजह से उद्योग विभाग ने 2000 प्रोजेक्ट को मंजूरी दी। लेकिन, कर्ज सिर्फ 482 प्रोजेक्ट यानि करीब 25 फीसदी को ही मिल सका है। उधर, बैंक ने भी जिन 904 प्रोजेक्ट को कर्ज की मंजूरी दी उसमें से भी सिर्फ 482 को ही कर्ज दिया। ऐसे में खत्म होते वित्तीय वर्ष में शेष 422 आवेदकों की सब्सिडी लटक सकती है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना से जनपद लखनऊ को इसके लिए 3500 प्रोजेक्ट का लक्ष्य दिया गया। इसमें 3500 आवेदकों को 5-5 लाख रुपए तक का कर्ज वितरण करना था। लेकिन, खत्म होते वित्तीय वर्ष में उद्योग विभाग सिर्फ 2000 प्रोजेक्ट यानी करीब 60 फीसदी को ही मंजूरी दे सका। उसमें भी कर्ज के लिए मंजूर हुए 904 प्रोजेक्ट में से सिर्फ 482 को ही कर्ज मिल सका है। ऐसे में शेष अगर 31 मार्च तक शेष 422 आवेदकों को कर्ज नहीं मिला तो खत्म होते वित्तीय वर्ष में इनकी 10 प्रतिशत तक की सब्सिडी लटक सकती है। पांच लाख के कर्ज के हिसाब से यह 50 हजार रुपए प्रति प्रोजेक्ट बनती है। लिहाजा, उद्योग विभाग के अफसर से लेकर कर्मचारी तक हर आवेदक को फोन कर जल्द से जल्द सभी कार्यवाहियां पूरी कर इसी वित्तीय वर्ष में अपना कर्ज हासिल करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

ट्रेनिंग के बाद मिलेगी सब्सिडी

वित्तीय वर्ष 2024-25 में शुरू हुई इस योजना के तहत अब तक सभी को बिना किसी ट्रेनिंग के 5 लाख तक का कर्ज दिया गया। इसमें जिन 482 आवेदकों को कर्ज मिला है उनको तो 50 हजार रुपए की सब्सिडी आसानी से मिल जाएगी। लेकिन, जिन 422 प्रोजेक्ट के आवेदकों को कर्ज की मंजूरी तो हुई, लेकिन कर्ज नहीं मिला, उनको अगले वित्तीय वर्ष में सब्सिडी हासिल करने के लिए काफी जद्दोजहद करनी पड़ेगी।

एलडीएम बोले-नहीं कोई लापरवाही

कुछ दिन पहले बैंकों की ढीलाशाही पर डीएम विशाख जी ने कड़ा रुख अख्तियार किया था और निजी बैंकों को लापरवाही पर उनके सरकारी खाते बंद करने की चेतावनी भी दी थी। लेकिन, लीड बैंक मैनेजर मनीष पाठक का कहना है कि सभी को कर्ज दिया जा रहा है। जिस प्रोजेक्ट रिपोर्ट में कागज पूरे नहीं हुए होंगे, सिर्फ उनके ही कर्ज वितरण में देरी होगी।

पीएम मोदी ने हंसते हुए कहा- आपको चुनाव लड़ना है क्या...

संवाद : विकसित भारत का सपना हम मिलकर करेंगे पूरा...

सत्ता सुधार ■ रायबरेली

राजधानी दिल्ली में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने आवास में मुद्रा योजना के लाभार्थियों से बातचीत की। बातचीत के दौरान रायबरेली में बेकरी का उद्यम करने वाली महिला ने ऐसी बात कह दी कि प्रधानमंत्री को हंसी आ गई। उन्होंने पलटकर पूछा कि आपको भी चुनाव लड़ना है क्या? प्रधानमंत्री से संवाद के क्रम में रायबरेली की महिला का नंबर आया तो सबसे पहले उसने मुद्रा लोन योजना शुरू करने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। इसके बाद कहा कि आपके सहयोग से एमएसएमई विभाग काफी आगे बढ़ रहा है। उसके माध्यम से हम व्यापारियों को भी मदद मिल रही है।

ब्रीफ न्यूज

सीएम को जान से मारने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में सीएम योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने चुनावी रंजिश का बदला लेने के लिए विरोधियों के नाम से एसपी कार्यालय में पत्र भेजा था। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में आरोपी ने यह बात स्वीकार की है। पुलिस के पास आए पत्र के बाद सदर बाजार थाने के उपनिरीक्षक दिनेश कुमार की तरफ से रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई थी। इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस, सीसीटीवी फुटेज के जरिये पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने मुख्यमंत्री योगी को दस अप्रैल को जान से मारने की धमकी देते हुए खुद को आईएसआई का एजेंट बताया था। सदर थाना प्रभारी अरविंद सिंह ने बताया कि आबिद और नफीस के नाम मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी अजीम निवासी गुनारा, जलालाबाद को थाना रामचंद्र मिशन के सामने बनी गोशाला के पीछे से मंगलवार सुबह सात बजे गिरफ्तार कर लिया। अजीम ने पुलिस को बताया कि उसने पत्र अपने ही गांव के नफीस व आबिद से अपनी कुछ निजी रंजिश व विवादों का बदला लेने के लिए भेजा था। उसे उम्मीद थी कि पुलिस उन दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज देगी।

सांसद जियाउर्रहमान बर्क से ढाई घंटे तक हुई पूछताछ

संभल। सपा के सांसद जियाउररहमान बर्क संभल हिंसा मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) के समक्ष पेश होने के लिए नखासा थाने पहुंचे। इस मामले में उन्हें बयान के लिए समन भेजा गया था। एएसपी श्रीशचंद और सीओ कुलदीप सिंह ने उसने ढाई घंटे तक पूछताछ की। मंगलवार को कई अधिवक्ताओं के साथ सांसद सुबह 11.15 बजे थाने पहुंचे। पेशी से पहले सांसद ने कानून और संविधान में विश्वास जताते हुए जांच में पूरा सहयोग देने की बात कही है। सांसद ने कहा कि मैं कानून और संविधान में विश्वास करता हूं। न्यायपालिका पर मेरा भरोसा है। आज तबीयत ठीक नहीं है और डॉक्टर ने आराम की सलाह दी है। बावजूद मैं एसआईटी के सामने पेश हो रहा हूं ताकि पुलिस-प्रशासन को यह न लगे कि मैं जांच में सहयोग नहीं कर रहा। पेशी से पहले उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बयान दिया कि वह कानून और संविधान में पूर्ण विश्वास रखते हैं और जांच में हर संभव सहयोग करेंगे। गौरतलब है कि संभल में हुई हिंसा को लेकर एसआईटी जांच कर रही है। मामले में कई लोगों से पूछताछ की जा चुकी है।

वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 अप्रैल को देंगे खास परियोजनाओं की सौगात

आईआईटी दिल्ली की टीम टनल को देगी डिजाइन

भिखारीपुर फ्लाईओवर दो साल में तैयार होगा

बिजली आपूर्ति की राह आसान हो जाएगी

टनल के दोनों तरफ सीआरपीएफ की रहेगी तैनाती और एमएसएमई यूनिटी मॉल का निर्माण होगा

सत्ता सुधार ■ वाराणसी

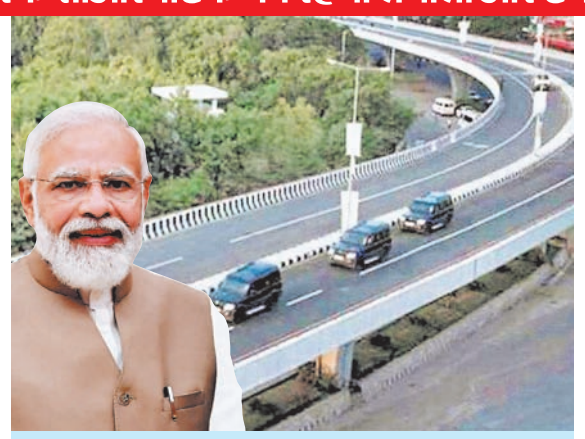

बाबतपुर एयरपोर्ट के पास बनने वाली टनल को आईआईटी दिल्ली की टीम आधुनिक तरीके से डिजाइन करेगी। इसी तरह मंडुवाडीह और भिखारीपुर फ्लाईओवर अगले दो साल में बनकर तैयार हो जाएगा। शहर के 77 प्राथमिक विद्यालयों की छतों को वाटर प्रूफ कराया जाएगा। इससे बारिश में दिक्कत नहीं आएगी। छतों से पानी नहीं टपकेगा। इन खास विकास परियोजनाओं का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 अप्रैल को करेंगे। बिजली निगम की कई परियोजनाएं ऐसी हैं, जिनके पूरी होने के बाद 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति की राह आसान हो जाएगी। बिजली के तार बांस-बल्ली के सहारे नहीं रहेंगे। सभी बंच कंडक्टर केबल लगाया जाएगा। 652.54 करोड़ से बाबतपुर एयरपोर्ट के पास बनने वाली टनल में यात्रियों की सुरक्षा के लिए हर समय वीडियो सर्विलांस सिस्टम की व्यवस्था रहेगी। अच्छे कैमरे लगाए जाएंगे। रूट पेट्रोलिंग वाहन और एंबुलेंस की भी व्यवस्था रहेगी। टनल के दोनों तरफ सीआरपीएफ की तैनाती रहेगी। एमएसएमई यूनिटी मॉल का निर्माण होगा। इसमें देशभर के हस्तशिल्प और पारंपरिक वस्त्रों की प्रदर्शनी लगेगी। प्रदेश के वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट योजना के तहत बुनकरों और शिल्पकारों के उत्पादों को स्थान मिलेगा। ऑडिटोरियम, क्राफ्ट म्यूजियम, गेम जोन, ओपन एयर रेस्टोरेंट व फूड कोर्ट और नगर निगम का ऑफिस होगा।

वीडियो सर्विलांस से निगरानी

652.54 करोड़ से बाबतपुर एयरपोर्ट के पास बनने वाली टनल में यात्रियों की सुरक्षा के लिए हर समय वीडियो सर्विलांस सिस्टम की व्यवस्था रहेगी। अच्छे कैमरे लगाए जाएंगे। रूट पेट्रोलिंग वाहन और एंबुलेंस की भी व्यवस्था रहेगी। टनल के दोनों तरफ सीआरपीएफ की तैनाती रहेगी।

बंच कंडक्टर केबल लगाए जाएंगे

आरडीएसएस के तहत 584.41 करोड़ विद्युत तंत्र को बेहतर करते हुए 16 नए उपकेंद्र स्थापित किए जाएंगे। एक अत्याधुनिक ई-हाउस साकेत नगर में बनाया जाएगा। 207 केवी के नई एबी केबल के सर्किट ऐसे स्थानों पर डाले जाएंगे, जहां पर लंबी दूरी के सर्विस केवल बांस बल्ली के सहारे डाले गए हैं। इससे 24 घंटे निर्बाध रूप से बिजली दे पाना भी संभव हो सकेगा।

कम होगा यातायात दबाव

काजीसराय से निकलकर गढ़वा, बालीपुर, बेसईपुर, वार, अमावर, मोहनपुर, वीरापट्टी, इंद्रवार, भौमी, उन्दी, जैपार होते हुए भोजूबीर सिंधौरा मार्ग अन्य जिला मार्ग के गांव सुतबलपुर मुर्दहा तक सड़क निर्माण होगा। इससे रिंग रोड, वाराणसी शहर, वाराणसी एयरपोर्ट तक मार्ग का सुगम संपर्क हो जाएगा। इसी तरह कुरू कोइलर से धौकलगंज सरावां की सड़क चौड़ी की जाएगी। चौथा मार्ग बाबतपुर एयरपोर्ट से निकलकर बाबतपुर मंगारी पलहीपट्टी कादीपुर होते हुए चौबेपुर बाजार में वाराणसी गोरखपुर मार्ग को जोड़ेगा।

पुलिस लाइन में बनेगा आवास

पुलिस लाइन में आवास बनाए जाएंगे। इसी तरह शिवपुर, मिर्जामुराद, लालपुर-पांडेयपुर और बड़ागांव थाने के प्रशासनिक भवन बनाए जाएंगे। वाराणसी-इलाहाबाद एनएच मार्ग पर ग्राम करनाडाडी, मिल्कीचक, सरायमोहन एवं वैरवन में ट्रांसपोर्ट नगर योजना विकसित की जाएगी।

बच्चों के लिए अच्छा स्टेडियम बनेगा

शिवपुर स्टेडियम में हॉकी, फुटबॉल, वॉलीबॉल कोर्ट, क्रिकेट, इनडोर गेम हॉल बनवाए जा रहे हैं। 77 प्राथमिक विद्यालयों को स्मार्ट बनाया जाएगा। यूपी कॉलेज में सिंथेटिक हॉकी टर्फ मैदान बनेगा।

दो लाख की आबादी को होगा फायदा

चार लेन ऐलिवेटेड रोड का निर्माण रिंग रोड से कस्तूरवा विद्यालय होते हुए सारनाथ रेलवे स्टेशन रोड तक होगा। इसका फायदा दो लाख आबादी को मिलेगा। भिखारीपुर और मंडुवाडीह में बनने वाला फ्लाईओवर का शिलान्यास भी पीएम करेंगे। जल्द ही इसका निर्माण शुरू होगा। अगले दो साल में निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य है। 40 ग्राम पंचायतों में 37 छोटे और चार बड़े सामुदायिक भवन बनाए जाएंगे। सेवापुरी, आराजीलाइन, काशी विद्यापीठ के चयनित गांवों के चार किमी क्षेत्रफल में इसका निर्माण होगा।

प्रदेश के 17 जिलों में लू की चेतावनी, पर कुछ जिलों में होगी हल्की बारिश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मौसम का मिजाज बदलने लगा है। मंगलवार को प्रदेश के विभिन्न इलाकों में पूर्वा हवाएं चलीं और तराई के कुछ इलाकों में बादलों की आवाजाही रही। बुधवार के लिए मौसम विभाग ने पश्चिमी यूपी के लगभग 17 जिलों में लू की चेतावनी जारी किया है और पूर्वी-तराई हिस्सों में बूंदाबांदी के आसार जताए हैं। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक यूपी के पूर्वी-तराई इलाकों महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, कुशीनगर, गोरखपुर, बस्ती आदि में गरज-चमक संग बूंदाबांदी के संकेत हैं। कहीं-कहीं वज्रपात के भी आसार हैं। सक्रिय हुए पश्चिमी विक्षोभ के असर से अगले तीन से चार दिन प्रदेश के विभिन्न इलाकों में छिटपुट बूंदाबांदी देखने को मिल सकती है। वहीं तात्कालिक तौर पर पारे में 2 से 4 डिग्री की गिरावट की संभावना है। बीते कुछ दिनों से दिल्ली एनसीआर क्षेत्र के जिलों, बुंदेलखंड और यूपी के दक्षिण पूर्वी जिलों में लोगों को झुलसाने वाली गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। मंगलवार को आगरा, झांसी समेत कई जिलों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया। वहीं प्रयागराज, हमीरपुर, कानपुर, मुजफ्फरनगर में तापमान सामान्य से अधिक रहा और लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा। रात के पारे में भी बढ़ोतरी आई।

यहां हीट वेव: गाजियाबाद, हापुड, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर में हीट वेव रही।

इंडस टावर संचार क्रांति में एक नया आयाम

ग्वालियर। आधुनिक युग में संचार नेटवर्क की मांग तेजी से बढ़ रही है, और इसी के साथ टावर कंपनियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती जा रही है। मोबाइल और इंटरनेट सेवाओं को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए मजबूत नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता होती है, जिसे इंडस टावर कंपनियां पूरा कर रही हैं। भारत के अन्य अन्य शहरों में स्थित 'इंडस टावर कंपनी' इस दिशा में एक प्रमुख नाम बनकर उभर रही है। कंपनी के निदेशक ने बताया कि उनकी कंपनी मोबाइल नेटवर्क को बेहतर बनाने के लिए अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि 5 प्रतिशत और अन्य नवीनतम नेटवर्क सेवाओं की बढ़ती जरूरत को देखते हुए टावरों की संख्या और उनकी गुणवत्ता में सुधार आवश्यक है। 'इंडस टावर कंपनी' का मुख्य उद्देश्य देश के दूरस्थ क्षेत्रों तक नेटवर्क सेवाएं पहुंचाना है, जिससे डिजिटल इंडिया अभियान को भी मजबूती मिलेगी। कंपनी के अनुसार, वे पर्यावरण अनुकूल तकनीकों को अपनाते हुए टावर निर्माण कर रहे हैं, जिससे रेडिएशन और अन्य पर्यावरणीय प्रभावों को न्यूनतम किया जा सके।

शिक्षा पर महंगाई: जहां से मिलता कमीशन...स्कूल वही बुक्स करते हैं मान्य

किताब-कॉपी 20 फीसदी महंगी

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

राजधानी लखनऊ में स्कूल कॉलेजों में नया शैक्षिक सत्र शुरू हो चुका है और अभिभावकों की जेब पर बोझ भी बढ़ गया है। किताबों के दाम जहां 15 फीसदी तो वहीं कॉपी के 20 फीसदी तक बढ़ चुके हैं। बढ़े हुए दामों में कॉपी किताबें खरीदनें के लिए अभिभावक भी मजबूर हैं। वहीं दुकानदार कहते हैं कि उन्हें बढ़े हुए दामों में कॉपी किताबें मिल रही हैं तो वह भी दाम बढ़ाकर दे रहे हैं। दरअसल, स्कूल प्रबंधक और निजी प्रकाशकों की आपसी सांठगांठ रहती है। इसकी गोपनीयता इतनी ज्यादा है कि स्कूल प्रबंधक वही किताब चलाते हैं जिनके प्रकाशक उनको मोटा कमीशन देते हैं। ऐसे में दुकानदार को जब बढ़े हुए दामों में किताबें मिलती हैं तो अभिभावकों को भी मंहगी किताबें मिलती हैं।

एनसीईआरटी से महंगी: जानकीपुरम स्थित एक निजी स्कूल अभिभावक बताते हैं कि प्राइवेट पब्लिकेशन की किताबों की कीमत एनसीईआरटी पाठ्यक्रम से अधिक महंगी हैं। यदि अभिभावक स्कूल में किताबों लिस्ट की सूची मांगते हैं तो उन्हें स्कूल की ओर से मौखिक तौर पर दुकानदार के बारे में जानकारी दी जाती है। कहा जाता है कि जैसे दुकानदार से स्कूल व क्लास बताएंगे तो किताबें मिल जाएंगी।

बजट पर पड़ रहा असर: अभिभावक अंजली वैश्य, मीनू पांडेय कहती हैं कि स्कूल में बच्चों को पढ़ाना बहुत मुकिश्ल हो रहा है। बच्चे की फीस, स्टेशनरी, वाहन शुल्क, यूनिफार्म के खर्च ने बजट गड़बड़ कर दिया है। कमाई का एक तिहाई हिस्सा पढ़ाई पर खर्च हो रहा है। विकास नगर स्थित एक निजी स्कूल के अभिभावक नीलम मौर्या ने बताया उनके दो बच्चे एक साथ पढ़ते हैं।

वर्धानी क्लासेज छात्रों के लिए 100 फीसदी छात्रवृत्ति और बेहतरीन कोचिंग का अनूठा संगम

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

शिक्षा के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए वर्धानी क्लासेज ने कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्रों के लिए 100 प्रतिशत छात्रवृत्ति और बोर्ड व प्रतियोगी परीक्षाओं की समग्र तैयारी का अनूठा अवसर प्रस्तुत किया है। इस संस्थान की विशेषता सिर्फ शैक्षणिक ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह छात्रों के आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास को भी बढ़ावा देता है।

डॉ. करण वर्धानी
निर्देशक, वर्धानी बायोलॉजी क्लासेज

वर्धानी क्लासेज का उद्देश्य छात्रों को आधुनिक शिक्षा तकनीकों के साथ सफलता की ओर अग्रसर करना है। वर्धानी क्लासेज में आपको डेली ओरल टेस्ट, कोटा पैटर्न पर आधारित सिलेबस, कमजोर छात्रों के लिए विशेष क्लासेस, प्रतियोगी टेस्ट जैसी सुविधाएं मिलेंगी जिससे विद्यार्थी मुश्किल विषयों को आसान बना कर पढ़ एवं समझ सकता है और इसी के साथ साथ वर्धानी क्लासेज में वन-टू-वन डाउट सेशन एवं बोर्ड परीक्षा की रियल प्रैक्टिस मॉक टेस्ट, लैब और लाइब्रेरी जैसी सुविधाएं मिलेगी वर्धानी क्लासेज हर साल 'सुपर 100 स्कॉलरशिप टेस्ट' आयोजित करता है, जिसमें अव्वल आने वाले छात्रों को फुल फीस माफी दी जाती है। यह टेस्ट एनसीईआरटी और एडवांस्ड लेवल के प्रश्नों पर आधारित होता है, जिससे प्रतिभाशाली छात्रों को उनकी मेहनत का उचित सम्मान मिलता है।

अभी संपर्क करें: 9144255864
ईमेल: vardhaniclasses123@gmail.com

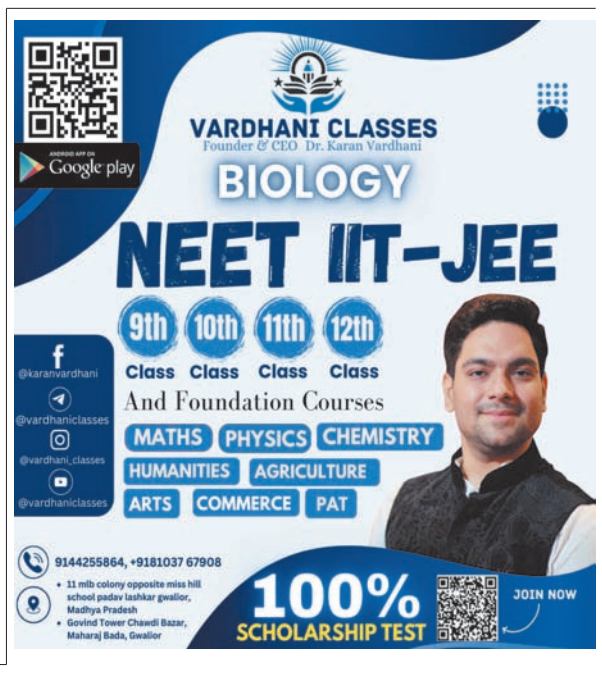

घर बैठे कमाए

indus TOWERS

सरकारी मान्य कंपनी द्वारा जमीन खेत प्लॉट छत पर 5g टावर लगवा कमाएं 30 से 60 लाख एडवांस 45000 किराया +नौकरी जमीनी नक्शा ऑफिस आयें या घर बैठे ऑनलाइन सर्वे पास कराएं

8319401203
9407780635

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक गोपाल श्रीवास्तव के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, बाराघाटा इंडस्ट्रीयल एरिया प्लाट नं. 12ए झांसी रोड़ ग्वालियर से मुद्रित एवं गाँधी नगर, बस स्टैंड के पास, भिण्ड से प्रकाशित। संपादक - गोपाल श्रीवास्तव। मोबाईल न. 9893126900, 7869966100, भोपाल ऑफिस-0755-4002626, 4939910, आरएनआई नं. एमपीएचआईएन/2008/28334 विधिक सलाहकार श्री राजेंद्र जैन, एडवोकेट। शिकायत एवं सुझाव हेतु संपर्क करें-6261052058, ई मेल- sattasudhar@gmail.com* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।